02 अप्रैल 2025 | रांची, बुधवार | वर्ष-26, अंक- 60, पृष्ठ-12 | चैत्र शुक्ल पक्ष 04, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

₹3.00

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

उमंग और उल्लास

रांची सहित पूरे झारखंड में प्रकृति पर्व सरहुल धूमधाम से मनाया गया। सरहुल को लेकर पूरे राज्य में उत्साह का माहौल था। इस मौके पर रांची सहित कई शहरों में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। हजारों की संख्या में लोग इन शोभायात्राओं में शामिल हुए। शोभायात्रा में झारखंड की संस्कृति और परंपरा की झलक दिखी, खास बात यह थी कि इसबार ज्यादातर लोग सरना ड्रेस पहने हुए थे। मांदर, ढोल और नगाड़े की थाप पर नाचते-गाते, झूमते हुए पारंपरिक परिधान में महिला-पुरुष, बच्चे-बुजुर्ग सरना स्थल पहुंचे और पूजा-अर्चना में भाग लिया। राज्य में गांव-शहर हर जगह सरना स्थल पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन के साथ रांची में दो जगहों, आदिवासी छात्रावास और सिरम टोली स्थित सरना स्थल, पर आयोजित सरहुल महोत्सव में शामिल हुए और पूजा-अर्चना की। रांची के विधायक और पूर्व मंत्री सीपी सिंह, आजसू पार्टी के प्रमुख सुदेश महतो आदि ने शोभायात्रा में भाग लिया।

सीएम हेमंत सोरेन आदिवासी कॉलेज छात्रावास में आयोजित सरहुल महोत्सव में हुए शामिल, कहा

पूर्वजों से विरासत में मिली सरहुल की परंपरा को और आगे ले जाना है

सरहुल

झूमी रांची झूमा झारखंड

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर, करमटोली, रांची में आयोजित सरहुल पूजा महोत्सव में कहा कि पर्व त्योहारों से हमारी परंपरा, सभ्यता-संस्कृति और आस्था जुड़ी हुई है। इससे जीवन में उमंग, उत्साह तथा उल्लास का संचार होता है। इसी कड़ी में हम सालों-साल से परंपरा के अनुसार सरहुल पर्व मनाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे पूर्वजों ने इस प्रकृति पर्व की परंपराओं को अक्षुण्णता एवं मजबूती दी है। हमें विरासत में मिली इस परंपरा को और आगे ले जाना है। सरहुल के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री सोरेन ने आदिवासी कॉलेज छात्रावास के परिसर में पारंपरिक विधि विधान से पूजा-अर्चना की और राज्य के विकास, सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। मुख्यमंत्री ने छात्रावास परिसर में पौधरोपण कर (सखुआ का वृक्ष लगाकर) प्रकृति से जुड़े रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को सरहुल महापर्व की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा, झारखंड के बेहतर भविष्य के लिए आने वाले 25 वर्षों को ध्यान में रखकर योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर में हर वर्ष धूमधाम से सरहुल का त्यौहार मनाया जाता है।

शेष पेज 11 पर

संस्कृति के लिए भी निकालें समय

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज हमारी जिंदगी काफी व्यस्त हो चुकी है। लोगों के पास वक़्त कम है, फिर भी विरासत में मिली अपनी परंपरा एवं सभ्यता-संस्कृति से जुड़े रहने के लिए वक़्त जरूर निकालें। यह हमारी आने वाली पीढ़ी की बेहतरी के लिए जरूरी है।

सीएम ने सिरमटोली के सरना स्थल पर की पूजा

प्रकृति पर्व सरहुल के अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को रांची के सिरमटोली स्थित सरना स्थल पर आयोजित पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने यहां अपनी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन के साथ पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और राज्य के सर्वांगीण विकास, सुख, समृद्धि और शांति की कामना की।

सरहुल पर झारखंड में दो दिवसीय राजकीय अवकाश की घोषणा

सीएम हेमंत सोरेन ने सरहुल पर्व पर झारखंड में दो दिवसीय राजकीय अवकाश घोषित किया है। सीएम ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। हेमंत सोरेन ने लिखा कि पिछले कई वर्षों से सरहुल के अवसर पर दो दिन के राजकीय अवकाश की मांग उठ रही थी।

शेष पेज 11 पर

विद्यार्थियों की बेहतरी के लिए छात्रावासों का हो रहा जीर्णोद्धार

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर व्यवस्था देने के लिए सभी छात्रावासों का जीर्णोद्धार हो रहा है। इस कड़ी में आदिवासी कॉलेज छात्रावास, करमटोली और महिला कॉलेज छात्रावास में मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनाई जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे सिर्फ अपनी पढ़ाई की चिंता करें, बाकी सारी व्यवस्था सरकार करेगी। आप सही दिशा में आगे बढ़ें, सरकार आपके साथ खड़ी है।

बोले मुख्यमंत्री

सभी को प्रकृति पर्व **सरहुल** की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

आने वाले **25 वर्षों** को ध्यान में रख योजनाबद्ध हो आगे बढ़ना है

पाहन ने की अच्छी बारिश की **भविष्यवाणी**

रांची के हातमा सरना स्थल पर सुमन पाहन ने मंगलवार को घड़े का पानी देखकर भविष्यवाणी की कि इस बार बारिश अच्छी होगी। उन्होंने सोमवार को नए घड़े में तालाब से जल लाकर जलरखाई पूजा की थी। मंगलवार को घड़े का जल देखकर उन्होंने बारिश की भविष्यवाणी की। उन्होंने कहा कि इस बार बारिश अच्छी होगी। वहीं, सिरम टोली सरना स्थल के पाहन रोहित पाहन ने भी मंगलवार को भविष्यवाणी की कि इस बार अचछी बारिश होगी।

वासंतिक नवरात्र

चतुर्थ कूष्माण्डा

नवरात्र-पूजन के चौथे दिन कूष्माण्डा देवी के स्वरूप की उपासना की जाती है। इनके सात हाथों में क्रमश: कमंडल, धनुष, बाण, कमल-पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा है। आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देनेवाली जपमाला है। इनका वाहन सिंह है।

सुरासंपूर्णकलशं रुधिराप्लुतमेव च।
दधाना हस्तपद्माभ्यां कूष्माण्डा शुभदास्तु मे॥

इंडिया

भाषाओं-बोलियों के साथ मिट रहा है परंपरिक ज्ञान का खजाना

ठेठ भारतीय रीति रिवाज और कहावतों से सजी बोलियां और भाषाओं को आधुनिकता चुपचाप लील रही है । देश या झारखंड में अनेक जनजातियों तक के लोग अपनी भाषाई पहचान खो चुके हैं और सिर्फ टाइटल बचा है। लोग बोलियों का मज़ाक उड़ाते हैं जबकि भाषा में व्याकरण है, प्रकाशन, विधिवत शिक्षा और लिपि भी है, लेकिन बोली किसी लिखित या प्रामाणिक व्याकरण और लिपि की मोहताज नहीं, तभी वह सरल मानी जाती है ! सच है कि यही सरल बोलियां हमारी पहचान हैं झारखंड में राजभाषा रही नागपुरी, बंगाल की बांग्ला, अवधी, ब्रजभाषा, बुंदेली, हरियाणवी, राजस्थानी, मराठी, छत्ती सगढ़ी, भोजपुरी बड़े समूह की पहचान हैं । कोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर वाणी की कहावत प्रसिद्ध है। भाषा कोई भी हो, उसे शुद्ध रूप में लिखने और बोलने के लिए व्याकरण के नियमों में बांधा गया है जिसे । यदि वर्तनी सही न हो, तो शब्दों-वाक्यों के अर्थ बदल जाते हैं। यहां पर सरल मन रखने वाला व्यक्ति सवाल उठाता है कि कोई भाषा दाएं से बाएं चलती है और कोई बाएं से दाएं। यदि गणित की बात करें, तो रोमन में शून्य का चिह्न नहीं है, पर गणित वहां है। भारत में कहीं पर किसी शब्द का लोप हो जाता है और कहीं पर किसी शब्द का ! यह बोली का परिणाम है, लेकिन इस सच्चाई से कौन इंकार करेगा। बावजूद इसके भाषा शुद्धता की बात खत्म नहीं होती, जबकि सच यही है कि इस संसार में कोई भी पूर्ण नहीं है यानी सभी में कुछ न कुछ कमियां हैं और आगे भी रहेंगी। यदि भाषविद यही बात समझ लें, तो शायद बोलियों को अधिक महत्व मिलेगा। जैसे झारखंड की संपर्क भाषा नागपुरी और पंजाबी गुरुमुखी में आधे अक्षर (हलंत) का प्रयोग नहीं होता, तो हिंदी में उन शब्दों को लिखने पर उनका रूप बदल जाता है। यदि उसे यहां उसके शुद्ध रूप में लिखने का प्रयास किया जाए, तो नाम ही बदल जाएगा। शुद्धतावादी इसे अपनी जीत बताएं, पर जिस पर यह पहाड़ टूटेगा, वह शुद्धतावादी को कोसता नजर आएगा। साफ है कि बोलियां भले अशुद्ध मानी जाती हों, लेकिन इतना तय है कि जो आपस में संवाद करते हैं, उनमें एकजुटता दिखती है। देश की अनेक प्रमुख बोलियां आज भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुकी हैं पर उनके मूल बोली रूप में जो आनंद है वह शिष्ट रूप में नहीं । दुःखद यह है कि नव आभिजात्य वर्ग जो गांव छोडकर शहर या महानगर में बस गया वह इसे अंग्रेजी मिलाकर हिंग्लिश जैसी भाषा बोलता भी है और इसका मज़ाक भी उड़ाता है । हिंदी फिल्मों ने शुरुआती दौर में भोजपुरी या क्षेत्रीय बोलियों के साथ लोकधुनों और गीतों का खूब इस्तेमाल किया जिसमें कालजयी फिल्में भी बनीं पर बाद में चुपके-चुपके जैसी फिल्मों में शुद्ध हिंदी बोलने वालों पर गहरा तंज कसा और साबित करने का प्रयास किया कि अंग्रेजी और उर्दू संभ्रांत लोगों की भाषा है और हिंदी या लोकभाषा गंवारों की भाषा है । बोलियां हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं और चाहे वह कितने ही छोटे क्षेत्र में बोली जाती हो, पर उसमें पारंपरिक ज्ञान का असीम खजाना होता है, लेकिन उपेक्षा का भाव होने से उस खजाने और भाषा का भी अंतिम संस्कार हो जाता है। 26 जनवरी, 2010 को अंडमान द्वीप समूह की 85 वर्षीय बोआ के निधन के साथ अंडमानी भाषा 'बो' विलुप्त हो गई। वह इस भाषा को जानने, बोलने और लिखने वाली अंतिम व्यक्ति थीं। इसी प्रकार इससे पहले नवंबर, 2009 में एक और महिला बोरो की मौत के साथ 'खोरा' भाषा का अस्तित्व समाप्त हो गया था। किसी भाषा से पहले एक बोली का अंतिम संस्कार होता है। परिणामतः एक संस्कृति का विनाश हो जाता है। ऐसी स्थितियों में अनेक आदिम भाषाएं खत्म हो चुकी हैं और कई विलुप्ति के कगार पर हैं। भारत सरकार उन्हें बचाने का प्रयास कर रही है और हमें भी इस दिशा में सोचना होगा।भाषा की समृद्धि के लिए जरूरी है कि उसे सरल बनाया जाए। अंग्रेजी शब्दकोश में दूसरी भाषाओं के शब्द आसानी से शामिल किए जाते हैं और धड़ल्ले से उनका प्रयोग भी किया जाने लगता है, वहीं अन्य भाषाओं में इस तथ्य की खोज करने पर भी जानकारी नहीं मिलती। शायद यही वजह है कि भाषाई तौर पर अंग्रेजी जहां आगे दिखती है, वहीं अन्य भाषाएं पिछड़ी नजर आती हैं। अंग्रेजी जानने वाले व्याकरण का कितना इस्तेमाल करते हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। साफ है कि अंग्रेजी भाषा बोली के तौर पर तेजी से आगे बढ़ी और अन्य भाषाओं पर हावी होती जा रही है, जो हमारी भाषाओं के भविष्य के लिए ठीक नहीं है। अंग्रेजी का वर्चस्व, आधुनिकता और अपनी भाषा बोलियों के प्रति हीन भावना से अनेक भाषाओं बोलियों की अकाल मृत्यु हो गई है। झारखंड की 9 मान्यताप्राप्त भाषाओं के सामने भी अस्तित्व का संकट है और सरकार को एकेडेमी का गठन कर इन्हें बचना चाहिए।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

वक्फ संशोधन बिल आज लोस में होगा पेश

ब्यूरो

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 4 अप्रैल को खत्म होने के पहले केंद्र सरकार ने वक्फ संशोधन बिल 2 अप्रैल 2025 को लोकसभा में पेश करने की तैयारी कर ली है। इसके चलते भाजपा ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। सांसदों से सदन में पूरे वक्त मौजूद रहने को कहा गया है। भाजपा ने अपने सहयोगी दलों से भी उनके सभी सांसदों को संसद में मौजूद रहने के लिए व्हिप जारी करने का अनुरोध किया है। इस बारे में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि 2 अप्रैल को प्रश्नकाल के तुरंत बाद लोकसभा में वक्फ बिल को विचार एवं पारित किए जाने के लिए रखा जाएगा।

शेष पेज 11 पर

सिरम टोली फ्लाई ओवर मामला

पुलिस के साथ धक्का-मुक्की करने वालों के खिलाफ कार्रवाई पर रोक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सिरमटोली सरना स्थल के पास सरहुल पर पुलिस बल के साथ धक्का-मुक्की और छीना झपटी करने वाले अभियुक्त के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है। सरकार ने डीजीपी को इससे संबंधित आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि बीते 30 मार्च को सिरम टोली फ्लाई ओवर के रैम्प को हटाने के लिए कुछ लोगों ने जुलूस निकालकर उग्र प्रदर्शन किया था।

उग्र प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने के साथ साथ विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस बल के साथ धक्का-मुक्की और छीना झपटी भी की थी। प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी, जवान और दंडाधिकारियों ने संयम का परिचय देते हुए विधि व्यवस्था का बनाए रखा था। इस घटित घटना के बाद में चुटिया थाना में कांड संख्या 77/2025 सुसंगत धाराओं के अंतर्गत दर्ज किया गया था।

इसमें 150 से ज्यादा अज्ञात का भी जिक्र है। अज्ञात की पहचान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की जा रही है। प्राथमिकी में इस बात का जिक्र है कि जबरन बैरिकेडिंग तोड़ी गई। जवान की राइफल छीनने की कोशिश की गई। पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की गई। सरकारी काम में बाधा डाला गया। पुलिस के साथ बदसलूकी भी की गई।

सरकार ने डीजीपी को दिया आदेश

प्राथमिक दर्ज करने की सूचना प्राप्त होने पर सरकार ने डीजीपी को यह निर्देश दिया है कि चूंकि यह घटना सरहुल पर्व की भावना से जुड़ा हुआ है, इसलिए प्राथमिकी के आधार पर अभियुक्तों के विरुद्ध किसी भी कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। इसके बाद डीजीपी और एसएसपी रांची को निर्देश दिया है कि इस कांड में कोई अग्रतार कार्रवाई नहीं की जाए।

इनपर हुई है नामजद प्राथमिकी

प्रासरना स्थल की सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात दंडाधिकारी के आवेदन पर पूर्व मंत्री गीता उरांव, शनि हेंब्रम, मधु रजक, कुंदरसी मुंडा, निरंजना हेरेंज, मनोज कुमार महतो, पवन तिर्की, रवि मुंडा, राहुल तिर्की, आकाश तिर्की, अजय टोप्पो, प्रदीप बेक, राजेश कच्छप, बाहा मरांडी, आशीष, राकेश बड़ाइक, विकास मुंडा, नमीत हेंब्रम, चंपा कुजूर, सुनीता मुंडा समेत 21 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज हुई है।

रीमिक्स फॉल में डूबने से रांची के दो छात्रों की मौत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। खूंटी जिले के मारंगहादा थाना क्षेत्र के रीमिक्स फॉल में मंगलवार को फिर बड़ा हादसा हो गया। नहाने के दौरान डूबने से दो छात्रों ने अपनी जान गंवा दी। मृतकों में रांची के खेलगांव थाना क्षेत्र के गाड़ी होटवार महुआटोली के महेंद्र तिर्की के बेटे रोलेन तिर्की (15 वर्ष) और सुशील सांगा के बेटे जेम्स जुनास संगा (15 वर्ष) शामिल हैं। हादसे के बाद दोनों परिवारों में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

28 मार्च को दो सगे भाइयों की हुई थी मौत : रीमिक्स फॉल में चार दिन पहले भी 28 मार्च को नहाने के क्रम में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गयी थी। दोनों रांची के कोकर के अयोध्यापुरी निवासी संजय सिंह के बेटे शुभम कुमार सिंह और राज कुमार सिंह थे। दोनों अपने दोस्तों के साथ घूमने के लिए रीमिक्स फॉल आए थे। इसी दौरान नहाने के क्रम में दोनों की डूबने से मौत हो गयी थी।

स्कूटी और बाइक से घूमने पहुंचे थे छात्र

रांची के कोकर के आदर्श नगर के गाड़ीगांव से सात लड़के स्कूटी और बाइक पर सवार होकर घूमने के लिए रीमिक्स फॉल आए थे, जहां नहाने के क्रम में गहरे पानी में डूबने रोलेन और जेम्स की मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलने के बाद तत्काल मारंगहादा थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों ने गहरे पानी में डूबे दोनों युवकों के शव को बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार मृतकों में रोलेन तिर्की कोकर की खोरहाटोली के डॉन बोस्को में नौवीं कक्षा का छात्र था। जेम्स दीपाटोली के एक स्कूल में नौवीं कक्षा का छात्र था। एसडीपीओ वरुण रजक ने कहा कि दोनों अपने दोस्तों के साथ घूमने के लिए आए हुए थे, जहां नहाने के क्रम में वे डूब गए।

रक्षा राज्यमंत्री ने राष्ट्रपति को दी सरहुल की शुभकामनएं

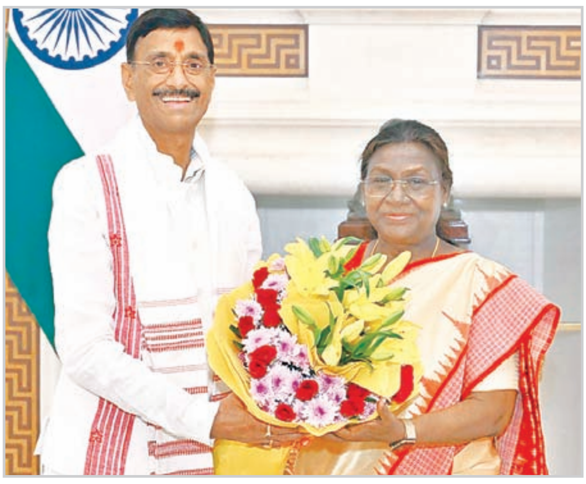

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मंगलवार को दिल्ली में राष्ट्रपति भवन जाकर प्राकृतिक पर्व सरहुल पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सरहुल की शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने रांची के समस्त सरनावासियों को प्राकृतिक पर्व सरहुल की शुभकामनाएं दी।

कांके रोड सरना समिति ने शोभायात्रा का किया अभिनंदन

रांची। कांके रोड सरना समिति द्वारा सरहुल शोभायात्रा का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर कांके रोड श्री राम मंदिर के समीप सेवा शिविर लगाया गया। सेवा शिविर में चना शरबत पानी की व्यवस्था की गई। शोभा यात्रा में शामिल लोगों को पारंपरिक रीति रिवाज से अबीर गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर गोंन्दा थाना प्रभारी अभय कुमार सिंह, सरना समिति के अध्यक्ष डब्लू मुंडा, शशि मुंडा, सामाजिक कार्यकर्ता संजय सर्राफ, सोनू खालखो, टिपू मुंडा, योगेश भगत, रंजीत पाहन, लखन मुंडा विकास तिर्की, पोंकल पहान, प्रकाश टोप्पो, राजेश लकड़ा सतीश खलखो, सुनील मुंडा दीपू मुंडा, बबलू मुंडा, सोमरा गाड़ी, अमन हेंब्रम, संदीप मुंडा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का कमाल

बड़ों पर करम छोटों पर सितम

मनोज मिश्रा

रांची। देश के हर घर में चाहे गांव हो या शहर सभी घरों में पाइप के माध्यम से पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं पर धरातल में काम कर रही है और संवेदकों से काम करा रही है। बड़े दुर्भाग्यपूर्ण हालात है कि पिछले अप्रैल महीने से मतलब एक साल से क्लस्टर छोटे स्कीम के संवेदकों को भुगतान नहीं किया गया है, और राज्य सरकार के फंड में आया हुआ पैसा वापस हो गया। यह बात अलग है कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने केंद्र सरकार द्वारा पैसे नहीं मिलने की बात बजट सत्र में उठाई थी और कहा था कि केंद्र सरकार द्वारा पैसा नहीं मिलने से जल जीवन जैसी महत्वपूर्ण योजना प्रभावित हो रही है। राज्य अपना पचास प्रतिशत हिस्सा राज्य के हर घर तक पानी उपलब्ध कराने के लिए लगा रही है मगर केंद्र सरकार सारा पैसा अपने पास रोके रखी है, भुगतान नहीं की है।

बड़े ठेकेदारों का हो रहा भुगतान छोटे लगा रहे चक्कर

इस सबंध में राष्ट्रीय नवीन मेल के सवांददाता ने फडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के महासचिव आदित्य मल्होत्रा से बात की। श्री मल्होत्रा ने बताया कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में अनियमितता की शिकायत हमलोगों को प्राप्त हो रही है। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के संवेदकों को वित्तीय वर्ष 2025 -26 के वर्ष की समाप्ति के बाद भी भुगतान नहीं हुआ है। 1100 करोड़ रूपए राज्य सरकार का कोष आया था। बड़े संवेदकों को परसेंट वाइज पैसा दिया गया पूरा पैसा नहीं दिया गया। किसी को तीस तो किसी को चालीस तो किसी संवदेक को पचास प्रतिशत तक पैसा मिला, पूरा नहीं मिला। छोटे क्लस्टर के संवेदक जो पांच करोड़ का कार्य कर रहे थे, उन्हें एक पैसा भी नहीं मिला और लगभग 300 करोड़ रूपए विभाग ने राज्य सरकार को सरेंडर कर दिया। कई संवेदक ऐसे हैं जिन्हें सितंबर 2023 में भुगतान मिला था,उसके बाद आज तक नहीं मिला।

आंजनेय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर कलश यात्रा आज

रांची। बीआइटी मेसरा के फुरहुरा टोली में दो से छह अप्रैल तक श्री श्री आंजनेय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ शुरू होगा। यज्ञ को लेकर बुधवार सुबह छह बजे 1001 महिलाएं कलश यात्रा निकालेंगी। कलश यात्रा फुरहुरा टोली से शुरू होगी जो जुमार नदी से जल लेकर फिर वापस आयेंगी। इसी के साथ के यज्ञ का शुभारंभ होगा। यज्ञ का अनुष्ठान आचार्य मिथिलेश पांडे करेंगे। अध्यक्ष बिनोद कुमार महतो ने बताया कि इस कलश यात्रा आजसू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो भी भाग लेंगे। यज्ञ में रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ और सांसद आदित्य साहू भी भाग लेंगे। इस यज्ञ को सफल बनाने में बिनोद महतो, चंदन कुमार महतो, अजय कुमार महतो, सत्येंद्र महतो, अन्य जुटे हुए हैं।

फर्जी बैंक गारंटी वाली कंपनियों पर एफआईआर की मांग

रांची। झारखंड राज्य बिवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) अन्तर्गत शराब दुकानों के संचालन एवं प्रबंधन से जुड़ी मानव प्रदाता एजेंसी द्वारा फर्जी बैंक गारंटी देने के मामले में कंपनियों पर एफआईआर की मांग की गई है। मारसन इनोवेटिव सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड एवं विजन हॉस्पिटिलिटी सर्विस एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड एजेंसी पर कार्रवाई की मांग की गई है। भाजप प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को इस संबंध में मुख्य सचिव अलका तिवारी को पत्र लिखा है। एफआईआर के साथ ही उन्होंने दोनों कंपनियों को काली सूची में डालने की मांग भी की है। मुख्य सचिव को लिखे पत्र में बाबूलाल ने कहा है कि जेएसबीसीएल द्वारा वर्ष 2022 से झारखंड में शराब दुकान संचालित की जा रही है। जिसमें 7 प्लेसमेंट एजेंसियां राज्य के विभिन्न जिलों में शराब दुकानों के संचालन एवं प्रबंधन के लिए लगभग 4500 मानव बल प्रदान कर रही हैं।

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने जामताड़ा में मनाया सरहुल पर्व

प्रकृति के बिना जीवन अधूरा : डॉ. इरफान

नवीन मेल संवाददाता

रांची/जामताड़ा। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने जामताड़ा पहुंचकर बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ सरहुल पर्व मनाया। इस अवसर पर उन्होंने झारखंड सहित पूरे जामताड़ा वासियों को सरहुल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में मंत्री जी ने कहा कि सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति और जीवन के बीच संतुलन का प्रतीक है। यह उत्सव हमें यह सिखाता है कि मानव जीवन का अस्तित्व प्रकृति के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है और इसे संरक्षित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सरहुल न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है, बल्कि यह हमें अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य भी करता है।

उन्होंने कहा कि यह त्योहार प्रकृति, पर्यावरण और वन्य जीवन से गहरे रूप से जुड़ा हुआ है। सरहुल का शाब्दिक अर्थ वृक्षों की पूजा है, और इसे वसंत ऋतु के आगमन पर मनाया जाता है, जब प्रकृति अपनी संपूर्ण हरियाली और सुंदरता के साथ

खिल उठती है। यह पर्व न केवल आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है, बल्कि उनकी आस्था, परंपराओं और प्रकृति के प्रति अटूट प्रेम को भी दशार्ता है। सरहुल के माध्यम से लोग प्रकृति के महत्व को स्वीकारते हुए इसके संरक्षण का संकल्प लेते हैं, जिससे यह त्योहार समाज और पर्यावरण के बीच गहरे संबंध का परिचायक बन जाता है। इस दौरान शोभा यात्रा में मांदर पर थाप लगाकर थिरकते मंत्री इरफान अंसारी नजर आए।

शोभा यात्रा में दिखी झारखंडी संस्कृति की झलक

रांची। राजधानी रांची में मंगलवार को सरहुल की धूम रही। अल्बर्ट एक्का चौक में शोभा यात्रा का अदभूत और विहंगम नजारा दिखा। प्रकृति के संरक्षण का संदेश देते हुए शोभा यात्रा में शामिल लोगों का कारवां सिरम टोली सरना स्थल की ओर आगे बढ़ा। नगाड़ों और मांदर की थाप पर लोग जमकर थिरके, वहीं शोभा यात्रा में झारखंडी संस्कृति की झलक देखने को मिली। इस शोभा यात्रा में सभी राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए। सामाजिक संगठनों ने भी सेवा शिविर लगाकर जुलूस में शामिल लोगों को सत्तू पानी, पानी, गुड़, चना, बांटे।

रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर में अंतिम चरण का काम तेज

सर्विस रोड के काम में भी तेजी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर में अंतिम चरण का काम तेज कर दिया गया है। कॉरिडोर का उद्घाटन जल्द हो, इसे लेकर कॉरिडोर से लेकर सर्विस रोड का काम तेजी से किया जा रहा है। कॉरिडोर की ओर के रास्ते में रातू रोड चौराहा के आगे तक मैस्टिक का काम कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर का काम आज से शुरू हुआ है। कुल मिला कर मैस्टिक का कार्य 40 प्रतिशत से अधिक कर लिया गया है। इस काम को जल्द पूरा करने का प्रयास हो रहा है। वहीं नागाबाबा खटाल, राजेंद्र नगर कॉलोनी (पंडरा रोड) और इटकी रोड स्थित रैंप में जीएसबी व डब्ल्यूबीएम का काम अंतिम चरण पर है। इसे पूरी तरह कंपैक्ट किया जा रहा है। फिर बिटुमिंस का काम किया जायेगा। इस तरह रैंप तैयार हो जायेगा। इसके अलावा कॉरिडोर के ऊपर लाइटिंग का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। डिवाइडर पर लाइट लगाये गये हैं, इससे पूरा फ्लाइओवर रौशन होगा। लाइटिंग के कार्य को टेस्टिंग करने के बाद फाइनल कर लिया गया है।

एक्सटेंशन ज्वाइंट का काम बाकी : फिलहाल पूरे कॉरिडोर में एक्सटेंशन ज्वाइंट का काम बाकी है। दो पिलर के बीच के ज्वाइंट को भरने का काम किया जा रहा है। पंडरा रोड से लाहकोठी के आगे तक यह काम कर लिया गया है। वहीं पिस्का मोड़ के पास इटकी रोड को जोड़ने के लिए ज्वाइंट का काम भी किया जा रहा है।

सर्विस रोड बनाने में अभी लगेगा समय : कॉरिडोर के नीचे सर्विस रोड निर्माण में अभी काफी वक्त लगेगा। फिलहाल कब्रिस्तान के पास इसका काम चल रहा है। पहाड़ी मंदिर गली के पास से पिस्का मोड़ तक एक ओर का सर्विस लेन लगभग बना लिया गया है। दूसरी ओर का काफी काम बाकी है। वहीं इटकी रोड में भी काम बाकी है। पूर फिनिशिंग का काम मई तक होने की उम्मीद है।

अबुआ सरकार के खिलाफ सरना आदिवासी सड़कों पर : प्रतुल शाह देव

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि अबुआ सरकार के खिलाफ अब सड़क पर आदिवासी ही उतर रहे हैं। प्रतुल ने कहा कि सिरम टोली फ्लाई ओवर के पास स्थित सरना स्थल की रक्षा को लेकर आदिवासी समाज लंबे समय से आंदोलनरत है। लेकिन सरकार इस मुद्दे पर पहल नहीं कर रही। प्रतुल ने कहा कि सरकार को आंदोलनरत आदिवासियों को वार्ता के लिए बुलाकर गतिरोध दूर करना चाहिए था। लेकिन सरकार इस मुद्दे पर पूरे तरीके से उदासीन है। प्रतुल ने कहा झारखंड अलग राज्य की लड़ाई झारखंड के आदिवासी मूलवासी समाज को हक दिलाने के अतिरिक्त झारखंड की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को बचाने की भी लड़ाई थी। इसलिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को पूर्वाग्रह से ग्रसित ना होकर अविलंब सिरम टोली सरना स्थल फ्लाई ओवर को लेकर चल रहे गतिरोध को दूर करना चाहिए।

राजनीतिक दलों के साथ ईसीआई का सबसे बड़ा जुड़ाव अभियान

- *देशभर में सीईओ, डीईओ और ईआरओ स्तर पर 4,719 बैठकें आयोजित की गई*
- *जिसमें 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधि शामिल हुए*

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देशभर में निर्वाचन पंजीकरण पदाधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ संरचित जुड़ाव की एक श्रृंखला आयोजित की। 25 दिनों की अवधि में, 31 मार्च तक, ऐसी कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें सीईओ द्वारा 40 बैठकें, डीईओ द्वारा 800 और ईआरओ द्वारा 3,879 बैठकें शामिल थीं, जिसमें देशभर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार द्वारा 4-5 मार्च को आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों के सम्मेलन के दौरान चुनाव आयुक्त डॉ सुखबीर सिंह संधू और डॉ विवेक जोशी के साथ जारी निर्देशों के अनुसार आयोजित की गईं।

इन बैठकों का उद्देश्य संबंधित सक्षम प्राधिकारी यानी ईआरओ या डीईओ या सीईओ द्वारा लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951 के मौजूदा कानूनी ढांचे, मतदाताओं के पंजीकरण नियम, चुनावों के संचालन नियम, 1961 और ईसीआई द्वारा समय-समय पर जारी किए गए मैनुअल, दिशानिर्देश और निर्देशों के भीतर किसी भी लंबित मुद्दे को हल करना है।

राज्य में अबुआ सरकार नहीं अहंकारी सरकार है : मरांडी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सिरमटोली फ्लाइओवर रैंप निर्माण के खिलाफ आदिवासी समाज लंबे समय से चरणबद्ध आंदोलन कर रहा है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान निकालने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है। कहा कि सरना स्थल हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा की पहचान है, जिसे संरक्षित रखना हर आदिवासी का कर्तव्य है। बावजूद इसके, राज्य सरकार ने आदिवासियों की आवाज को अनसुना कर दिया, जिससे समाज में गहरा आक्रोश है। कहा कि आदिवासी होने के नाते मुख्यमंत्री से उम्मीद थी कि वे समाज की पीड़ा समझेंगे और आंदोलनकारियों से संवाद कर सरना स्थल की रक्षा सुनिश्चित करेंगे। लेकिन सरकार की निष्क्रियता साबित करती है कि वह आदिवासियों की मांगों को पूरा करने की इच्छुक नहीं है। कहा कि सरहुल पर्व पर आदिवासी समाज द्वारा मुख्यमंत्री का विरोध स्पष्ट संदेश देता है कि यह सरकार अबुआ सरकार नहीं, बल्कि अहंकारी सरकार बन चुकी है, जो अपने ही लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम कर रही है।

डीएसपीएमयू आखड़ा में सरहुल महोसव, बोले पूर्व कुलपति

प्रकृति व संस्कृति को जोड़ता है यह पर्व

नवीन मेल संवाददाता

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में सरहुल महोत्सव का आयोजन मंगलवार को किया गया। आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में स्थित आखड़ा में किया गया। सम्मानित अतिथि के रूप में पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) यूसी मेहता ने सरहुल हमें प्रकृति एवं पर्यावरण के साथ संबंध स्थापित करने की बात कही। पदमश्री मुकुंद नायक ने अपने कलाकार अंदाज में झारखंडी कला का केंद्र अखड़ा के प्रति हम सभी को जागृत रहने की बात कही। पदमश्री मधु मंसुरी ने अपने पुराने अंदाज में अपने सुरों से समारोह में उपस्थित सबों को मनमोहित किया।

कार्यक्रम की शुरूआत पाहान प्रो. महेश पाहन एवं डॉ. जुरन सिंह मानकी के नेतृत्व में पारंपारिक विधि-विधान एवं स्वागत नृत्य के साथ घड़ा में पानी लाकर उसको आखड़ा में स्थित पूजा स्थल में स्थापित करके किया। इसमें पाहान एवं आखड़ा में उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों एवं विभिन्न विभाग के छात्र-छात्राएं खड़े होकर प्रकृति के संरक्षक आराध्यदेव धर्मेश की आराधना एवं संपूर्ण जीव जगत के कुशल मंगल के लिए प्रार्थना किये। संमानित अतिथियों का परछन हो विभाग के छात्र-छात्राओं के नेतृत्व में सभी सम्मानित अतिथियों का परछन कर मंच में बैठाया गया। इसके पश्चात संमानित अतिथियों का स्वागत खड़िया विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गीत के माध्यम से किया।

इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के मारवाड़ी कॉलेज के नागपुरी के विभागाध्यक्ष मेजर डॉ. महेश्वर शाड़ांगी, डोरंडा कॉलेज के नागपुरी के सहायक प्राध्यापक डॉ. यूगेश कुमार महतो, स्नातकोत्तर हो विभाग के सहायक प्राध्यपिका डॉ. सरस्वती गागरई, विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. सर्वोत्तम कुमार, पूर्व डीएसडब्ल्यू एवं मानवशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस. एम. अब्बास, हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. जिंदर सिंह मुंडा, सुइसा कॉलेज पश्चिम बंगाल के डॉ. पुलकेश्वर महतो, रामगड़ कॉलेज के खोरठा के सहायक प्राध्यापक बीरबल महतो, कुड़मालि के एसिसटेंड प्रोफेसर डॉ. निताई चंद्र महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

सीसीएल ने सेवानिवृत्त कर्मियों को दी भावभीनी विदाई

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सीसीएल मुख्यालय में मंगलवार को भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मार्च 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले 85 कर्मियों को विदाई दी गई। इनमें मुख्यालय में कार्यरत दो कर्मी ध्रुव नारायण दास एवं मोहम्मद शमीम भी शामिल रहे। समारोह में सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) हर्षनाथ मिश्र एवं निदेशक (तकनीकी/संचालन) सी एस तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक शॉर्ट फिल्म रही, जिसमें सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यकाल की झलकियां, उनके अनुभव एवं योगदान को दर्शाया गया। इस फिल्म में सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपनी कार्ययात्रा साझा करते हुए सीसीएल परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया और कंपनी की निरंतर प्रगति की कामना की।

राजधानी में प्रकृति पर्व सरहुल धूमधाम से मना

● इस वर्ष अच्छी बारिश होगी पाहनों ने की भविष्यवाणी

नवीन मेल संवाददाता रांची। प्राकृतिक पूजा सरहुल मंगलवार को राजधानी में धूमधाम से मनाया गया। रांची विश्वविद्यालय के टीआरएल विभाग में भी विधि विधान से प्राक्रतिक पूजा की गई। इसके बाद शोभायात्रा में ढोल मांदर की धून पर लोगों झूमर नृत्य किया। आदिवासी संगठनों ने शोभायात्रा में शामिल लोगों के लिए पानी, चना, गुड और शरबत चौक चौराहों पर व्यवस्था की गई थी। आदिवासी संगठनों के साथ-साथ अन्य कई समितियां और संगठनों के द्वारा व्यवस्था की गई थी। प्रो. डॉ बंदे खलखो पाहन ने बताया कि सरहुल के एक दिन पहले सोमवार की रात में घड़ा में पानी रखा गया था। मंगलवार को उस घड़े के पानी को देख कर बारिश की भविष्यवाणी की गई। पाहन ने कहा कि इस वर्ष पानी की किल्लत नहीं होगी सब कुछ सामान्य रहेगा। भविष्य वाणी में कहा गया कि इस वर्ष पूरे भारत में पानी की किल्लत नहीं होगी। वहीं, सरई फूल के बारे में बताते हुए पाहन ने कहा कि यह फूल महिलाएं बालों में और पुरुष कान में लगा कर प्राकृतिक पर्व में खुशी से नाचते झूमते है। सरहुल पर्व में सिंदूर का महत्व बताते हुए पाहन ने कहा- सूरज और धरती का विवाह सिंदूर के द्वारा किया जाता है। सूरज को मरांग बेरंग देवता माना जाता है जो कि पिता समान हैं। वहीं धरती को मां मानते हैं। दोनों के बीच विवाह करवाया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बिना विवाह के सृजन उत्पति शुरू नहीं होती है। विवाह के उपरांत सरहुल के बाद खेतों में बुआई होती है। मौके पर सहयोगी पाहन राजेश टुडू व पाहन बंदे खलखो भी मौजूद रहे। जिन्होंने बताया की सरहुल की पूजा के बाद फुलखोसी करके शोभायात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पाहनों के द्वारा बलि चढ़ाई जाती है। कहीं पांच रंगों की मुर्गी की तो कहीं 8 मुर्गों की बलि चढ़ाई जाती है। लेकिन विश्वविद्यालय में बलि नहीं चढ़ाई जाती है। यहां सरहुल प्रतीकात्मक रूप में मनाया जाता है। विश्वविद्यालय परिसर में सरहुल पूजा के दौरान आरयू कुलपति अजित कुमार सिन्हा, रजिस्ट्रार गुरु चरण साहू, ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर त्रिवेणी नाथ साहू व अन्य अतिथि मौजूद थे। कुलपति अजित कुमार सिन्हा ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरहुल एक तरीका है प्रकृतिक की अराधना करने की। प्रतिवर्ष ट्राइबल एंड रीजनल लैंग्वेज डिपार्टमेंट में सरहुल धूम धाम से मनाया जाता है। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने झूमर नृत्य में हिस्सा लिया और ढोल मांदर बजाते हुए झूमे।

प्रकृति के करीब जाएंगे तो जीवन स्वस्थ होगा : प्रो. डॉ कुमारी शशि

मौके मौजूद वीमेंस कॉलेज की प्रोफेसर डॉक्टर कुमारी शशि ने कहा कि झारखंड प्रकृति का पूजक है। वैसे ही पूरे देश के लोगों को प्रकृति पूजक होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हर एक नागरिक को प्रकृति को बचने के लिए अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा लोग महंगे महंगे गाड़ियां खरीदते है। लेकिन एक पेड़ लगाने के बारे में नहीं सोचते। प्रकृति के जितने नजदीक जाएंगे जीवन उतना ही स्वस्थ होगा।

प्रकृति की पूजा व सुरक्षा सभी का कर्तव्य : प्रो. डॉ गीता

वीमेंस कॉलेज की प्रोफेसर डॉक्टर गीता कुमारी सिंह ने कहा कि सरहुल में सखुआ के पेड़ की पूजा की जाती है। दुनिया पेड़- पौधे और प्राकृतिक से चलती है। इसलिए आने वाले समय को खुशहाल करने के लिए पेड़ पौधे की पूजा और उसकी सुरक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

सरहुल आनंद व उत्सव का पर्व है: फिल्म निर्देशक मेघनाथ

झारखंड आंदोलन का हिस्सा रहे फिल्म निर्देशक मेघनाथ ने कहा कि आदिवासी प्रकृति पूजक है। कहीं के भी आदिवासी हों सभी प्राकृतिक की पूजा करते हैं। वहीं, सरहुल आनंद का उत्सव है। आनंद के कई रूप हो सकते है जिसमें एक रूप है आदिवासी नृत्य और संगीत।

लाल पाड़ साड़ी हमारी एकता की पहचान : प्रो. इंदिरा बिरुआ

वीमेंस कॉलेज की प्रो. इंदिरा बिरुआ ने कहा कि अलग अलग गांव में अलग अलग दिनों में सरहुल होती है। फूल, फल और फसल सबका स्वागत किया जाता है। सरहुल के बाद उन फलों को नेवान किया जाता है। उन्होंने कहा कि लाल पाड़ साड़ी का अलग महत्व होता है। यह हमारी पारंपरिक पोशाक है और एक जैसे कपड़े पहन कर हम लोग शोभायात्रा में शामिल होते हैं। यह एकता का प्रमाण है। एक जैसे नृत्य- संगीत सब एक साथ गाते और करते है इसलिए हमारी पहचान है यह लाल पाड़ पोशाक।

चौक-चौराहों पर थी पानी व शरबत की व्यवस्था

रांची। कचहरी चौक में आदिवासी संगठनों व अन्य संगठनों ने पानी, शरबत और चने का इंतजाम किया था। विद्यापति स्मारक समिति मैथिली समाज के द्वारा व्यवस्था की गई थी। उपाध्यक्ष दिलीप झा ने बताया की शोभायात्रा में शामिल लोगों के लिए चना, पानी, शरबत की व्यवस्था की गई थी। वहीं कचहरी चौक व्यवसाई सहयोग समिति के सचिव प्रदीप सिंह ने कहा- चना, बादाम और पानी शोभायात्रा में शामिल लोगों के बिच वितरित किया। वहीं, उन्होंने बताया पिछले 25 वर्षों से ये सेवा करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा- सरहुल प्रकृति का पर्व है और जो लोग प्रकृति को पूजते हैं उनकी सेवा करने का आनंद अलग है। बंगाली युवा मंच चेरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा भी पानी, चना, गुड का वितरण किया गया। मौके पर ट्रस्ट के सदस्य सुब्रज्योति चटर्जी मौजूद रहे।

सरहुल के दिन भी रैंप पर हुआ विवाद आदिवासी संगठन आपस में भिड़े

रांची। सिरमटोली स्थित सरना स्थल के मेन गेट के सामने से फ्लाईओवर रैंप को लेकर उठा विवाद सरहुल के दिन मंगलवार को भी दिखा। सरहुल के मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ सरना स्थल पहुंचे। जहां, पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव के नेतृत्व में विरोधी गुट ने काला झंडा दिखाकर विरोध जताया। विरोधी गुट के लोग सिर और हाथों पर काला पट्टी बांधे हुए थे। इधर कड़ी सुरक्षा के बीच सीएम हेमंत सोरेन ने सरना स्थल पर पूजा आराधना की।

पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव और अजय तिर्की के बीच हुई बहस

विरोध कर रहे गुट सिरमटोली बचाव संघर्ष मोर्चा जिसका नेतृत्व कर रहीं पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव और दुसरे गुट के आदिवासी नेता अजय तिर्की के बीच तीखी बहस हुई। गीताश्री उरांव ने कहा कि विरोध करना उनका संवैधानिक अधिकार है। अपने अधिकारों की रक्षा भी कर सकते हैं। ऐसा करने से कोई नहीं रोक सकता। इसी दौरान सिरमटोली स्थित सरना स्थल का माहौल तनावपूर्ण हो गया था। दोनों पक्ष के लोग आमने-सामने थे। मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासन के द्वारा हालात बिगड़ने नहीं दिया गया। मौके पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा और एसडीओ मौजूद रहे।

भाजपा के इशारे पर हो रही साजिश, सरहुल के बाद होगी कार्रवाई : अजय

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने सरना धर्मावलंबियों से अपील किया कि वे प्रकृति पर्व सरहुल को धूमधाम से मनाएं। शोभा यात्रा के दौरान माहौल बिगड़ने की संभावना पर अजय तिर्की ने कहा कि अपने ही बीच के कुछ लोग जानबूझकर विवाद पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरी साजिश भाजपा के इशारे पर हो रही है। सरहुल का त्योहार संपन्न होते ही कल से पुलिस की कार्रवाई शुरू हो जाएगी, ये लोग जेल जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुझे चोर-दलाल कहा जा रहा है। इसका प्रमाण दिया जाना चाहिए। अगर कोई प्रमाण देगा तो मैं रांची-झारखंड छोड़ दूंगा। उन्होंने कहा कि हंगामा करने वाले लोगों के खिलाफ अगर प्रमाण देंगे तो क्या वे लोग रांची छोड़ेंगे।

रैंप विवाद के कारण आदिवासी संगठनों में आपसी मनमुटाव

दरअसल, फ्लाईओवर के रैंप को लेकर आदिवासी संगठनों की अपनी-अपनी दलील है। एक पक्ष का कहना है कि रैंप को हर हाल में हटाना चाहिए। जबकि दूसरे पक्ष का कहना है कि रैंप की वजह से सरना स्थल की व्यवस्था पर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है। रही बात सरहुल की शोभा यात्रा के दौरान उमड़ने वाली भीड़ की तो इसके लिए वहां अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। रैंप की लंबाई को थोड़ा छोटा कर दिया गया है। इस बीच रैंप विवाद को लेकर राजनीति जोर-शोर से हो रही है।

रांची : सरहुल शोभायात्रा में शामिल हुई मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, परंपरागत नृत्य भी किया

हातमा सरना पूजा स्थल में पारंपरिक रीति रिवाज से हुई सरहुल पूजा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड में प्रकृति पर्व सरहुल धूमधाम और परंपरागत रीति -रिवाज से मनाया गया। सरहुल की पूजा मोरहाबादी स्थित हातमा सरना स्थल सहित शहर के अखड़ा व अन्य सरना स्थलों में परंपरागत रीति-रिवाज से हुई। वहीं हातमा सरना स्थल में सुमन पहान ने उपवास रखकर विधि-विधान से सरहुल की पूजा की। मौके पर कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा समेत दर्जनों सरना धर्मावलंबियों मौजूद रहे। इस पूजा में पांच मुर्गों की बलि दी गई, जो विभिन्न देवताओं और परंपराओं का प्रतीक माने जाते हैं। लाल मुर्गा ग्राम देवता के सम्मान में, सफेद मुर्गा सूर्य भगवान को अर्पित, माला मुर्गी खेत-खलिहान की समृद्धि के लिए, काली मुर्गी बुरी आत्माओं को शांत करने के लिए, गोली मुर्गी पूर्वजों की याद के प्रतीक माने जाते हैं। इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान सुमन पहान ने पानी देखकर भविष्यवाणी की है कि इस बार बारिश अच्छी होगी। वहीं लोगों ने बताया कि गांवादेवती में झंडा लगाकर सभी जूलुस में शामिल होंगे।

● कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा हुए शामिल

जारगो में फुटबॉल खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न

संस्कृति हमारे क्षेत्र की पहचान इसे बचाए रखना है : राजकिशोर

नवीन मेल संवाददाता। तमाड़ सोमवार को तमाड़ पूर्वी क्षेत्र के जारगो पंचायत बुरुसिगु गांव में एक दिवसीय फुटबॉल खेल, सरहुल नाच रात्रि में विराट छो नृत्य का आयोजन किया गया। फुटबॉल खेल में विजेता टीम रही जिनिथश प्रभाकर एफसी और उपविजेता राहुल ब्रदर्स रहे। विजेता टीम को मुख्य अतिथि हीरालाल दास, राजकिशोर कुशवाहा ने संयुक्त रूप से और उप विजेता टीम को हरदेव महतो, अनिल महतो, उप मुखिया हीरालाल महतो आदि ने संयुक्त रूप में वितरण किया। कार्यक्रम में आजसू पार्टी केंद्रीय सदस्य हीरालाल दास, आजसू पार्टी रांची जिला वरीय उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के संबधन में हीरालाल दास ने कहा कि संस्कृति हमारे क्षेत्र की पहचान है इसको बचाए रखना है, राजकिशोर कुशवाहा ने कहा कि कोई भी खेल हो खेल से शारीरिक मानसिक स्वस्थ रहती है इसी चलते खेल पर ज्यादा युवा वर्ग को केंद्रित करना चाहिए। इस मौके पर समाज सेवी जाहिद अली उर्फ लाला, तमाड़ पूर्वी पार्टी प्रभारी अनिल महतो ,मीडिया प्रभारी हरदेव महतो, पार्टी के वरिष्ठ नेता आकाश महतो, सुख सारण महतो, सुनील कुमार, सूरज कुमार महतो, कृष्णा महतो, जगदीश महतो आदि उपस्थित थे।

भारत योग और आयुर्वेद की भूमि है : डॉ अशोक वार्ष्णेय

रांची। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का एक आयाम आरोग्य भारती है। मंगलवार को सत्यानन्द योग मिशन केंद्र में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय प्रमुख एवं आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सलाहकार समिति सदस्य डॉ अशोक कुमार वार्ष्णेय का 'स्वस्थ जीवनशैली एवं स्वास्थ्य की चुनौतियां' परव्याख्यान हुआ। मौके पर डॉ वार्ष्णेय ने कहा कि लोगों की जीवनचर्या से संबंधित कुछ बातों की जानकारी रखनी चाहिए। इसमें कितने लोग सुबह में सूर्योदय से पहले लोगों को विस्तर छोड़ देते हैं। रात्रि में सोने के दो घंटे पूर्व भोजन कर लेते हैं, कितने लोग योग और ध्यान करते हैं और कितने लोग शारीरिक स्वास्थ्य के लिए व्यायाम करते हैं। ये जीवन की बहुत महत्वपूर्ण बातें हैं क्योंकि शरीर के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले सबसे बड़े कारक यही सब हैं। शरीर अस्वस्थ होने का मुख्य कारण तनाव, चिंता, और अनियमित जीवनशैली है इसे ठीक किए बगैर स्वस्थ होने की कामना निराधार है।

न्यूज | बॉक्स

पिस्का मोड़ रामनवमी पूजा समिति ने श्रद्धालुओं का किया स्वागत

रांची। प्रकृति पर्व सरहुल पर पिस्का मोड़ रामनवमी पूजा समिति ने स्वागत शिविर लगा कर श्रद्धालुओं को अंगवस्त्र व पुष्प वर्षा से स्वागत किया। श्रद्धालुओं के बीच चना, शर्बत आदि वितरण किया गया। स्वागत शिविर को सफल बनाने में मुख्यरुप से मुख्य संरक्षक शैलेश्वर दयाल सिंह, अध्यक्ष मनमोहन पांडे, कार्यकारी अध्यक्ष विजय पांडे, संयोजक शशि सिंह, अमृतेश पाठक, धर्मेंद्र पाठक, विक्की तिवारी, अरविंद तिवारी आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नहाय खाय के साथ चैती छठ महापर्व शुरू

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड में चैती छठ महापर्व मंगलवार को नहाय-खाय के साथ ही शुरू हो गया। चार दिवसीय इस पर्व के पहले दिन छठव्रतियों ने पवित्र स्नान-ध्यान कर अरवा चावल, चने की दाल और कद्दू की सब्जी ग्रहण किया। बुधवार को खरना के दिन व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास के बाद शाम को पूजा-अर्चना कर खीर-रोटी ग्रहण करेगे। इस दिन खरना का प्रसाद का वितरण किया जाएगा। वहीं गुरुवार को अस्ताचलगामी सुर्य को पहला अर्घ्य तथा शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। छठ महापर्व को लेकर क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल है। चैती छठ महापर्व को लेकर मंगलवार को छठव्रतियों ने पवित्र स्नान कर पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ सूर्य नारायण को नमन किया। छठ पर्व में किसी तरह का विघ्न बाधा न आए इसके लिए भगवान से प्रार्थना की गई। छठ व्रतियों शोभा गुप्ता एवं अंजु गुप्ता ने बताया कि चैती छठ महापर्व थोड़ा कठिन होता है लेकिन छठी मईया की कृपा से सब कुछ बाधारहित पूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि चैती छठ महापर्व के दौरान भी तालाब एवं घाट की सफाई होनी चाहिए। नहाय खाय कार्यक्रम को सफल बनाने में कौशल्या देवी, मीना देवी, अनिल कुमार, रवि गुप्ता, रंजन गुप्ता, आशा गुप्ता, अजय कुमार, अजय सिम्मी रैनी, मोनिका देवी सहित कई लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य व शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

मां पार्वती की प्रतिमा को सिर में रखकर भोगताओं ने कराया नगर भ्रमण

लापुंग। ऐतिहासिक 105 वां नौ दिवसीय ककरिया शिव मंडा का भोगताओं के प्रवेश के साथ मंगलवार को शुभारंभ हो गया। 1920 ई में रमेश चंद्र साहु के जन्म पर मन्नत मांगने के कारण शिव मंडा की शुरूआत की गई थी। दो अप्रैल से 6 अप्रैल तक भक्ता अलग-अलग गांवों में जाकर वाहन विधिवत पूजा अर्चना करेंगे। जबकि 7 अप्रैल को लोटन सेवा के कठिन तप एवं त्याग के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। इसी दिन तीन दिवसीय शिव मंडा पूजा का भव्य एवं औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। 8 अप्रैल को जागरण कार्यक्रम का आयोजन होगा जबकि 9 अप्रैल को विधिवत झूलन कार्यक्रम के साथ मंडा पूजा का समापन किया जाएगा। मंगलवार एक अप्रैल को संचालक वनबिहारी साहु और समिति के अध्यक्ष प्रदीप साहु की देखरेख में पहले दिन भक्ताओं ने कनकी नदी में पवित्र स्नान कर बाद में मां पार्वती की प्रतिमा को मंदिर से निकालकर उन्हें पवित्र स्नान कराया और सिर में रखकर सभी भक्ताओं ने पूरे गांव की नगर परिक्रमा करते हुए प्रत्येक घरों में धूप बत्ती दिखाकर शुद्धिकरण किया। सबसे पहले मंडा पूजा के आयोजक एवं जमींदार के वंशज प्रदीप साहु के घर पर विधिवत पूजा अर्चना कर उनके घर का शुद्धिकरण किया।

बीएयू में सरहुल पर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में प्रकृति पर्व सरहुल धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं और कर्मियों ने विश्वविद्यालय मुख्यालय स्थित कार्तिक उरांव के प्रतिमा स्थल से शोभायात्रा निकाली जो बिरसा भगवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद विवि के मुख्य द्वार के निकट स्थित सरना स्थल तक गई। सरना स्थल पर पाहन द्वारा विधिवत पूजा की गई, जिसका समन्वयन छात्र अरविंद उरांव ने किया। कृषि महाविद्यालय सभागार में विद्यार्थियों ने गीत, संगीत, नृत्य का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा ने कहा कि सरहुल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करने, सामूहिकता को बढ़ावा देने और जीवन के पुनर्जागरण का प्रतीक है। कुलसचिव डॉ शैलेश चट्टोपाध्याय मुख्य अतिथि थे।

खलारी में प्रकृति पर्व सरहुल पर निकली भव्य शोभा यात्रा

मांदर की थाप पर थिरकते रहे लोग

नवीन मेल संवाददाता। खलारी खलारी में प्रकृति पर्व सरहुल धूमधाम से मनाया गया। क्षेत्र के विभिन्न सरना स्थलों पर पाहन के साथ आदिवासी समुदाय के लोगों ने पूजा अर्चना की। दोपहर बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सरना समिति कमाती धौड़ा द्वारा महावीर नगर स्थित सरना स्थल पर बंधु पाहन ने अन्य पाहन के साथ मिलकर विधिवत पूजा अर्चना की। महिलाओं ने पूजा कर प्रार्थना किया। पाहन द्वारा फुलखोंसी किया गया। अपराह्न तीन बजे भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें महिला-पुरुष परंपरिक वेशभूषा एवं नगाड़े, मांदर के साथ थिरक रहे थे। शोभा यात्रा महावीर नगर से केडी मुख्य बाजार होते हुए केडी अंबेडकर चौक तक गया। विधायक सुरेश कुमार बैठा, खलारी सीओ प्रणव अम्बष्ट व थाना प्रभारी पुनि जयदीप टोप्पो भी शोभा यात्रा में शामिल हुए। लोग अबीर गुलाल लगाकर नाचते गाते चल रहे थे। मांदर की थाप पर महिलाओं, पुरूषों ने जमकर नृत्य किया। इस बार प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न जगहों से भी सरहुल शोभा यात्रा निकाली गई। सभी का मिलान खलारी ओवरब्रिज के समीप हुआ। जिसमें सरना समिति कमाती धौड़ा, अंबाटोंगरी, खलारी बाजारटांड़, मायापुर, बुकबुका सरना समिति सहित अन्य जगहों से निकाली गई शोभा यात्रा शामिल हुए। षोभायात्रा में विधायक प्रतिनिधि मोनू रजक, इंदिरा देवी, राजेशसिंह मिंटु, अनिल पासवान, सरना समिति कमाती धौड़ा अध्यक्ष राजकुमार उरांव, निभा उरांव, मुखिया तेजी किस्पोट्टा, रंथु उरांव, रामलखन गंझू, अमृत भोगता, सुनीता देवी, पारसनाथ उरांव, दीपमाला कुमारी, शीला कुमारी, ललिता देवी, किरण तिर्की, कुलदीप लोहार, पुतुल देवी, शांति देवी, सेवा उरांव, मलका मुंडा, संतोष कुमार महली, शांति देवी, शिवरत मुंडा, पुष्पा खलखो, सीतमोहन मुंडा, विनोद मुंडा, योगेंद्र मुंडा, विजय उरांव, सुकरा उरांव, छोटन भोगता, श्रवण भोगता शशि मुंडा, किशुन मुंडा, राहुल गंझू, नीरज उरांव, सुभाष उरांव, अजीत उरांव, कुलदीप लोहरा, रामसूरत यादव, दिलीप गंझू, कामेश्वर निशाद, कारू निषाद, सहित सैंकड़ों की संख्या में महिला पुरूष एवं बच्चे शामिल हुए।

जय माता दी ग्रुप खलारी ने बांटा शरबत

जय माता दी ग्रुप खलारी द्वारा केडी हिन्दु गढ़ी चौक पर सरहुल शोभा यात्रा में शामिल लोगों के बीच शरबत का वितरण किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने शोभा यात्रा में शामिल महिला, पुरूष, बच्चों को शरबत पिलाया। शरबत वितरण में सहयोग करने वालों में ग्रुप के मुन्ना देवी, संजयकुमार सिंह, दीपक पात्रा, दीपक प्रसाद, दीपक तिवारी, मनीष कुमार, जितेंद्र सिंह, राजेन्द्र प्रसाद, सोनू पांडेय, कामेश्वर सिंह, अमरदीप राय, नागेंद्रप्रसाद सिन्हा, संजयकुमार विश्वकर्मा, सक्षम सिन्हा शामिल थे।

विहिप व बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने किया चना गुड़ का वितरण

विहिप सह बजरंग दल खलारी के कार्यकर्ताओं ने केडी हिन्दुगढ़ी चौक पर सरहुल शोभा यात्रा में शामिल लोगों के बीच चना गुड़ का वितरण किया। मौके पर पहुंचे विधायक सुरेशकुमार बैठा भी चना गुड़ वितरण में शामिल हो गए। इस कार्य में बजरंग दल के प्रताप यादव, दीपक बहादुर, मुकेश यादव, शशि तुरी, श्याम लोहार, अमर कुमार, रोशन सोनी, टाइगर, संजीत महतो, अभिषेक सिंह, सोनू तूरी, अक्षम, दृश्य, रवि तूरी, अनिकेत सोनी, प्रवीण कुमार, आकाश ठाकुर सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

शाखा की अध्यक्ष ने गणगौर पर्व मनाकर की अपने कार्यकाल की शुरूआत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा अध्यक्ष पूजा अग्रवाल के नेतृत्व में सर्व प्रथम नए सत्र (2025-2026) की शुरूआत प्रमुख त्योहार गणगौर से की गई। लक्ष्मी नारायण मंदिर के प्रांगण में सुहागिनों के बीच सुहाग पिटारे का वितरण किया गया। सुहागिनों ने लंबे सुहाग का आशीर्वाद दिया। साथ ही खुशी पूर्वक भेट स्वीकार किया। सभी ने एक दूसरे को गणगौर महापर्व की बधाई दी। मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने बताया कि कार्यक्रम में रंजू मालपानी और पिंकी शर्मा का सहयोग प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष पूजा अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष विनिता सिंघानिया, पूर्व अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल, सपना सिंघानिया, रितु पोद्दार, सौम्या गर्ग, कविता जालान, पायल जैन, सोनम शर्मा के साथ अन्य सदस्य मौजूद रहे।

चाईबासा बाल सुधार गृह से 20 से अधिक बाल बंदी फरार

चाईबासा। चाईबासा के बाल सुधार गृह से 20 से अधिक बाल बंदी फरार हो गए। बताया जा रहा है कि फरार होने से पहले बाल बंदियों ने गार्ड और सुरक्षा कर्मियों पर जानलेवा हमला किया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ दिया और गेट का ताला तोड़कर भाग निकले। इस घटना के बाद अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया है। प्रशिक्षु आईपीएस निखिल राय, एसडीपीओ बहामन टुटी, एसडीओ संदीप अनुराग टोपनो, सदर सीओ उपेंद्र कुमार और मुफ्फसिल थाना प्रभारी रंजीत उरांव ने घटनास्थल का दौरा किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बाल सुधार गृह के अंदर बच्चे मंगलवार की शाम को खेल रहे थे। अचानक उनके बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जो बाद में कहासुनी और फिर मारपीट में बदल गया। इसी दौरान बाल बंदियों ने उत्पात मचाया और गेट तोड़कर फरार हो गए। फरार बाल बंदियों की संख्या में इजाफा भी हो सकता है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है।

गर्मी के सितम ने बढ़ा दिया देसी फ्रिज का क्रेज

नल लगा हुआ घड़ा बना पहली पसंद

नवीन मेल संवाददाता। ठाकुरगांव रांची जिले में गर्मी का सितम शुरू है। बढ़ते पारे से आसमान से आग बरसने लगा है। तापमान में बढ़ोतरी से लू भी झुलसाने लगी है। इससे दिन में लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। चिलचिलाती धूप में अगर कोई कंठ को राहत देता है तो वह है मिट्टी की सुराही व घड़े का शीतल पानी। बुजुर्गों द्वारा बताया जाता है कि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी नहीं है। ज्यादातर लोग फ्रिज के रहते हुए भी सुराही व घड़े का पानी पीना ही पसंद करते हैं। गर्मी को ध्यान में रखते हुए बाजार में स्थानीय कुम्हार सहित अन्य गांवों के कुम्हार साप्ताहिक बाजार में घड़े बेचने पहुंच रहे हैं। गर्मी में ठंडे पानी के लिए लोग मिट्टी के घड़ों का आज भी इस्तेमाल करते हैं। ठाकुरगांव, कांके, पिठौरिया के व्यापारी अलग आकार के मिट्टी से बने घड़े और सुराही बेचने के लिए बाजार में रखा है। व्यापारियों ने बताया कि 120 से 230 रुपए तक के घड़े उपलब्ध हैं। गर्मी आते ही घड़ों व सुराही की बिक्री में तेजी आने लगती है। ग्रामीण क्षेत्र में पूर्व से ही घड़ा का पानी पीने का चलन है। लेकिन फ्रिज ने लोगों को घड़े के सोंदे पानी के स्वाद से काफी दूर कर दिया था, लेकिन कोरोना महामारी में लोगों ने फ्रिज के पानी से तौबा कर ली।

सरहुल जुलूस के दौरान पिठौरिया इलाके में विवाद

पिठौरिया। मंगलवार को पिठौरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत हेड बालू के सरहुल जुलुस में विवाद हो गया। सूत्रों के अनुसार विवाद में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं। वहीं घटना की सूचना पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस कार्रवाई कर रही है। फिलहाल इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है। मामले की जानकारी के लिए लगातार पिठौरिया पुलिस को फोन किया जा रहा लेकिन फोन स्विच ऑफ आ रहा है।

पिता ने की कुल्हाड़ी से मारकर पुत्र की हत्या, गिरफ्तार

दुमका। पिता ने शराब के नशे में धुत होकर अपने ही पुत्र की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी। घटना जिले के जामा थाना क्षेत्र के तरबंधा गांव की है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजीत कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच घटना का जायजा लिया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय रमेश राय के रूप में हुई है। घटना को लेकर मृतक की पत्नी पंचवती देवी ने बताया कि देर रात में 50 वर्षीय मेरे ससुर मदन राय घर पर आया और पुरानी जमीन विवाद को लेकर झगड़ा करने लगा।

चान्हो व मांडर में भव्य सरहुल शोभा यात्रा निकली

नवीन मेल संवाददाता। चान्हो क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में मंगलवार को सरहुल शोभा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के लगभग सभी हिस्सों में बड़ी संख्या में अलग-अलग गांव के पारंपरिक गीत नृत्य के साथ सरहुल शोभा यात्रा में शामिल हुए। मांडर में आयोजित सरहुल की शोभा यात्रा में करगे, मलती ,चटवल , मुड़मा, पुंगी, कंजिया सहित कई स्थानों से पारंपरिक गाजे बाजे के साथ सरना धर्मावलंबी के लोग इस जुलूस में शामिल हुए। 21 पड़हा सरहुल पूजा समिति तरंगा नावाघर में आयोजित जुलुस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री बंधु तिर्की शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह प्रकृति पर्व हमें आज भी प्रकृति के करीब रहने की संदेश देता है। आपसी भाईचारा की एकता प्रेम और सौहार्द का संदेश देने वाला सरहुल का एक अलग ही पहचान है। जो सदियों से चली आ रही है। आगे उन्होंने कहा कि आदिवासी विकास का बाधक नहीं है। प्रकृति को बचाते हुए विकास करना चाहिए। उन्होंने पढ़ाई पर विशेष जोर दिया। खोड़हा के साथ उन्होंने सरहुल गीत गाया और पारंपरिक नृत्य भी किया।

धूमधाम से मनाया गया प्रकृति का पर्व सरहुल

पूरे विधि विधान से की गई प्रकृति पर्व सरहुल की पूजा

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो बेड़ो स्थित छोटा एवं बड़ा सरना स्थल सहित पुरियो, जरिया, बारीडीह, करांजी, खत्री खटंगा, पाकलमेडी, टेरो, महुगांव, तुको , ईटा सहित विभिन्न गांवों में प्रकृति महापर्व सरहुल पर विधिवत पूजा अर्चना की गई। सरहुल पूजा महासमिति मासु में पंचम पहान के द्वारा सरई फूल,अरवा चावल, अरवा सुता, दूध, पानी, सिंदूर, धूप लकड़ी, महुआ फूल से पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई। विधिवत पूजा अर्चना के दौरान अच्छी वर्षा की कामना की गई । महतो एतवा उरांव, नंदू भगत, बंधना टाना भगत, सुखदेव भगत, लक्ष्मण टाना भगत ने अपनी उपस्थिति में पूजा अर्चना संपन्न कराई। डंडा कटना जैसे रश्म निभाए गए। इस मौके पर मासु गांव के समाज सेवी संजय उरांव ने कहा सरहुल आदिवासी का सबसे बड़ा त्योहार के रूप में मनाया जाता है और आपसी भाई चारा प्रेम के साथ जल जंगल जमीन की रक्षा करना हम सभी आदिवासियों का पुनीत कर्तव्य है। हमारे पुरखों की देन है कि आज हमें हवा पानी और रोशनी मिल रही है। सभी कोई मिलकर हम प्रकृति का संरक्षण करें । इस मौके पर मुख्य रूप से सनम उरांव, प्रेम उरांव विदेश उरांव महादेव उरांव, गणेश मुंडा, बुधराम उरांव, शिवराज उरांव, माया उरांव, बुद्धदेव टाना भगत, संदीप उरांव सहित सभी ग्रामीण वासियों ने पूरे हर्षोल्लास के साथ पूजा अर्चना किया। इधर बेडो. में बुधुवा पाहन, पंचम पुजार, महतो राकेश भगत तथा सरहुल पूजा आयोजन समिति के अध्यक्ष सुका उरांव, संरक्षक मुखिया सुशांति भगत, पंचायत समिति सदस्य राखी भगत, अनिल टोप्पो, सुकरा भगत, जलही उरांव सहित दर्जनों लोग मौके पर मौजूद थे।

सिल्ली में सरहुल पर्व पर कार्यक्रम आयोजित, श्रद्धालुओं ने कहा

सरहुल प्रकृति और जीवन के बीच संतुलन का प्रतीक

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली सिल्ली प्रखंड के लुपंग में मंगलवार को सरहुल पर्व पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभिन्न गांव से आदिवासी समुदाय के लोग नाचते गाते जुलूस लेकर लुपंग पहुंचे जहां सभी ने साथ मिलकर कार्यक्रम को संपन्न कराया। आदिवासी समुदाय के लोगों ने बताया कि यह पर्व हर वर्ष चैत्र मास में मनाया जाता है, जब प्रकृति अपने नए रूप में खिल उठती है। सरहुल मुख्यतः आदिवासी समुदाय का त्योहार है। यह त्योहार आदिवासी समाज की समृद्धि, सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करता है।बताते चले कि सरहुल का अर्थ साल फूल की पूजा करना है। इस पर्व के दौरान साल के वृक्षों की विशेष पूजा की जाती है क्योंकि इन्हें प्रकृति का प्रतीक माना जाता है। इस उत्सव को धरती की पूजा और नवजीवन का उत्सव भी कहा जाता है। इस दिन गांव के सरना स्थल में पारंपरिक पूजा अर्चना का आयोजन भी हुआ। सरहुल केवल एक पर्व नहीं है बल्कि यह प्रकृति और जीवन के बीच संतुलन का प्रतीक है। यह उत्सव हमें यह समझाता है कि मानव जीवन का अस्तित्व प्रकृति के साथ गहराई से संबंधित है और इसे संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। इस मौके पर सिल्ली पुलिस, सारना समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि, मुखिया गण, समाजसेवी आदि लोग उपस्थित थे।

हनुमान चालीसा का पाठ और महाआरती का किया गया आयोजन

बेड़ो में निकला भव्य मंगलवारी जुलूस

राम लखन जानकी जय बोलो हनुमान की जैसे उद्घोष से गूंजा बेड़ो

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल बेड़ो प्रखंड के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार की शाम कारगिल चौक से मंगलवार की शाम भव्य मंगलवारी जुलूस का आयोजन किया गया। जुलूस के दौरान गाजा बाजा एवं महावीरी पताकाओं के साथ विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के अध्यक्ष शशी टाईगर यादव के नेतृत्व में कारगिल चौक से देवी मंडप चौक, बाजार टांड़ मुख्य सड़क होते हुए महावीर चौक पहुंचा। जहां अस्त्र-शास्त्र परिचालन का सांकेतिक अभ्यास किया गया । इस दौरान महावीर चौक के पास बजरंगबली मंदिर में बजरंगबली की आरती की गई और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इस मौके पर बेड़ों प्रखंड के दर्जनों गांवों के अखाड़ों के प्रतिनिधि के साथ-साथ विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम, जय बजरंगबली, राम लखन जानकी जय बोलो हनुमान की जैसे उदघोष कर पूरे महावीर चौक को राममय बना दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद प्रखंड अध्यक्ष शशि टाइगर यादव के द्वारा किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम को सफल बनाने में करांजी के हरिचरण महतो, केशा के मनोज कुमार सिंह, महादानी मंदिर के मुख्य पुजारी अशोक पंडा, विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड मंत्री सत्यनारायण साहु, बजरंग दल के संयोजक ज्वाला सिंह, सह-संयोजक विकास सोनी, बजरंग दल गौ रक्षा प्रमुख धीरज कुमार, सुरजीत भगत,अपूर्व लाल खन्ना, सौरभ खन्ना, परशुराम साहु, विश्वा गोप, अमृत कुमार सहित सैकड़ो लोग मौके पर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक नजर

रामनवमी के मद्देनजर प्रशासन ने जारी किया आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर

बरही । अनुमंडल के विभिन्न प्रखंडों में महारामनवमी शांति और सौहार्द से मनाने को लेकर स्थानीय व जिला प्रशासन पूरी तरह संकल्पित है. जुलूस या त्योहार के दौरान थोड़ी सी भी चूक नहीं हो, इसे लेकर प्रशासनिक अधिकारी क्षेत्र भ्रमण कर लगातार वार्ता और बैठकें कर रहे है. क्षेत्र की ताजा स्थिति से अवगत होकर सुरक्षा के निर्देश और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम की बाते बताई जा रही है. इसी के तहत जिला प्रशासन की ओर से जिले भर के लिए हेल्पलाइन नंबर की सूची भी जारी किए गए हैं. जिसमे विभिन्न स्वास्थ्य, पेयजल आदि को लेकर नोडल अधिकारियों के नंबर शामिल हैं. जारी सूची के अनुसार बरही अनुमंडल के लिए अवर प्रमंडल पदाधिकारी को नोडल बनाया गया है. बरही अनुमंडल के लिए मोबाईल संख्या 8789356527 को हेल्पलाइन नंबर के रूप में जारी किया गया है.

भुरकुंडा समेत पूरे कोयलांचल में रहीं ईद की खुशियां मस्जिदों में मांगी दुआएं

भुरकुंडा। कोयलांचल के भुरकुंडा सहित रिवरसाइड, भदानीनगर, चिकोर, महुआ टोला, चैनगड़ा, लपंगा बस्ती, सेंट्रल सौंदा, सीसीएल सौंदा आदि क्षेत्रों में सोमवार को ईद का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह होते ही मुस्लिम समाज के लोग पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे मस्जिदों और ईदगाहों में पहुंचे। यहां विशेष नमाज अदा की गई और अमन-शांति की दुआ मांगी गई। नमाज के बाद लोगों ने गले मिलकर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। पूरा माहौल खुशी और भाईचारे से सराबोर रहा। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में खास उत्साह देखने को मिला। हर घर में सेवइयों की महक फैली रही, वहीं अन्य लजीज पकवानों का भी लोग लुत्फ उठाते रहे। ईद की खुशी साझा करने के लिए देर शाम तक लोग एक-दूसरे के घर जाते रहे।

करूणा और पवित्रता से भरा था मां शारदा का जीवन : स्वामी रामतत्वानंद

हजारीबाग। हजारीबाग में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम 31 मार्च 2025 को प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर रामकृष्ण मिशन आश्रम के वरिष्ठ सन्यासी स्वामी रामतत्वानंद जी महाराज का मां सारदा देवी के जीवन एवं संदेश पर प्रवचन कार्यक्रम सोमवार को प्रारंभ हुआ। श्री रामकृष्ण परमहंस देव की धर्म पत्नी एवं स्वामी विवेकानंद जी की गुरुमाता मां शारदा देवी का जीवन में पवित्रता एवं करुणा से भरा हुआ था। इस अवसर पर संत कोलंबस महाविद्यालय के दर्शन शास्त्र के प्राध्यापक राजकुमार चौबे ने भी भारत की चेतना की जागृति में मातृ शक्ति के योगदान पर अपने विचार रखे। इस सभा में चंदवारा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जयप्रकाश दास, हिंदी के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ सुबोध सिंह शिवगीत, यूसेट कंप्यूटर साइंस के प्राध्यापक अरुण मिश्रा आकाशवाणी उद्घोषक मानिक चक्रवर्ती, परमेंद्र मिश्रा व अन्य कई छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष बसंत यादव ने अखाड़ाधारियों संग की बैठक, कहा

शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं रामनवमी

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी परिस्थिति में किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचनी चाहिए। इसके अलावा, बसंत यादव ने अखाड़ाधारियों से नशामुक्त रामनवमी मनाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि यह त्योहार धार्मिक आस्था और संस्कृति से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसे पूरी शुचिता और पवित्रता के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा किसी भी रूप में समाज और संस्कृति के लिए हानिकारक है, इसलिए सभी को इसे पूरी तरह से त्याग कर शुद्ध भक्ति और समर्पण भाव के साथ रामनवमी मनानी चाहिए। बैठक से पहले रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष बसंत यादव का अखाड़ाधारियों ने फूल-माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस दौरान महासमिति के अन्य पदाधिकारी और गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

कटघरा में बसंत नवरात्र दुर्गा एवं मां काली पूजा महोत्सव का आयोजन

चलकुशा। प्रखंड अंतर्गत सुदन पंचायत के ग्राम कटघरा में बसंत नवरात्र रामनवमी पूजा के शुभ अवसर पर श्री श्री 108 बसंत दुर्गा मां काली बसंत नवरात्र महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुखिया सविता देवी ने विधिवत पूजा अर्चना कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पुजा समिति के अध्यक्ष सह पूर्व उप प्रमुख भिखी सिंह एवं पूजा समिति के सचिव सह मुखिया प्रतिनिधि बासुदेव यादव उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

निचितपुर में आईसीएआर ने लगाया पशु स्वास्थ्य शिविर, लगभग 100 पशुधन की जांच

बरही । पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आईसीएआर गौरियाकरमा ने अनुसूचित जाति उप परियोजना के तहत निचितपुर पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया. नोड़ल अधिकारी डॉ. कृष्ण प्रकाश ने बताया कि शिविर के माध्यम से किसानो को पशुओं के स्वास्थ्य, उसके देख रेख तथा पशु समस्या संबंधित विभिन्न जानकारियां दी गई. शिविर मुख्य कृषि वैज्ञानिक डॉ. विशाल नाथ के निर्देशन में आयोजित किए गए थे. जिसमे पशु वैज्ञानिक डॉ. शिल्पी केरकेट्टा, बैकयार्ड कुक्कुट पालन वैज्ञानिक डॉ. मोनिका एम. नें पशुओं को उपचार, रोग-थाम तथा टेक्निकल सहायक धर्मेन्द्र कुमार यादव और आकाश कुमार दास ने किसानों को साफ सफाई की जानकारी दिया. मौके पर किसानों के बीच कुछ आवश्यक दवाइयां भी वितरित किए गए. शिविर मे लगभग 100 किसानों ने अपने पशुओं के स्वास्थ्य जांच करवाए.

विधायक ने सलैया में किया सांस्कृतिक भवन और चबूतरा शेड का उद्घाटन

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम सलैया मंदिर परिसर में नवनिर्मित सांस्कृतिक भवन और चबूतरा शेड का विधायक ने विधिवत उद्घाटन किया। इस निमित विधायक ने कहा कि गांव में सांस्कृतिक भवन और चबूतरा शेड की मांग ग्रामीण लंबे समय से कर रहे थे। भवन और शेड बन जाने से गांव के लोगों को काफी सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जा रहा है। इस दौरान मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि गांव में किसी भी तरह के कार्यक्रम के आयोजन को लेकर उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना होता था। जिसे लेकर वे लोग विधायक से मिलकर समस्या से अवगत कराया। जिसके पश्चात उन्होंने चुनाव से पूर्व ही तुरंत चबूतरा शेड निर्माण के लिए योजना को अपने मद से स्वीकृत किया और आज हमारा शेड तैयार हो गया है। जिसके लिए सभी लोग विधायक अमित कुमार यादव के प्रति आभार जताए।इस मौके पर मुखिया इंद्रदेव प्रसाद, अधिवक्ता रामसेवक प्रसाद, सहदेव प्रसाद, सुरेंद्र प्रसाद सूर्यदेव मंडल टिंकू, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि सीताराम प्रसाद विधायक निजी प्रेस सलाहकार यशराज साहा, बुलाकी प्रसाद, हीरालाल प्रसाद, मनु कुमार, राजेश प्र बुल्ला, लक्ष्मण प्रसाद, कुंजबिहारी प्रसाद समेत दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

संदिग्ध वाहनों पर ट्रैफिक पुलिस रख रही नजर, संदेह होने पर वाहनों की हो रही जांच

हजारीबाग। रामनवमी महापर्व को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन एक्टिव मोड में है। पुलिस जहां शहर के हर गतिविधि पर नजर जमाए है वहीं ट्राफिक पुलिस भी अपने काम में बखूबी लगी है। ट्रैफिक पुलिस हजारीबाग शहर आने जाने वाली हर संदिग्ध वाहनों पर नजर रखे हुए है और जांच भी कर रही है। शहर के चौक चौराहों के साथ शहर के हर एंट्री प्वाइंट पर भी संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही। यह जानने की कोशिश की जा रही कि उक्त वाहन कहां से आ रही और कहां जा रही है। साथ ही उस पर कौन बैठा है। इसके अलावा वाहनों के कागजात की भी जांच की जा रही है। यातायात प्रभारी श्रवण कुमार ने बताया कि रामनवमी को देखते हुए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत हम वैसे वाहनों पर विशेष नजर रखे हुए है जिस पर संदेह हो रहा, वैसे वाहनों की विशेष जांच भी की जा रही है। बताया कि मंगलवार सुबह कई स्थानों पर वाहनों की जांच की गई है। इसी क्रम में आनंदा चौक पर एक संदिग्ध वाहन जो बाहरी नंबर की थी उसकी जांच की गई है। साथ ही लोगों से अपील करते हुए कहा कि घर से निकले तो गाड़ी के कागजात दुरुस्त कर लें। इसके अलावा अगर दो चकिया वाहन से निकले तो हेलमेट और चार चकिया वाहन से निकले तो सीट बेल्ट अवश्य लगा कर निकले।

टाटीझरिया के चूरचू में बाहा बोंगा सरहुल महोत्सव का आयोजन

दारू। बोंगा सरहुल महोत्सव धूमधाम से मनाया। आदिवासी महिला-पुरुषों ने मांदर की थाप पर थिरकते हुए मारांगबुरु की स्तुति की। महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि प्रमुख संतोष मंडल, मुखिया ममता देवी, उपमुखिया मुकेश कुमार मंडल, राजू यादव उपस्थित हुए। संथाल सरना समिति चुरचू की ओर से आयोजित बाहा बोंगा सरहुल महोत्सव में नायके बाबा बाबूराम सोरेन, मांझी बाबा गोकुल मांझी, जोग बाबा राहुल मूर्मू, प्राणिक बाबा छोटेलाल सोरेन ने परंपरागत विधि-विधान से अपने आराध्य देव मारांगबुरु की पूजा सखुआ व महुआ के फूल चढ़ाकर की। इस अवसर पर प्रमुख ने कहा कि इस त्योहार में प्रकृति एवं मारांगबुरु की आराधना की जाती है।

धूमधाम से निकाला गया सरहुल जुलूस, विधि विधान से की गई पूजा

प्रकृति के प्रति हमारी गहरी आस्था का प्रतीक है सरहुल पर्व : विधायक

नवीन मेल संवाददाता। बरही

रानीचुआं पंचायत के कुटमा, फुटबॉल मैदान में सरहुल पर्व धूमधाम से मनाया गया। बतौर मुख्यातिथि के रूप में बरही विधायक मनोज कुमार यादव शामिल हुए। आदिवासी समुदाय में इस त्योहार को लेकर खुशी का मौहाल है। सरना स्थल पर विधि-विधान से पूजा की गई और प्रकृति के देवताओं और अपने पूर्वजों से अच्छी फसल के लिए अच्छी बारिश की कामना की। मौके पर पहुंचे बरही विधायक ने प्रकृति की पूजा अर्चना कर सभी आदिवासी भाई बहनों को सरहुल की शुभकामनाएं दी। इस दौरान विधायक ने मांडर बजाकर लोगों के साथ खूब झूमे। कार्यक्रम संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि सरहुल प्रकृति के प्रति हमारी गहरी आस्था का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का स्मरण कराता है। मौके पर जीप उपाध्यक्ष किसुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, बरसोत मुखिया मोतीलाल चौधरी, पूर्व जीप प्रतिनिधि मो कयूम अंसारी, समाजसेवी मुन्ना यादव, उपमुखिया किरण देवी, ब्रहमदेव यादव, राजकुमार यादव, मिथलेश यादव सहित अन्य। मंच का संचालन हीरालाल हंसदा और मोहन हंसदा ने संयुक्त रूप से किया। महोत्सव को सफल बनाने में अध्यक्ष मोहन हंसदा, उपाध्यक्ष रामेश हंसदा, सचिव सुरज हेंब्रम, उप सचिव बाबुलाल मुर्मू, कोषाध्यक्ष सोनाराम हँसदा, समिति सदस्य संतोष हंसदा, राजेश हेंब्रम, अजय मुर्मू, छोटेलाल मुर्मू, सुरेश हँसदा आदि ने महती भूमिका निभाई।

सरहुल जुलूस में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए कांग्रेसी नेता

जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए हर व्यक्ति को आगे आना होगा : मुन्ना सिंह

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाए जाने वाले सरहुल पर्व के अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने हजारीबाग के नया बस स्टैंड स्थित सरहुल मैदान में पूजा-अर्चना कर पर्व की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय समाज के लोगों से मुलाकात कर उन्हें सरहुल पर्व की शुभकामनाएं दीं और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर मुन्ना सिंह ने कहा कि सरहुल पर्व झारखंड और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में आदिवासी समाज द्वारा मनाया जाने वाला प्रमुख प्राकृतिक उत्सव है, जो वनों, जल स्रोतों और भूमि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। यह पर्व पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और परंपराओं के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने बढ़ते पर्यावरणीय संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए हर व्यक्ति को आगे आना होगा।

महानवमी को लेकर तुइयों में निकाला गया मंगला जुलूस

बरकट्ठा। प्रखंड के तुईओ में महारामनवमी को लेकर अंतिम मंगल को रामनवमी समिति और श्रद्धालुओं ने मंगला जुलूस निकाला। मंगला जुलूस पूरे गांव का भ्रमण किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने लाठी संचलन कर विभिन्न तरह के करतब का प्रदर्शन किया। वहीं लौडीस्पिकर पर बजाए जा रहे धार्मिक गीतों पर श्रद्धालु खूब झूमे। मंगला जुलूस शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस भी शामिल रही। मंगला जुलूस में उपप्रमुख सुरजी देवी, मुखिया शंकर रविदास, उत्तिम महतो, राजेश कुमार, सीताराम प्रसाद, वीरेंद्र राणा, वसंत कुमार, खगेन्द्र प्रसाद, नारायण प्रसाद, सुशील प्रसाद, विजय प्रसाद, भूषण पासवान, पिंटू कुमार, मेघलाल प्रसाद, लक्ष्मण महतो, संदीप कुमार, किशोर राणा, मनोज प्रसाद समेत आदि श्रद्धालु शामिल थे।

चेचकपी के मजदूर की कोलकाता में मौत, गांव में पसरा मातम

मुखिया ने परिजनों से मिलकर हर संभव मदद का दिया भरोसा

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पंचायत चेचकपी के ग्राम उपरैली डेबो निवासी महेश सिंह की मौत कोलकाता में हो गई। मृतक कोलकाता में गोशाला में काम करता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय लोग अस्पताल में ले गये। जहां इलाज के दौरान 48 वर्षीय महेश सिंह, पिता मंगर सिंह की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मुखिया रीता देवी और समाजसेवी डेगलाल साव पहुंचकर मृतक के परिजनों को ढांढस बढ़ाया। साथ ही हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मौके पर काली सिंह, जिवलाल सिंह, दशरथ सिंह, मोहन साव, कुलदीप सिंह, ब्रह्मदेव सिंह, रामेश्वर सिंह, प्रदीप सिंह, रामस्वरूप सिंह, राजेश सिंह समेत कई ग्रामीणों ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मृतक बहुत ही नेक इंसान थे। विदित हो कि विगत चार वर्ष पूर्व महेश सिंह के पिता की ड्यूटी के दौरान मौत हो गई थी। जिसके बाद अनुकंपा के आधार पर महेश को नौकरी मिली। मृतक चार बच्चे सहित पत्नी को छोड़कर चले गए।

सरस्वती विद्या मंदिर,रजरप्पा में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

आचार्यों की कमी हमें सदैव महसूस होगी : आचार्य शंभू शरण मिश्रा

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में विद्यालय के दो वरिष्ठ आचार्य अक्षय कुमार सिंह और शंभू शरण मिश्रा को सेवानिवृत्त होने के उपलक्ष्य में विद्यालय परिवार द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी, प्राचार्य उमेश प्रसाद,अक्षय कुमार सिंह एवं शंभू शरण मिश्रा के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित के साथ किया गया। अतिथि परिचय प्राचार्य उमेश प्रसाद ने किया।कार्यक्रम में विद्यालय के बहनों के द्वारा विदाई गीत गयी गई। इसके पश्चात विद्यालय के आचार्य बच्चूलाल तिवारी के द्वारा इस समारोह की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा कहा हमारे शारीरिक आचार्य अक्षय सिंह ने छात्रों को खेलों के प्रति प्रेरित किया और स्वस्थ जीवनशैली का महत्व सिखाया, साथ ही इनके मेहनत से विद्यालय अखिल भारतीय स्तर तक विजय रही। वहीं अंग्रेजी आचार्य शंभू शरण मिश्रा ने भाषा के प्रति छात्रों में रुचि विकसित की और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया। इन दोनों आचार्यों की कमी हमें सदैव महसूस होगी। विदाई समारोह में दोनों आचार्यों ने विद्यालय के दिनों को याद करते हुए अपने अनुभव सभी के साझा किए। अपने संबोधन में चंद्रशेखर चौधरी ने कहा कि विदाई एक भावुक पल है किंतु यह एक नियम हैं आप दोनों का विद्यालय की स्थापना काल से ही महत्वपूर्ण भूमिका रहा हैं।प्राचार्य उमेश प्रसाद ने दोनों आचार्यों के वर्षों के समर्पण और सेवा के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों ने स्कूल को एक बेहतर स्थान बनाने में मदद की है, और उनकी कमी महसूस की जाएगी।दोनों आचार्यों को विद्यालय के द्वारा उपहार देकर सम्मानित किया गया।

श्री श्री रामनवमी पूजा महासमिति ने शहर में किया विशाल मंगला शोभा यात्रा का आयोजन

जय श्रीराम, जय हनुमान के उदघोष से गुंजायमान रहा शहर

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

शहर के सिद्धू कान्हू जिला मैदान से मंगलवार को श्री श्री रामनवमी पूजा महासमिति ने विशाल मंगला शोभा यात्रा का आयोजन किया। शोभा यात्रा चट्टी बाजार, झंडा चौक, थाना चौक, मेन रोड से होते हुए फुटबॉल ग्राउंड पहुंचकर संपन्न हुई। जिसमें जिला के विभिन्न भागों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और शोभा यात्रा को भव्य स्वरूप प्रदान किया।

जय श्रीराम, जय हनुमान के उदघोष से भक्तिमय हुई शहर की फिजां : मंगला शोभा यात्रा में शामिल लोग जय श्रीराम, जय हनुमान का उदघोष करते बढ़ रहे थे। जिससे शहर की फिजां भक्ति से ओत प्रोत हो गई।

प्रशासन ने सुरक्षा के किए थे व्यापक प्रबंध

मंगला शोभा यात्रा को शांति पूर्वक संपन्न करने के लिए जिला पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये गए थे, जिससे यात्रा शांति पूर्वक संपन्न हुई। पुलिस प्रशासन ने सख्त हिदासत दी थी कि अगर कोई उपद्रवि किसी तरह का नजर आए तो उस पर सख्ती से कार्रवाई कर उसे सीधे जेल में डालें दूसरा कोई रास्ता नहीं।

पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

जब मंगला जुलूस शोभा यात्रा में चल रहे श्रद्धालुओं का मारवाड़ी धर्मशाला के समीप पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया तसे यह दृश्य काफी मन भावन था। ऐसा लग रहा था कि आसमान से बारिश हो रही है और फूलों में नहा रहे हैं।

स्टॉल लगाकर विभिन्न संगठनों ने किया स्वागत

शोभा यात्रा का विभिन्न संगठनों ने जगह जगह स्टॉल लगाकर शरबत और चना प्रदान कर स्वागत किया। पासवान यूथ कमेटी, साहू समाज, बजरंग क्लब आदि संगठनों ने शोभा यात्रा का स्वागत किया। शोभा यात्रा में अध्यक्ष धर्मेंद्र साव भोपाली, महासचिव विशाल जायसवाल, राजेश ठाकुर, अनमोल सिंह, आशीष सिन्हा, छोटू वर्मा, प्रवीण कुमार सोनू, ललन सिंह, डॉ संजय सिंह, नमेंद्र चंचल, रोहित सोनी, जीतू साव सहित हजारों की संख्या में जिलावासी शामिल हुए।

अस्त्र शस्त्रों के प्रदर्शन से लोगो को किया अचंभित : शोभा यात्रा में शामिल युवाओं ने अस्त्रों शस्त्रों के हैरतंगेज प्रदर्शन से शहर वासियों को अचंभित कर दिया। हर कोई युवाओं के कर्तब की सराहना कर रहे थे।

भुरकुंडा में पटेल सेवा संघ का परिचय सह सम्मान समारोह

भुरकुंडा। पटेल सेवा संघ पतरातू की ओर से भुरकुंडा रिवर साईड स्थित ऑफिसर क्लब प्रांगण में परिचय सह सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इसकी अध्यक्षता लखेंद्र राय और संचालन मिथिलेश सिंह ने किया। इसमें मुख्य रूप से विधायक रोशनलाल चौधरी और भुरकुंडा परियोजना के पीओ केआर सत्यार्थी उपस्थित थे। समारोह का शुभारंभ छत्रपति शिवाजी महाराज और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की छवि पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद मुख्य अतिथि विधायक रोशन लाल चौधरी को छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्पित पगड़ी, तलवार व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही समाज के विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इसमें पीओ केआर सत्यार्थी, डॉ एके सिन्हा, सुजीत पटेल, लखेंद्र राय, दशरथ कुरमी, मनोज मंडल, शिक्षाविद विजयंत कुमार, नरेश मंडल, हरेश राय, संजय बनारसी, सुनील महतो आदि शामिल थे।

स्कूल में आचार्य कार्यशाला का रहा दूसरा दिन

शैक्षणिक व सह शैक्षणिक शिक्षकों के विभिन्न पहलुओं पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हार टोली, में चल रहे तीन दिवसीय आचार्य कार्यशाला के दूसरे दिन समिति के उपाध्यक्ष, अमिता कुमारी एवं विद्यालय के प्राचार्य ब्रजेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन वंदना एवं माता सरस्वती वंदना के साथ आरंभ किया। मौके पर उपाध्यक्ष अमिता कुमारी ने शैक्षणिक एवं सह शैक्षिक क्रियाकलापों की उत्कृष्ट एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में आदर्श कक्षा विषय पर विस्तार से व्याख्यान दिया। बाल विकास, आचार्य विकास, समिति विकास एवं अभिभावक विकास पर आचार्य को विस्तृत जानकारी दी। कक्षा प्रबंधन पर गुणवत्तापूर्ण एवं तर्कसंगत विचार की प्रस्तुति की। कार्यशाला में समिति के सदस्य डॉ खेमलाल महतो ने गणितीय शिक्षण एवं दैनिक जीवन में उसका महत्व के साथ अंक ज्ञान एवं संख्या ज्ञान एवं गणित से संबंधित विभिन्न पक्षों को क्रिया आधारित शिक्षण के आधार पर आचार्य आचार्य का मार्गदर्शन किया। मौके पर प्रवासी कार्यकर्ता सह विद्यालय के प्राचार्य, ब्रजेश कुमार सिंह ने कहा- आप सभी आचार्य बंधु- भगिनी भैया-बहनों को क्रिया गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। क्रिया आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आधारित शिक्षा देने से भैया- बहनों का ज्ञानात्मक विकास एवं भावनात्मक विकास होता है। उन्होंने कहा आप सभी विभिन्न शिक्षण विधियों का प्रयोग कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों को दें। आप उनका मूल्यांकन अवश्य करें। बच्चों का स्किल डेवलपमेंट करें।

गोला में ईद की नमाज में उमड़ी भारी भीड़

गोला। गोला व आस पास के मुस्लिम बहुल गांवों में ईद उल फितर का त्योहर धुमधाम व भाईचारगी से मनाया गया। ईद की नमाज गोला सहित मगनपुर, सोसोकलां, चाड़ी, बेटुलकलां, बरियातु, बंदा, हुप्पू, कुसुमडीह, साड़म, जांगी, संग्रामपुर, पुरबडीह, कुजूकलां, तारवाटांड़ स्थित ईदगाह व मस्जिदों में अदा की गई। नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने गले मिलकर एक दूसरे को ईद की बधाई दी। ईद की नमाज पढ़ने ईदगाहों में पहुंचे सभी लोग नए पोशाक पहने हुए थे। इस दौरान दारुल इफ्ता चाड़ी सरीफ के सदर मुफ्ती मो नैयर रजा ने तकरीर पेश करते हुए कहा कि ईद-उल-फितर एक महीना रोजे के बाद अल्लाह की तरफ से तोहफा लेकर आती है। मौलाना महमूद आलम नुरी ने कहा कि ईद की नमाज खुशियों का पैगाम लेकर आता है। मुफ्ती हाजी फहीमुद्दीन मिस्बाही ने ईद की नमाज की फजीलत, सदका व जकात की अदायगी पर तकरीर पेश की।

सिमडेगा सरना पूजा स्थल पर श्रद्धापूर्वक सरहुल पूजा संपन्न, निकाली गई भव्य शोभायात्रा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। केंद्रीय सरना पूजा समिति के तत्वावधान में सलडेगा सरना पूजा स्थल पर पारंपरिक आस्था और श्रद्धा के साथ सरहुल पूजा संपन्न हुई। इस अवसर पर पहान बाबूलाल उराँव और पुजार बिरसा मुंडा द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना की गई।पूजा की शुरुआत परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार स्थल की परिक्रमा से हुई। इसके बाद विधिवत सरहुल पूजा संपन्न कर प्रकृति देवताओं से सुख, समृद्धि और शांति की कामना की गई। सरना स्थल पर समिति के अध्यक्ष हरिश्चंद्र भगत सचिव मनोज उरांव ,सलडेगा सरना के संरक्षक लहरू सिंह संरक्षक रमेश महतो,पूर्व मंत्री विमला प्रधान, चिक बड़ाईक समाज,मुंडा समाज सहित बड़ी संख्या में सरना धर्मावलंबी उपस्थित थे, जिन्होंने पूरे उत्साह और भक्ति के साथ इस महापर्व में भाग लिया।मौके पर केंद्रित सरना समिति के अध्यक्ष हरिचंद भगत ने कहा सरहुल पूजा आदिवासी समाज का प्रमुख पर्व है, जो प्रकृति और पृथ्वी माता के प्रति आस्था और सम्मान को दर्शाता है। इस अवसर पर पारंपरिक नृत्य और गीतों के माध्यम से समाज के लोगों ने अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया।पूजा स्थल पर भक्तिमय माहौल बना रहा और लोगों ने एकता, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। सरहुल पर्व के अवसर पर क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखा गया, जिसमें सभी समुदायों के लोग शामिल हुए। वहीं महापर्व सरहुल के पावन मौक़े पर बीरुगढ़ के युवराज कौशलराज सिंहदेव ने समस्त जिलेवासियों के सुख समृद्धि की कामना करते हुए सरहुल की शुभकामनायें दी। इससे पहले सरना स्थल में जाकर पूजन में भाग लिया और आशीर्वाद लिया। सलडेगा मौजा सरना स्थल में धुम धाम से सरहुल का पूजन किया गया। पुरे विधि विधान पाहन के द्वारा पूजन करवाया गया,ग़ुलाल का टिका लगाकर और सभी को सखुवा का फुल कान में पाहन के द्वारा लगाया गया। उपस्थित हजारों जनसमूह ने हर्षोल्लास के साथ नाचते गाते जुलुस में भाग लिया।कौशलराज सिंह देव ने इस महान पर्व के मौक़े पर शुभकामनायें देते हुए कहा अनादि काल से चले आ रहे हमारे इस अनुठे और अनुपम त्यौहार में प्रकृति खुद धरती माँ का नये फुल और नव कोपल के साथ श्रृंगार करती है और नवयौवना बन कर नव जीवन का सन्देश देती है की हर विकट परिस्थिति के बाद फिर से खुशहाली आती है।पतझड़ के बाद नव कोपल यही जीवन का सुख सन्देश हमें देती है।यही प्रकृति हमारी जीवन दायिनी है, यह हमारी धरोहर है, इसे संरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है, एक सतत जीवन के लिए प्रकृती हमारी जीवन दायिनी है। इस धरोहर को बचाकर हम आने वाली पीढ़ी को भी जागरूक करें और उन्हें एक स्वच्छ प्रकृति दें। विश्व हिन्दू परिषद् कार्यालय के पास सरहुल जुलुस का स्वागत किया गया जहां पर विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष कौशल राज सिंह देव की अगवाई में जुलूस के।अगुवाई कर रहे केंद्रीय सरना समिति के पदाधिकारियों को अंगवस्त्र देकर जिसमे सरना समिति के अध्यक्ष हरिश्चन्द्र भगत, सचिव मनोज उरांव, पाहन बाबूलाल, पाहन बिरसा मुंडा, संरक्षक लहरू सिंह, रमेश महतो को विहिप अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया गया।मौक़े पर गुड़ चना और शरबत का वितरण किया गया। शोभायात्रा सिमडेगा शहर के झूलन सिंह चौक महावीर चौक नीचे बाजार होते हुए कचहरी होकर सरना पानी टंकी पहुंची जहां पर भव्य तरीके से कार्यक्रम करने के बाद समापन हुआ।

सिमडेगा में सरहुल पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

सिमडेगा में सरहुल पूजा के अवसर पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बैजू उरांव एवं अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात रंजन ज्ञानी ने स्वयं मोर्चा संभाला। थाना प्रभारी विनोद पासवान भी पुलिस बल के साथ पूरे जुलूस के दौरान तैनात रहे, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। पूरे मार्ग पर पुलिस की तैनाती सुनिश्चित की गई थी, ताकि यातायात सुचारू रूप से चलता रहे और किसी अप्रिय घटना की आशंका न रहे।प्रशासन ने पूर्व से ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर रखे थे। संवेदनशील इलाकों में विशेष सतर्कता बरती गई और पुलिस बल ने गश्त बढ़ा दी थी। अधिकारी लगातार गश्त कर स्थिति पर नजर बनाए हुए थे।प्रशासन के इस मुस्तैदी से श्रद्धालु निर्भीक होकर अपने धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर सके। अंततः, जुलूस शांतिपूर्वक संपन्न हुआ और प्रशासन की सजगता से त्योहार बिना किसी बाधा के उल्लासपूर्वक मनाया गया।

सरहुल जुलूस का रामनवमी प्रबंधक समिति ने किया भव्य स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। रामनवमी प्रबंधक समिति महावीर मंडल सिमडेगा के द्वारा सरहुल जुलूस का भव्य स्वागत मंगलवार को किया गया। शहर के हृदय स्थली महावीर चौक स्थित महावीर मंदिर के समीप टेंट लगाकर अपनी बरसों पुरानी परंपरा को निभाते हुए केंद्रीय सरना समिति का रामनवमी प्रबंधक समिति के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा की अगुवाई में स्वागत किया गया। सरहुल के मौके पर केंद्रीय सरना समिति द्वारा पूरे विधि-विधान से सरना स्थल सलडेगा में पूजन के पश्चात भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जो प्रिंस चौक होते हुए महावीर चौक और फिर नीचे बाजार तक पहुंची। तत्पश्चात वापस मुख्य सरना स्थल पहुंची। इस दौरान महावीर चौक में रामनवमी प्रबंधक समिति के द्वारा जुलूस में शामिल लोगों के लिए खिचड़ी, चना, गुड, कोल्डड्रिंक्स, पानी इत्यादि के भरपूर व्यवस्था की गई। इस दौरान व्यवस्था में संरक्षक डीडी सिंह, अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, सचिव संजय शर्मा, उपाध्यक्ष हरि सिंह, कार्यकारिणी सदस्य रवि चौधरी, सुमित गुप्ता, मुन्ना अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

जराकेल में सरना समिति ने धूमधाम से मनाया सरहुल पर्व

नवीन मेल संवाददाता

बानो : प्रखंड के कानारोवां पंचायत के ग्राम जराकेल सरहुल सरना में जराकेल सरहुल सरना समिति द्वारा आयोजित बहा पर्व (सरहुल) धूमधाम से मनाया गया। पाहन द्वारा विधिवत पूजा-पाठ किया गया। इसके बाद उपस्थित अतिथि कॉम्पर्ट मुंडा, बाइस पढ़ा महाराजा सनिका मुंडा, कानारोवां मुखिया मिन्सी लीना तिर्की, पाहन बिरसा मुंडा एवं ग्राम प्रधान जॉर्ज सोरेंग ने सामूहिक रूप से फीता काटकर सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम की शुरुआत की।अतिथियों ने कहा कि यह दिन ऐतिहासिक रहेगा क्योंकि इस बहा पर्व के आयोजन की शुरुआत की गई है। इससे आदिवासी समाज को अपनी रूढ़ि-प्रथा, रीति-रिवाज, संस्कृति और परंपरा को सहेजने में बल मिलेगा, जिसे आने वाली पीढ़ी को सौंपा जा सकेगा।कार्यक्रम में कोयलबेड़ा, सबाटोली, पाहन टोली, बगीचा टोली और खड़िया टोली की नृत्य मंडलियों ने सुंदर आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किए।इस मौके पर सरना समिति के अध्यक्ष प्यारा मुंडा, उपाध्यक्ष थॉमस लुगुन, सचिव विलियम लुगुन, कोषाध्यक्ष गोबिंद लुगुन, सलाहकार अनिल डुंगडुंग, संरक्षक कुलदीप सिंदुरिया, ग्राम प्रधान जॉर्ज सोरेंग, विकास मघईया, फागू लुगुन, अनूप सिंदुरिया, सदस्य लुकास मुंडा, आशीष सुखराम बूढ़, मार्कुस लुगुन और नितेश डुंगडुंग सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

प्रकृति पर्व सरहुल पर कोलेबिरा चीक उत्थान समिति ने की सरना पूजा

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड में प्राकृतिक पर्व सरहुल के अवसर पर चीक बड़ाईक उत्थान समिति द्वारा सरना पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस पावन मौके पर समाज के लोगों ने प्रकृति के प्रति आस्था प्रकट करते हुए पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा संपन्न की।इस अवसर पर लक्ष्मी नाथ बढ़ाईक, नंदलाल बड़ाईक, मनोज बड़ाईक, जुगल बड़ाईक, नामेश्वर बड़ाईक, अमरेंद्र बड़ाईक, पूर्व प्रखंड प्रमुख शांति मुनि देवी सहित चीक बड़ाईक समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने सरना धर्म और प्रकृति संरक्षण के महत्व पर बल देते हुए सामूहिक उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया।समाज के लोगों ने सरहुल पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे प्रकृति और मानव के बीच अटूट संबंध का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक नृत्य-गान का आयोजन भी किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में उल्लासपूर्ण वातावरण बना रहा।

बानो में धूमधाम से मनाया गया सरहुल पर्व

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो में सरहुल पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रखंड के विभिन्न सरना स्थलों में पाहन पुजारों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर गांव की सुख-समृद्धि की कामना की। आदिवासी एकता मंच और विभिन्न आदिवासी संगठनों के बैनर तले भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो स्टेशन रोड स्थित सरना स्थल से शुरू होकर बिरसा चौक पहुंची, जहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद शोभायात्रा मुख्य चौक होते हुए डाक बंगला पहुंची, जहां यह सभा में तब्दील हो गई।इस अवसर पर तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि सरहुल प्रकृति और धरती माता के श्रृंगार के साथ आस्था और सम्मान को जीवंत करता है। उन्होंने प्रकृति संरक्षण का आह्वान करते हुए कहा कि जितनी प्रकृति सुरक्षित रहेगी, उतना ही हम खुशहाल रहेंगे। जिला परिषद सदस्य बिरजो कंडुलना और प्रखंड प्रमुख सुधीर डांग ने भी पर्यावरण संरक्षण और जंगलों में आग रोकने की अपील की।कार्यक्रम में विभिन्न गांवों की नृत्य मंडलियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर अंचलाधिकारी रवि भूषण प्रसाद, थाना प्रभारी विकास कुमार, झामुमो अध्यक्ष अनिल लुगुन समेत कई जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जगदीश बागे ने किया, जबकि स्वागत भाषण विलकन बगरैला और धन्यवाद ज्ञापन अनुप मिंज ने किया।

नहाय-खाय के साथ लोक आस्था का महापर्व चैती छठ शुरू, सिमडेगा में व्रतियों ने की पूजा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व चैती छठ सिमडेगा में पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ प्रारंभ हो गया है। मंगलवार को नहाय-खाय की परंपरा के साथ व्रतियों ने पर्व की शुरुआत की। जिले के विभिन्न हिस्सों में श्रद्धालुओं ने पवित्र जल में स्नान कर शुद्ध और सात्विक भोजन ग्रहण किया।चैती छठ हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है, खासकर बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए। सिमडेगा में भी इस पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। व्रती महिलाएं और पुरुष चार दिवसीय इस कठिन व्रत को पूर्ण निष्ठा और भक्ति के साथ कर रहे हैं।पहले दिन नहाय-खाय के दौरान व्रतियों ने नदी, तालाब और कुएं के शुद्ध जल से स्नान कर अरवा चावल, चने की दाल और कद्दू की सब्जी का प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद बुधवार को खरना की रस्म होगी, जिसमें व्रती दिनभर उपवास रखकर शाम को गुड़ और चावल से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण करेंगे।गुरुवार को व्रतियों द्वारा अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा और शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का समापन होगा।सिमडेगा के विभिन्न घाटों को छठ पूजा के लिए साफ-सुथरा नही की जिसके वजह से लोगो में नाराजगी है।।चैती छठ के इस पावन अवसर पर सिमडेगा में भक्तिमय माहौल है, और श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ इस पर्व को मना रहे हैं।

नागपुरिया संघ और ब्रिलिएंट्स हाई स्कूल के शिक्षकों ने मनाया सरहुल

सिमडेगा। झारखंड के प्रकृति पर्व सरहुल के शुभ अवसर पर नागपुरिया संघ सिमडेगा के पदाधिकारी,सदस्य और ब्रिलिएंट्स हाई स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सिमडेगा महाविद्यालय के नजदीक सरहुल स्थल पर हर्षोल्लास के साथ सरहुल पूजा अर्चना की गई।इस अवसर पर नागपुरिया संघ के अध्यक्ष सोहन बड़ाईक, सचिव टी पी सिंह, सदस्य मोहन साहु,ब्रिलिएंट्स हाई स्कूल के प्रधानाचार्य गोरख नाथ सिंह,अधिवक्ता सुशील सोरेंग, प्रो रोशन सोरेंग तथा ब्रिलिएंट्स हाई स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित थे। नागपुरिया संघ के अध्यक्ष सोहन बड़ाईक ने सबों को सरहुल की बधाई देते हुए कहा कि पर्व मनाने के साथ ही हम सबों की सामाजिक जिम्मेवारी भी है कि हम पर्यावरण की रक्षा करें।

नए वित्तीय वर्ष में आरके कंपनी संचालित करेगी अंग्रेजी शराब दुकान

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही सिमडेगा जिले में सरकारी शराब दुकान संचालन में बदलाव देखने को मिला। 1 अप्रैल 2025 को उत्पाद विभाग ने शहर के प्रिंस चौक स्थित अंग्रेजी शराब की सरकारी दुकान का संचालन आर के कंपनी को सौंप दिया। इससे पहले इस दुकान का संचालन विजन कंपनी कर रही थी, लेकिन नए वित्तीय वर्ष में उसे एक्सटेंशन नहीं दिया गया।मंगलवार सुबह उत्पाद विभाग के अधिकारी दल-बल के साथ शराब दुकान पहुंचे और विजन कंपनी से दुकान संचालन की जिम्मेदारी लेकर आर के कंपनी को सौंप दी। इस दौरान उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि झारखंड में अभी नई शराब नीति लागू नहीं हुई है, जिसके कारण पिछले वित्तीय वर्ष के कुछ दुकानदारों को दो महीने का अतिरिक्त समय दिया गया है। हालांकि, सिमडेगा में विजन कंपनी को यह एक्सटेंशन नहीं मिला, जिसके चलते यह बदलाव किया गया।उत्पाद विभाग के इस कदम से जिले में शराब दुकान संचालन को लेकर हलचल तेज हो गई है। आर के कंपनी के संचालकों ने दुकान की कमान संभालते ही व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा।वहीं, विजन कंपनी के संचालक इस निर्णय से नाखुश नजर आए। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें भी एक्सटेंशन मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हालांकि, उत्पाद विभाग का कहना है कि यह फैसला नियमानुसार लिया गया है और इसमें किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं की गई है।झारखंड में शराब नीति को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। सरकार जल्द ही नई नीति लागू करने की तैयारी में है, जिससे शराब दुकान संचालन को लेकर कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले समय में शराब व्यापार को लेकर सरकार क्या नए कदम उठाती है और इससे दुकानदारों पर क्या असर पड़ता है। फिलहाल, सिमडेगा में आर के कंपनी को जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद शराब दुकान का संचालन सामान्य रूप से जारी है।

नवरात्र के तीसरे दिन हुई माता चंद्रघंटा की पूजा

जलडेगा। प्रखंड मुख्यालय स्थित शैलपुत्री दुर्गा मंदिर में गांव की सुख-समृद्धि के लिए सार्वजनिक रूप से दुर्गा पूजा आयोजन समिति के तत्वावधान में पूजा हो रही है। पंडित अरुण कुमार मिश्रा की अगुवाई में मां दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा की अर्चना की जा रही है। शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन मां दुर्गा के तृतीय स्वरूप माता चंद्रघंटा की पूजन की गई। पंडित अरुण मिश्रा ने कहा माँ चन्द्रघंटा शांति की प्रतीक हैं। देवी दुर्गा का तीसरा स्वरूप मां चन्द्रघंटा का है। ये ही भगवान शिव की शक्तियों की आधार हैं। ये देवी सरस्वती का ही स्वरूप हैं ।छात्रों ,संगीत और साहित्य में रुचि रखने वालों की देवी हैं। पूजन में यजमान के रूप में दिनेश साहू सह पत्नी एवं जंयती देवी, हैं।

देवी मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय कीर्तन का हुआ समापन

कोलेबिरा। प्रखंड के लचरागढ़ स्थित देवी गुड़ी मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय अखंड हरि कीर्तन सह यज्ञ महोत्सव का समापन किया गया। समापन के अवसर पर पुर्णाहुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे पुरोहितो ने हवनपुजन किया तथा गांव की सुख समृध्दि की कामना किया। पुर्णाहुति कार्यक्रम मे कीर्तन आयोजन समिति के अलावा ग्रामीणो ने भाग लिया। नगरभ्रमण कार्यक्रम की शुरूआत यग स्थल से किया गया। इसके बाद यग स्थल मुख्य चौक, पहानटोली, गांधी रोड होते हुए प्रिंस चौक पहुची। इस दौराण बच्चे राधा कृष्णा के वेश धरे नाचते गाते शामिल हुए। भंडारा का आयोजन किया गया। लोगो के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। अखंड हरी कीर्तन में परबा पोमिया, परबा, कारीमाटी, राम जड़ी, चाटुओड़ा, गांगुटोली, सरदार टोली, टुटीकेल गोंझुटोली, रामजड़ी,सोड़ा, उड़ीसा आदि कीर्तन मंडली ने भाग लिया। पुरोहित सह पुजारी जगन्नाथ पंडा,प्रदीप पंडा,प्रमोद पंडा,भरतु दुबे,पुजारी रंजित पंडा,मदन मोहन पंडा,अवधेश पाढ़ी, सुरेन्द्र नाथ बीसी,केशव चन्द्र पाणिग्रही,नथन पंडा निभाया।यजमान की भूमिका में फिरु महतो व उनकी धर्मपत्नी नलिनी देवी ने निभाया कार्यक्रम को सफल बनने मे माता रानी समिति के तारा देवी,पुष्पा देवी,नंदनी देवी,नेहा साहू,सुषमा देवी,राखी देवी,संगीता देवी,वीणा देवी,सुखन देवी,रीता देवी एवं अन्य लोगो की अहम भुमिका रही।

चैत्र नवरात्रि में नुकीली खाट पर लेटकर कर रहीं विमला देवी साधना

नवीन मेल संवाददाता

केरसई। प्रखंड के नायक बस्ती में रहने वाली विमला देवी आस्था और साधना का अनोखा उदाहरण पेश कर रही हैं। अनुसूचित जाति की यह महिला पिछले तीन वर्षों से चैत्र नवरात्रि के दौरान कांटों से बने नुकीले खाट पर लेटकर उपवास कर रही हैं। उनकी यह साधना पूरे नौ दिनों तक निर्जला रहती है, जिसमें वे कठोर तपस्या कर माता रानी की उपासना करती हैं।विमला देवी का मानना है कि उन्हें माता रानी से विशेष शक्ति मिलती है, जिससे वे इस कठिन व्रत को पूरा कर पाती हैं। उन्होंने बताया, मैं मां दुर्गा की उपासना करती हूं और अपने क्षेत्रवासियों के कल्याण के लिए प्रार्थना करती हूं। माता रानी की कृपा से मुझे कोई कष्ट नहीं होता, बल्कि उनके आशीर्वाद से मैं इस कठिन तपस्या को सफलतापूर्वक पूरा करती हूं।"नवरात्रि के इस विशेष अनुष्ठान को देखने के लिए दूर-दराज से लोग नायक बस्ती पहुंचते हैं। श्रद्धालु विमला देवी को देखने और उनसे आशीर्वाद लेने के लिए उमड़ पड़ते हैं। उनके इस कठिन संकल्प और श्रद्धा को देखकर लोग अचंभित भी होते हैं और उनकी भक्ति को नमन करते हैं। कई लोग इस अद्भुत उपासना से प्रेरणा भी लेते हैं और मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था और मजबूत करते हैं।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, विमला देवी का यह कठोर व्रत किसी साधारण तपस्या से कम नहीं है। कांटों की नुकीली खाट पर बिना किसी तकलीफ के लेटकर साधना करना उनके अदम्य आत्मबल और श्रद्धा को दर्शाता है। गांव के बुजुर्ग और धार्मिक व्यक्ति इसे ईश्वरीय चमत्कार मानते हैं और कहते हैं कि विमला देवी मां दुर्गा की विशेष कृपा से यह कठिन व्रत निभा रही हैं।इस अवसर पर आसपास के गांवों से भी लोग यहां पहुंचते हैं और इस अनूठी भक्ति को देखने के साथ-साथ देवी मां के आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करते हैं। कुछ श्रद्धालु इस दौरान विशेष पूजा-अर्चना भी करते हैं और व्रती विमला देवी से आशीर्वाद लेकर अपने जीवन में सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।विमला देवी का यह अनूठा नवरात्र व्रत समाज में भक्ति, श्रद्धा और तपस्या का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनकी इस तपस्या को देखकर लोग न केवल आश्चर्यचकित होते हैं, बल्कि इससे प्रेरणा भी लेते हैं।

पति-पत्नी विवाद में पत्नी ने आग लगाई

सिमडेगा। जिले के बानो थाना क्षेत्र के पाबूड़ा पंचायत के बुमूलडा गाँव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। घरेलू विवाद के चलते फुलमनी सोरेंग नामक महिला ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसी महिला को परिजनों ने आनन-फानन में सिमडेगा सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।स्थानीय लोगों के अनुसार, फुलमनी का अपने पति से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद गुस्से में आकर उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। डॉक्टरों के अनुसार, महिला का शरीर काफी हद तक जल चुका है और उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि यह आत्महत्या का प्रयास था या किसी ने उसे ऐसा करने के लिए उकसाया। गांव में इस घटना से सनसनी फैल गई है और लोग महिला के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

कोलेबिरा विधायक ने क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों की सुनी समस्या

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। प्रखंड में मंगलवार को क्षेत्र के विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने भ्रमण कर लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। साथ ही उन्होंने ईद उल फितर और सरहुल त्योहार की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि ईद उल फितर आपसी भाईचारे और शांति का संदेश देता है। सभी को प्रेम भाव के साथ ईश्वर की उपासना करते हुए जीवन जीना चाहिए, जिससे मानव जाति के साथ-साथ समाज का कल्याण हो सके।ठेठईटांगर खास में पैदल भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने विधायक से मुलाकात कर विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने अबुआ आवास योजना के तहत जियो टैग में देरी से अग्रिम भुगतान में विलंब, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने, योजना से जुड़ी राशि के किश्तों में भुगतान के कारण बैंकों के बार-बार चक्कर लगाने, गांव में पेयजल संकट, ओलावृष्टि से हुए नुकसान के लिए मुआवजा, और बिजली की समस्या जैसी परेशानियों को रखा।विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने सभी समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि ओलावृष्टि से हुए नुकसान के आकलन के लिए प्रखंड को पूर्व में ही निर्देशित किया गया था। यदि इसमें कोई लापरवाही बरती जा रही है, तो वे अपने स्तर से कार्रवाई करेंगे और जरूरत पड़ने पर संबंधित विभाग के मंत्री से भी शिकायत करेंगे।इस अवसर पर जिला विधायक प्रतिनिधि रावेल लकड़ा, ठेठईटांगर प्रमुख बिपिन पंकज मिंज, नवनीत, ठेठईटांगर प्रतिनिधि मो. कारू, प्रखंड अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष मो. वाहिद, हार्दूगन केरकेट्टा, मो. राजा, सुशील मिंज, विक्टर बारला, जुनुल सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

ईंट उठा रही महिला को सांप ने डसा, ईलाज के लिए सिमडेगा रेफर

जलडेगा। थाना क्षेत्र अंतर्गत खरवागाढ़ा गंझुटोली में घर बनाने हेतु ईंट उठा रही रुखवती देवी पति रमेश सिंह 41 वर्ष को सांप ने काट लिया। घटना के ग्रामीणों ने सांप को मार डाला। ग्रामीणों के सहयोग से महिला को तत्काल जलडेगा अस्पताल ईलाज हेतु लाया गया एवं ग्रामीण मरे हुए सांप को भी अपने साथ लाये थे। करैत होने की आशंका को ख़ारिज करते हुए ग्रामीणों ने किसी अन्य प्रजाति के सांप होने की बात कही हालांकि अस्पताल में महिला का ब्लड टेस्ट भी किया गया एवं महिला की हालत सामान्य लग रही थी जिसके पश्चात बेहतर ईलाज हेतु महिला को सदर अस्पताल सिमडेगा रेफर कर दिया गया।

एक नजर

चैंबर के अध्यक्ष मंजीत सहानी व उनके पदाधिकारियों ने लिया प्रभार

रामगढ़। रामगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सत्र 2025-27 के अध्यक्ष मंजीत सहानी एवं उनकी टीम के पदाधिकारियों ने मंगलवार को बिजुलिया स्थित चेंबर भवन में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस दौरान निवर्तमान अध्यक्ष विनय कुमार अग्रवाल ने अध्यक्ष मंजीत सहानी,उपाध्यक्ष अमरेश गणक,मानद सचिव मनोज चतुर्वेदी, सह सचिव इंद्रपाल सिंह सैनी,कोषाध्यक्ष दिनेश पोद्दार को सत्र 2025-27 का पदभार सौंपा। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्य चुनाव पदाधिकारी बंशीधर गोप,सहयोगी चुनाव पदाधिकारी पी० के० मुखर्जी,अनिल कुमार सिन्हा,रमेश बौंदिया एवं राजेश अग्रवाल को निवर्तमान अध्यक्ष विनय कुमार अग्रवाल ने रामगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स का प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया।

कलशयात्रा के साथ श्री श्री 108 श्री मारूति नंदन महायज्ञ हुआ शुरू

गांडेय। भलपहरी मंदिर से कलश यात्रा में शामिल 108 कुंवारी कन्या और महिलाओं ने भाग लिया। सभी कुंवारी कन्याओं ने माथे पर कलश धारित कर लाल पीले वस्त्र पहनकर क्रमागत रूप से आगे बढ़ रही थी। कलश यात्रा मे ढोल नगाड़ा सहित अन्य वाद्य यंत्र बजाए जा रहे थे। यज्ञ के मुख्य यजमान मोती पंडित अपनी पत्नी सबिया देवी के साथ प्रधान कलश को लेकर आगे बढ़ रहे थे। कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु कुंवारी कन्याओं ने भलपहरी क्षेत्र का भ्रमण करते हुए गुलियाडीह घाट बराकर नदी पहुंची।जहां पर यज्ञ के आचार्य नवल किशोर पांडेय ने विधिवत मुख्य यजमान सहित अन्य श्रद्धालुओं को कलश की पूजा अर्चना करवाई और कलश में जल भरवाया। पुनः कलश यात्रा यज्ञ मंडप में पहुंच कर समाप्त हो गई। इस दौरान जय श्री राम के उदघोष से पुरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

आनंदपुर में सिगरेट की चिंगारी से दुकान में लगी आग, लाखों की संपत्ति स्वाहा

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के आनंदपुर प्रखंड के समीज गांव में मंगलवार को सिगरेट जलाने के के कारण एक दुकान में आग लग गई. देखते ही देखते दुकान में रखी लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई. अगलगी की इस घटना में वहां मौजूद कई लोग बाल-बाल बच गए. गांव में दयमंती राउत की खाद्य सामग्री की दुकान है. वह दुकान में खाद्य सामग्री के साथ बोतल में पेट्रोल भी बेचता है. मंगलवार को एक व्यक्ति बाइक लेकर दुकान में तेल भरवाने पहुंचा. दुकानदार दयमंती राउत बाइक में बोतल से पेट्रोल भर रहा था, तभी युवक ने सिगरेट जला दिया. माचिस की चिंगारी से पेट्रोल में आग लग गई और पूरी दुकान में फैल गई. यह देख युवक बाइक लेकर फरार हो गया. दुकान से धुआं व आग की लपटें उठती देख वहां ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और सभी आग बुझाने में जुट गए.

यज्ञ को लेकर निकलीं महिलाओं के यात्रा पर किया गया पथराव

घटना के बाद पुलिस ने स्थिति को किया नियंत्रण में

नवीन मेल संवाददाता। कोडरमा जिले में एक धार्मिक जुलूस को निशाना बनाकर तनाव पैदा करने की कोशिश हुई है। कोडरमा थाना अंतर्गत चेचाई में होने वाले यज्ञ को लेकर भिक्षा के लिए सात गांव के भ्रमण पर निकली महिलाओं के जत्थे पर एक घर से पथराव किया गया। बताया जा रहा है कि एक विशेष समुदाय के लोगों ने पथराव किया है। घटना मंगलवार सुबह करीब 9 बजे की है। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। हालांकि पुलिस ने पहुंच कर माहौल को नियंत्रित कर लिया। ग्रामीणों ने बताया कि चेचाई देवी मंडप से कलश लेकर महिलाएं कलश लेकर भिक्षा के लिए इलाके में निकली थी। इसी दौरान छतरबर पहुंची, जहां पत्थरबाजी की घटना हुई। इसमें एक कलश फूट गया। 50- 60 महिलाएं जुलूस में थी और घटना के बाद दूसरे इलाके के लिए महिलाएं निकल गई। यहां 9 से 17 अप्रैल तक यज्ञ होना है। महिलाओं को चेचाई, छतरबर, करमा, झुमरी, करियावर मैसौंधा, पुतो, कानूनगो बीघा होते हुए वापस चेचाई पहुंची। पत्थरबाजी किसने की, पुलिस पहचान करने में जुटी हुई है। गांव में पुलिस फिलहाल कैंप कर रही है। मामले की सूचना मिलने पर एसडीओ रिया सिंह, एसडीपीओ अनिल सिंह, डीएसपी मुख्यालय रतिभान सिंह, सीओ होल्डर सेठी, कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार, तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार, डोमचांच थाना प्रभारी ओम प्रकाश सहित बड़ी संख्या में पुलिस जवान मौजूद हैं। ड्रोन कैमरे से भी छतरबर में हर घर के छत की निगरानी की जा रही है।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत, सड़क जाम

कोडरमा। कोडरमा थाना अंतर्गत राजेंद्र चौक के पास मंगलवार की सुबह ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान सेवानिवृत्त रेलकर्मी दुर्गा उर्फ दुर्गी पासवान (60) के रूप में हुई। वहीं घायल की पहचान रतन कुमार पाण्डेय (16) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार अपनी बाइक से दो लोग सवार होकर पूजा करने कोडरमा जा रहे थे। राजेंद्र चौक के समीप ट्रक(बीआर 01जीबी 3100) की चपेट में आने से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को 108 की मदद से सदर अस्पताल लाया गया जहां इलाज चल रहा है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने शव को राजेंद्र चौक के पास रखकर कोडरमा -गिरिडीह मुख्य मार्ग जाम कर दिया । मौके पर कोडरमा सीओ हलदर प्रसाद सेठी और कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार पहुंच कर ग्रामीणों के साथ वार्ता करके अंतिम संस्कार के लिए कुछ राशि दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकारी लाभ जो है सभी मिलेगा। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा सदर अस्पताल भेज दिया गया। तीन घंटे बाद सड़क जाम समाप्त हुआ।

गंगा स्वच्छता पखवाड़ा में जिला वासियों ने बढ़ चढ़कर लिया हिस्सा

रामगढ़। उपयुक्त रामगढ़ चंदन कुमार के निदेर्शानुसार नमामि गंगे योजना के तहत रामगढ़ जिले में 16 मार्च से 31 मार्च 2025 तक गंगा स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। अभियान के तहत जिले के विभिन्न स्थलों जैसे दामोदर भैरवी संगम रजरप्पा, बोकारो नदी दूनी, बिजुलिया तालाब, मुरुबंदा तालाब, टूटी झरना रामगढ़, छतरमांडू तालाब, मरार तालाब, कैथा तालाब, बरकाकाना तालाब, दामोदर नदी घाट, रामगढ़ कॉलेज परिसर, टिस्को परिसर, सीसीएल परिसर एवं विभिन्न विद्यालयों में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान के दौरान सफाई अभियान, श्रमदान, नुक्कड़ नाटक, गंगा शपथ, रंगोली प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और हस्ताक्षर अभियान जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से लोगों को दामोदर नदी एवं अन्य जल निकाय के स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया और जल संरक्षण का संदेश दिया गया।

न्यूज | बॉक्स

वाहन चालक व सह चालक से मारपीट कर घायल करने व छिनतई का आरोप

गावां गिरिडीह। गावां थाना क्षेत्र के सतगावां कोडरमा पथ पर खेरड़ा मोड़ के पास मुख्यमंत्री ग्रामीण वाहन के चालक, कंडक्टर व पैसेंजर के साथ मारपीट कर छिनतई का मामला प्रकाश में आया है। मामले को ले वाहन का कंडक्टर सतगावां के बदाल निवासी चंद्रिका यादव ने आठ नामजद समेत 12 अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज करने को ले आवेदन दिया है। बताया जा रहा है कि उक्त गाड़ी बासोडीह से चलकर जैसे ही खेरड़ा चौक के पास पहुंची, वहां पहले से घात लगाए दिवाकर यादव, पप्पू कुमार, बासुदेव यादव, मंटू कुमार, सुवेश यादव उर्फ सुगी, सोनू कुमार, सतीश कुमार एवं सुनील सिंह समेत 12 अन्य लोगों ने गाड़ी को रोक दिया। व जबरन बस पर चढ़ गए। बस में बैठे पैसेंजर को जबरन बस से नीचे उतार दिया। व बस ड्राइवर रंजन कुमार को जबरन बस से खींच कर नीचे उतारा व बेरहमी से मारपीट की। उक्त लोगों ने कुल्हाड़ी से वार कर एक पैसेंजर आशीष कुमार का माथा फाड़ दिया। इसके अलावा बस के कंडक्टर चंद्रिका यादव के साथ भी छड़ से मारपीट किया। उक्त लोगों ने पैसेंजर आशीष कुमार के गले से सोने का चैन ड्राइवर के गले से सोने का ताबीज समेत कंडक्टर से 50 हजार रुपये छीन लिए। इस मामले में थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने कहा कि आवेदन मिला है। मामले की जांच की जा रही हैं। जांचोपरांत प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

रामनवमी को लेकर अखाड़ा समिति के साथ पुलिस ने की बैठक, दिया निर्देश

बिरनी। रामनवमी को लेकर बिरनी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें अखाड़ा समिति के साथ प्रशासनिक व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। इस बैठक में एसडीओ संतोष कुमार, पुलिस इंस्पेक्टर ज्ञान रंजन, बिरनी सीओ संदीप कुमार मद्धेशिया, प्रखंड विकास पदाधिकारी फणीश्वर रजवार, बिरनी थाना प्रभारी आकाश भारद्वाज, भरकट्टा ओपी प्रभारी अमन कुमार समेत क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और समाजसेवी शामिल हुए। एसडीओ संतोष कुमार ने निर्देश दिया कि रामनवमी के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी अखाड़ा समितियां प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें। जुलूस के दौरान किसी भी प्रकार के विवादित नारेबाजी, अशांति या अव्यवस्था न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही, अखाड़ा समितियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि निर्धारित मार्गों और समयसीमा का पालन करें ताकि पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि जुलूस के दौरान किसी भी तरह की अफवाह या भड़काऊ गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस बल को मुस्तैद रहने का आदेश देते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि बिना अनुमति कोई भी नया अखाड़ा जुलूस नहीं निकलेगा, और यदि कोई उन्माद फैलाने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सरहुल प्रकृति परब सामूहिक उत्सव का प्रतीक है, जो हमें जोड़ता है : ममता

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ दुलमी प्रखंड के ईंचातु गांव में सरना क्लब द्वारा मंगलवार को आयोजित सरहुल पर्व के शुभ अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस शोभायात्रा में बतौर मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक ममता देवी जी शामिल हुईं। विधायक ने सरना स्थल में विधिवत पूजा-अर्चना कर अच्छी बारिश, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के साथ झूमकर इस पवित्र पर्व की खुशियां भी साझा कीं। सरहुल प्रकृति पूजन और सामूहिक उत्सव का प्रतीक है, जो हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, गणमान्य व्यक्तित्व और सरना क्लब के सदस्य उपस्थित रहे। शोभायात्रा के दौरान पारंपरिक नृत्य, गीत-संगीत और उल्लास का माहौल देखने को मिला। सरहुल पर्व की इस भव्य आयोजन के लिए सरना क्लब और स्थानीय ग्रामीणों को विधायक महोदया ने शुभकामनाएं दीं और संस्कृति-संरक्षण के इस प्रयास की सराहना की। मौके दुलम दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश,निर्मल बेदिया, प्रदीप सिंह, मेहताब राही, रामघृत महतो, संदीप सिंह,लखन पहान धनीराम करमाली, अजय बेदिया, सुरेन्द्र बेदिया सहित कई लोग मौजूद थे।

साहिबगंज में दो माल गाड़ियों की हुई आमने-सामने टक्कर

दो की मौत, चार घायल

नवीन मेल संवाददाता। साहिबगंज झारखंड के साहिबगंज में मंगलवार तड़के नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) की ओर से संचालित दो मालगाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस हादसे में दो लोको पायलट की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। जानकारी के अनुसार घटना तड़के साढ़े तीन बजे के आसपास की है। फरक्का-ललमटिया एमजीआर रेलवे लाइन पर बरहेट यार्ड के पास पहले से खड़ी मालगाड़ी से कोयला लदी दूसरी मालगाड़ी टकरा गई। इस घटना में फरक्का से आकर बरहेट यार्ड में खड़ी मालगाड़ी के लोको पायलट बोकारो निवासी अंबुज महतो (32) और पश्चिम बंगाल के रिटायर लोको पायलट जीएस मॉल (62) की मौत हो गई। वहीं चार कर्मी जितेंद्र कुमार (32), उदय मंडल (45), राम घोष (55) और टीके नाथ (48) घायल हो गए। घायलों को बरहेट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए साहिबगंज रेफर कर दिया गया है। मामले को लेकर एनटीपीसी के एजीएम शांतनु दास ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में जांच प्रारंभ कर दी गई है। जो भी दोषी होगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में साहिबगंज एसपी अमित कुमार सिंह ने बताया कि घटना में दो लोगों की मौत हुई है। चार लोग घायल हैं।

उपायुक्त ने कृषि उत्पादक कंपनी के निदेशकों को चेक सौंपा

एफपीसी का मुख्य उद्देश्य उत्पादकों के लिए उनके स्वयं के संगठन के माध्यम से बेहतर आय सुनिश्चित करना है

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय द्वारा कृषि उत्पादक कंपनी के निदेशकों को छह लाख उनसठ हजार मात्र (6,59,000) का चेक प्रदान किया गया। जीटी भारत की टीम को उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि वह बाकी कृषि उत्पादक कंपनी को भी यह अनुदान दिलाने के लिए समर्थन दें। उन्होंने जीटी भारत के प्रयासों की सराहना की। जीटी भारत की तरफ से संजीव कुमार, रकम प्रशांत एवं दीपक चिकने उपस्थित रहे। एफपीसी से बिनेश कुमार दांगी, अश्विनी कुमार, जयहिंद कुमार और श्याम नंदन किशोर उपस्थित रहे। कृषि उत्पादक कंपनी या उत्पादक संघ किसानों का एक समूह होता है, जो किसानों को बाजार, टेक्नोलॉजी और पूंजी तक बेहतर पहुंच प्राप्त करने में मदद करती है। इस प्रकार का उद्यम मूल रूप से एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी और एक सहकारी समूह का मिश्रण है, जो अपने किसान सदस्यों की सामूहिक बिजनेस गतिविधियों को सुविधाजनक बनाता है। एफपीसी का मुख्य उद्देश्य उत्पादकों के लिए उनके स्वयं के संगठन के माध्यम से बेहतर आय सुनिश्चित करना है। पूरे देश में कृषि उत्पादक कंपनियों का गठन किसानों को सशक्त बनाने के लिए किया जा रहा है। देश में लगभग 42000 कृषि उत्पादक कंपनी का गठन मार्च 2024 तक किया जा चुका है। हजारीबाग जिले में भी लगभग 40 से अधिक ऐसी कंपनियां रजिस्टर्ड है । इन सभी कंपनियों को आगे बढ़ाने तथा वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए झारखंड सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में लॉन्च की थी। इस योजना के अंतर्गत 15 लाख तक के वन टाइम मैचिंग इक्विटी ग्रांट देने का प्रावधान तथा उसके पश्चात आने वाले 4 वर्षों तक उनके वित्तीय रिपोर्ट और लाभ के आधार पर 10 लाख तक के वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है ।

श्रीश्री हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ की भव्य कलश यात्रा आयोजित

नवीन मेल संवाददाता। बिरनी बिरनी प्रखंड अंतर्गत गोविंदाडीह ग्राम में आयोजित श्री श्री श्री हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के तहत भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस पवित्र यात्रा में बगोदर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक नागेंद्र महतो शामिल हुए। महायज्ञ समिति के पदाधिकारियों द्वारा उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। विधायक ने कलश वितरण कर यात्रा का शुभारंभ किया। विधायक नागेंद्र महतो ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान समाज में सुख, समृद्धि और वैभव की वृद्धि के लिए किए जाते हैं। इस नव दिवसीय महायज्ञ से समाज में फैली मानसिक विकृतियों का नाश होगा और लोग सकारात्मक ऊर्जा से प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि धर्म और कर्म एक-दूसरे के पूरक हैं और धर्म हमें सद्कर्म करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने महायज्ञ की सफलता की कामना करते हुए आयोजन समिति की सराहना की। यह कलश यात्रा 351 महिलाओं एवं कन्याओं द्वारा गाजे-बाजे के साथ निकाली गई, जिसमें श्रद्धालु कल्हाजोरी नदी तक जल भरने के लिए पहुंचे। इस मौके पर पूर्व मुखिया प्रेमचंद कुशवाहा मनोज चंद्रवंशी, रामानंद यादव, बालमुकुंद राम, सुखदेव यादव, दिनेश यादव सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धूमधाम से मना सरहुल,मांदर की थाप पर जमकर थिरके युवा

तिसरी (गिरिडीह)। मंगलवार को तिसरी प्रखंड में हर्षोल्लास के साथ सरहुल बाहा पर्व मिलन समारोह का आयोजन किया गया.प्रखंड मुख्यालय स्थित सिदो कान्हो चौक पर भारी संख्या में आदिवासी समाज के लोग जुटे. जहाँ आदिवासी समाज कल्याण समिति के बैनर तले पारम्परिक मांदर - नगाड़ा आदि के थाप पर नृत्य करते हुए सभी भंडारी रोड़ स्थित मांझी थान पहुंचे. जहाँ विधिवत पूजा अर्चना की गई. इसके उपरांत सिदो कान्हो के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत की गई.कार्यक्रम की अध्यक्षता सोनू हेंब्रम और संचालन अनासियस हेमब्रम ने किया.जबकि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि तिसरी के अंचलाधिकारी अखिलेश्वर प्रसाद मौजूद थे. उन्होंने सभी को सरहुल बाहा पर्व की बधाई दी. वही आदिवासी समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष सोनू हेंब्रम और सचिव अनासियस हेमब्रम ने भी सभी को सरहुल बाहा पर्व की शुभकामनाएं दी.

एक ही परिवार के तीन सदस्यों की संदिग्ध मौत से दहला गांव

मां बेटे का शव पेड़ से टंगा हुआ तो बेटी का शव तालाब से बरामद

नवीन मेल संवाददाता। तिसरी गिरिडीह जिले के लोकाय थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां मां बेटे का शव पेड़ से टंगा मिला है वहीं पेड़ के ही पास स्थित तालाब से उसकी बेटी का लहूलुहान शव भी बरामद किया गया है। यहां गौर करने वाली बात यह है कि तालाब में जिस बच्ची का शव मिला है उसकी आंखे फोड़ दी गई है और उसके चेहरे पर जख्म के गंभीर निशान हैं। यह पूरा मामला तिसरी प्रखंड के लोकाय थाना क्षेत्र अंतर्गत पनियाय गांव का है। जहां के रहने वाले चारो हेंब्रम की पत्नी रिनवा टूडू, उसके 5 वर्षीय पुत्र सचित हेमब्रम और 9 वर्षीय पुत्री सरिता हेमब्रम की नृशन्स हत्या हुई है। हत्या के बाद मां बेटे का शव गांव के तालाब के पास स्थित एक पेड़ में उसकी ही साड़ी के फंदे से लटका दिया गया है जबकि उसकी पुत्री का शव तालाब में डूबा हुआ पाया गया है। घटना की सूचना मिलते ही खोरीमहुआ एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद, इंस्पेक्टर पासकल टोप्पो,लोकाय थाना प्रभारी अमित कुमार, थानसिंहडीह ओपी प्रभारी नीरज कुमार, मनसाडीह ओपी प्रभारी अंकित कुमार, गांवा थाना प्रभारी अभिषेक सिंह दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच जांच में जुट गए हैं।

घटना की जानकारी पर पहुंचे माले नेता

वहीं इस नृशन्स घटना की जानकारी मिलने पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता सह धनवार के पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी और माले नेता सह पूर्व विधायक राजकुमार यादव भी मौके पर पहुंचे। निजामुद्दीन अंसारी ने कहा कि यह आत्महत्या नही हत्या है। फोरेंसिक टीम आ रही है जल्द ही हत्यारा पकड़ा जाएगा और हमलोग मांग करेंगे की हत्यारा को फांसी की सजा मिले। वहीं राजकुमार यादव ने कहा कि यह बहुत ही निंदनीय घटना है। फोरेंसिक जांच के साथ-साथ एसआईटी का भी गठन हो,इस घटना में जो भी संलिप्त है जल्द से जल्द उसे गिरफ्तार किया जाए।

ग्राहक सेवा केंद्र की संचालिका बनी सुमन देवी की शिकार

पचास हजार की हुई ठगी थाने में हुआ मामला दर्ज

नवीन मेल संवाददाता। बरही तू डाल डाल तो मैं पात पात के तर्ज पर बीते कुछ दिनों से बरही में साईबर ठग सक्रिय है. साइबर ठग की पहचान सुमन देवी पति अशोक यादव के रूप में की गई है. जो मध्यप्रदेश के बालाघाट स्थित इंद्रानगर के वार्ड 24 के रहने वाली है. उक्त महिला खुद को कपड़े फेरी करने वाली बताती है. जो किसी भी मोबाईल या ग्राहक सेवा केंद्र को अपना शिकार बना रही है. जहां पहले महिला खुद को मजबूरी बताकर अपने रिश्तेदार से फोन पे पर पैसे मंगवाती है और पैसे लेकर चली जाती है. कुछ ही देर में जिस खाता में महिला के पैसे आते हैं, उस राशि को साइबर क्राइम की राशि बताकर होल्ड कर दिया जाता है. इस प्रकार पैसा देने वाले उतनी राशि के ठगी के शिकार होते हैं. ऐसा ही वाकया विगत 30 मार्च को गया रोड स्थित ग्राहक सेवा केंद्र की संचालिका मोनिका चौरसिया के साथ देखने को मिला. जहां उक्त महिला ने फोन पे पर 50000 रुपए मंगवाकर चलती बनी. जिसे बाद में बैंक ने होल्ड कर दिया गया. यह घटना शनिवार 11 बजे की है.

मारवाड़ी समुदाय की महिलाओं ने धूमधाम से की गणगौर पूजा

पारंपरिक रीति-रिवाज से किया विसर्जन

पूजा के बाद महिलाएं पारंपरिक लोकगीत गाती हैं और पूरे हर्षोल्लास के साथ त्योहार को मनाती हैं

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग हजारीबाग में मारवाड़ी समुदाय की महिलाओं ने मंगलवार को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गणगौर पूजा का समापन किया। होली के दिन से प्रारंभ हुई इस पूजा के अंतिम दिन महिलाओं ने राजस्थानी परंपराओं के अनुसार विधि-विधान से गणगौर माता का पूजन कर श्रद्धापूर्वक विसर्जन किया। विवाहित महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना की, वहीं कुंवारी कन्याओं ने मनचाहा वर पाने के लिए व्रत रखा। गणगौर पूजा चैत्र शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है, जिसमें गण (भगवान शिव) और गौर (माता पार्वती) की उपासना की जाती है। यह पर्व मुख्य रूप से मारवाड़ी समाज द्वारा मनाया जाता है, जिसमें महिलाएं 18 दिनों तक गणगौर माता की आराधना करती हैं। होली के अगले दिन से ही महिलाएं विशेष पूजा की तैयारियों में जुट जाती हैं। गणगौर पूजा में महिलाओं ने पारंपरिक सामग्रियों का उपयोग किया, जिसमें साफ पटा,कलश, काली मिट्टी, होलिका की राख, गोबर, सुहाग की वस्तुएं (मेहंदी, बिंदी, सिन्दूर, काजल, इत्र), शुद्ध घी एवं अन्य पूजन सामग्री शामिल थीं। पूजा के दौरान शिव-गौरी को सुंदर वस्त्र अर्पित किए गए और माता पार्वती को सम्पूर्ण सुहाग सामग्री चढ़ाई गई। महिलाओं ने चन्दन, अक्षत, धूप, दीप, दूब और पुष्पों से माता की पूजा-अर्चना की और गेहूं, पूड़ी, फल आदि का भोग अर्पित किया। पूजा के बाद महिलाएं पारंपरिक लोकगीत गाती हैं और पूरे हर्षोल्लास के साथ त्योहार को मनाती हैं। गणगौर पूजा का विशेष महत्व यह भी है कि इस दिन महिलाएं दोपहर तक व्रत रखती हैं और गणगौर माता की कथा सुनने के बाद ही व्रत खोलती हैं।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

जब आपके शरीर की प्रत्येक गतिविधि शांतिपूर्ण होती है, और जब आपके विचारों में, इच्छा-शक्ति में, प्रेम में, शांति होती है, तथा शांति एवं ईश्वर आपके लक्ष्य होते हैं, तो समझ लीजिए कि आपने अपने जीवन को ईश्वर से जोड़ लिया है। - श्री श्री परमहंस योगानंद

संपादकीय

बांग्लादेश के पीएम को राजदूत की फटकार

जिस बांग्लादेश के निर्माण में भारत की प्रमुख भूमिका थी और तबके पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तान भेदभाव से लेकर जुल्म की घटनाओं पर रोक लग गई थी और आज तक पाकिस्तान इसे अपनी शिकस्त मानकर भारत के टुकड़े करना चाहता है, वही बांग्लादेश धर्म के नाम पर फिर से पाकिस्तान के हाथ की कठपुतली बनने को तैयार बैठा है। सबसे दुःखद है उसकी भारत विरोधी गतिविधियां जो स्वयं उसके लिए घातक है। कपड़ा उद्योग का सबसे बड़ा निर्यातक बांग्लादेश दरअसल श्रीलंका की तरह चीन की कुटिल चाल में फंस चुका है और पर्दे के पीछे वही चालें चल रहा है। पूरी संभावना है कि चीन ऋण जाल में फंसा कर उसके कपड़ा उद्योग पर कब्जा कर ले। किसी अशांत देश में यही होता है। बांग्लादेश के भारत विरोधी बयान उसकी कमजोरी को दर्शाते हैं। बांग्लादेश में भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीना सीकरी ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस को कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने यूनुस के उस बयान की कड़ी निंदा की, जिसमें उन्होंने बेतुका दावा किया कि बांग्लादेश हिंद महासागर का एकमात्र संरक्षक है, क्योंकि पूर्वोत्तर के सात भारतीय राज्य भूमि से घिरे हुए हैं। सीकरी ने यूनुस के बिगड़े बोल को चौंकाने वाला बताया और इस बात पर जोर दिया कि पूर्वोत्तर भारत का अभिन्न अंग है। चीन की अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान यूनुस की टिप्पणियों के बाद पूर्व भारतीय दूत ने जोर देकर कहा कि नोबेल पुरस्कार विजेता को ऐसा बयान देने का कोई अधिकार नहीं है। एएनआई से बात करते हुए सीकरी ने कहा, 'मुहम्मद यूनुस का बयान बहुत चौंकाने वाला है। उन्हें ऐसा बयान देने का बिल्कुल भी अधिकार नहीं है। वह जानते हैं कि पूर्वोत्तर भारत का अभिन्न अंग है और हमने पूर्वोत्तर भारत की ओर से बंगाल की खाड़ी तक पहुंच के बारे में बांग्लादेश सरकार के साथ बहुत करीबी चर्चा की है और इस पर औपचारिक समझौते भी हुए हैं।' 'नदी तट के अधिकार की उम्मीद नहीं कर सकता' ।सीकरी ने बांग्लादेश को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वह पूर्वोत्तर भारत को कनेक्टिविटी अधिकार देने में रुचि नहीं रखता है, तो वह बदले में नदी तट के अधिकार की उम्मीद नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, 'हमें इस बयान की निंदा करनी चाहिए। मैं बांग्लादेश को एक बात बहुत साफ तौर पर बता सकती हूं कि अगर वे पूर्वोत्तर भारत को कनेक्टिविटी अधिकार देने में रुचि नहीं रखते हैं, तो वे नदी तट के रूप में किसी भी अधिकार की उम्मीद नहीं कर सकते। इसलिए उन्हें यह पता होना चाहिए और उन्हें इस बारे में कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। रक्षा विशेषज्ञ प्रफुल बख्शी ने भी नाराजगी जताई इसके अलावा रक्षा विशेषज्ञ प्रफुल बख्शी ने भी यूनुस के बयान पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि भारत ने बांग्लादेश बनाया और ऐसा करते समय उसने कोई नक्शे संबंधी लाभ नहीं लिया। बख्शी ने चिंता जताई कि बांग्लादेश, चीन और पाकिस्तान पूर्वोत्तर राज्यों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग सिलीगुड़ी कॉरिडोर का फायदा उठाकर भारत पर दबाव बनाने के तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं।

> बांग्लादेश में भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीना सीकरी ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस को कड़ी फटकार लगाई है।

नारी शक्ति की अपरिमितता का पर्व नवरात्र

आज की बात

अशोक "प्रवृद्ध"

भारतीय नववर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि तदनुसार 30 मार्च 2025 से आरंभ हो चुकी है। इसी तिथि से नवसंवत्सर का आरंभ हो चुका है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की तिथि से ही सम्राट विक्रमादित्य द्वारा प्रवर्तित विक्रम संवत 2082 का और द्वापर युग में युधिष्ठिर द्वारा आरंभ की गई युगाब्द संवत 5127 का आरंभ हो चुका है। इस वर्ष संवत्सर का नाम कालयुक्त है। भारतीय परंपरा में प्रत्येक वर्ष का कोई न कोई ग्रह राजा होता है और कोई ग्रह मंत्री। इस वर्ष के राजा सूर्य होंगे। मंत्री का दायित्व भी सूर्यदेव स्वयं संभालेंगे। चैत्र शुक्ल पक्ष प्रथमा अर्थात गुड़ी पड़वा सृष्टि के विकास आरंभ का दिन माना जाता है। सृष्टि के सृजन की तिथि शिवरात्रि मानी जाती है। लेकिन समय और सृष्टि की विकास प्रक्रिया चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से आरंभ होना मानी जाती है। भारत में इसदिन की विशेष महत्व है। महाभारत काल में सम्राट युधिष्ठिर ने अपने राज्याभिषेक केलिए इसी तिथि का चयन किया था। इसी तिथि को सम्राट विक्रमादित्य का राज्याभिषेक हुआ था। इसी तिथि से युधिष्ठिर के युगाब्द संवत और सम्राट विक्रमादित्य के विक्रम संवत का प्रारंभ हुआ था। इसी तिथि से चैत्र नवरात्र आरंभ होते हैं। यह बसंत और ग्रीष्म ऋतु के संगम की अवधि है। ऋतु संगम सदैव मानवीय स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है और अस्वस्थ होने की आशंका उत्पन्न हो जाती है। इसी समय मौसमी बीमारी होती हैं। आयुर्वेद की दृष्टि से नवरात्र के नौ दिन कायाकल्प की अवधि होती है। आयुर्वेद के अनुसार नवरात्र में कायाकल्प नियम का पालन किए जाने से शरीर में बीमारियों के बचाव केलिए शक्ति का संचार होता है, इम्युनिटी बढ़ती है। नवरात्र के पहले तीन दिन धीरे -धीरे आहार कम करने अथवा फलाहार लेने, चौथे दिन से निराहार रहने, फिर फलाहार और धीरे- धीरे पूर्ण आहार की ओर बढ़ने का नियम है। चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नौ दिन तक किए गए इस नियम से अद्भुत आरोग्य क्षमता उत्पन्न होती है।भौगोलिक और भूगर्भीय दृष्टि से नवरात्र का बड़ा महत्व है।पृथ्वी पर विषव की विशिष्ट स्थिति में महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। इसलिए नवरात्र पर्व में व्रत, उपवास और ध्यान के माध्यम से चक्रों और नाड़ियों का शोधन होता है। जीव विज्ञान के अनुसार इसी समय हार्मोनल, और आंतरिक परिवर्तन के साथ जैविक चक्रों पर प्रभाव पड़ता है। जिसके कारण कई प्रकार के रोग की बाढ़ आ जाती है, जिसके शोधन के लिए दिव्य ब्रह्माण्डकीय आदिशक्ति भगवती दुर्गा केनौरुपों को शिरोधार्य किया जाता है।

उल्लेखनीय है किदुर्गा शब्द की व्युत्पत्तिदुर्गऔर आप्रत्यय जोड़कर हुई है, जिसका अर्थ है- जो शक्ति दुर्ग की रक्षा करती हैं, दुर्गा हैं।यहां दुर्ग का अर्थ साधक के शरीर और चेतना के लिए ही है। दुर्ग की रक्षा करने वाली शक्ति दुर्गा है। दुर्ग साधक का शरीर है, और उसकी चेतना हैदुर्गा।इस प्रकार स्पष्ट है कि मानव शरीर में आसुरी प्रवृत्ति के नाश के लिए ही नवरात्र पर्व मनाने की महान परंपरा अत्यंत प्राचीन काल से भारत में प्रवहमान है। इस परंपरा में शक्ति माता दुर्गा का आह्वान कर मानव शरीर में उत्पन्न आसुरी प्रवृत्तियों का विनाश किया जाता है। शक्ति के संतुलन के लिए ही नवरात्र पर्व की परंपरा स्थापित की गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में पौराणिक ग्रंथों में आसुरी प्रवृत्तियों के नामकरण किए गए हैं, लेकिन वर्तमान में षड्यंत्रपूर्वक इनका मानवीकरण कर स्वार्थी तत्वों द्वारा लोगों को भ्रमित कर गलत मत स्थापित करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। ध्यातव्य यह भी है कि असुर का शाब्दिक अर्थ है- अ अर्थात बिना +सुर।अर्थात हमारी चेतना का ताल अथवा सुर का बिगड़ना।यही मानव में निहित असुर है, असुरत्व है।यही आसुरी प्रवृत्ति है। महिषासुर शब्द में महिष मह शब्द से बना है, जिसका अर्थ महान होता है। और असुर प्रवृत्ति है।जिसका अर्थ है- व्यक्ति और समाज से जड़ता समाप्त करना।प्रगट रुप में महिषासुर समाज में जड़ता की निशानी है और उसके शोधन के लिए नवरात्र में व्रत रखा जाता है। जगदंबा द्वारा धूम्रलोचन का वध करने का पर्याय व्यक्ति और समाज में धुंधली दृष्टि को समाप्त करके करके दिव्य दृष्टि प्रदान करना है। रक्तबीज का आशय शरीर में उपस्थित रक्त और बीज से है, जिसमें अशुद्धि आ जाती है,तथा समाज में मनोग्रथियां उत्पन्न हो जाती हैं। इसलिए उसे शुद्ध करने के लिए रक्तबीज का शोधन किया जाता है। चंड का अर्थ - चिंता और मुंड का अर्थ- अहंकार अथवा अज्ञानता से है।इन आसुरी प्रवृत्तियों का नाश करकेनकारात्मक ऊर्जा से सकारात्मक ऊर्जा की ओर जाना ही नवरात्र पर्व का मूलाधार है। भगवती दुर्गा आदिशक्ति ही सृष्टि की संचालिका हैं और इसी से सारी शक्ति निःसृत होती है और ब्रह्मांड का संचालन होता है।

नवरात्र आराधना काल में ॐ ऐं ह्रीं क्लीं मंत्र की प्रासंगिकता बढ़ जाती है, और इसका वाचन, उच्चारण, जाप अत्यधिक मात्रा में भक्तों द्वारा किया जाता है। भारतीय परंपरा में ऐं अर्थात वाग्बीज(ज्ञानशक्ति), क्लीं अर्थात कामराज (क्रिया शक्ति), ह्रीं अर्थात मायाबीज (पदार्थ) के माध्यम से सृष्टि निर्माण, स्थिति और ध्वंस की विज्ञानसम्मत व्याख्या की गई है। इनसे ही सात्विक, राजसिक और तामसिक प्रवृत्तियों की व्याख्या की मनोवैज्ञानिक एवं वैज्ञानिक दृष्टि विकसित हुई है।रात्रि शब्द सिद्धि का प्रतीक माना जाता है, इसलिए भारत में रात्रि का विशेष महत्व है। पाश्चात्य विज्ञान के अनुसार भी दिन में अन्य तरंगों के कारण ध्वनि तरंगों में अवरोध उत्पन्न होता है। इसलिए रात्रि काल में उपासना किए जाने की परिपाटी चल पड़ी। नवरात्र दीपावली, महाशिवरात्रि और होली आदि अनेक पर्व रात्रि काल में ही मनाए जाते हैं, ताकि ध्वनि की तरंगों का ठीक प्रकार से विस्तार हो। इसी परिप्रेक्ष्य में मंत्र, तंत्र और यंत्र के साथ विभिन्न वाद्य यंत्रों और शंख बजाकर वातावरण को न केवल रोगाणु मुक्त किया जाता है, बल्कि अपकारी शक्तियों के साथ आसुरी प्रवृत्तियों का भी शमन भलीभाँति होता है।

उल्लेखनीय है कि एक वर्ष में चार संधि काल होते हैं। इसलिए वर्ष में क्रमशः चार नवरात्र चैत्र, आषाढ़, अश्विनऔर माघ में मनाए जाने का विधान है।चार संधि कालों में सत्व गुण, तमोगुण और रजोगुण के मध्य उचित सामंजस्य स्थापित करना ही नवरात्र का मूल आधार है। तन मन को निर्मल और पूर्णतः स्वस्थ रखने का अनुष्ठान ही नवरात्र है।नौ रातों के समूह को नवरात्र कहा जाता है, जो शरीर के अंदर निवास करने वाली जीवनी शक्ति दुर्गा के ही स्वरुप हैं। उपनिषदों में उमा या हेमवती का उल्लेख किया है। वेदों में प्रयुक्त शब्द हिरण्यगर्भशक्ति अथवा ऊर्जा के आलोक में जड़- चेतन की व्याख्या करता है।शिव - शक्ति का अद्वैत है।ऊर्जा से ही सब गतिमान हैं। वैज्ञानिक रूप से ऊर्जा का अध्ययन वास्तव में आदिशक्ति का ही अन्वेषण है। आदिशक्ति त्रिगुणात्मक है। अपने तीन स्वरूपों क्रमशः ज्ञान शक्ति, इच्छा शक्ति और क्रिया शक्ति से सत्व, रज और तम गुणों को उदभुत करती है।तीनों गुणों के क्रियात्मक वेग के परस्पर संयोग से नौ यौगिक की व्युत्पत्ति होती है, जो सृष्टि का प्रथम गर्भ है। यही ब्रह्म है और यही सर्वत्र चराचर में व्याप्त है।व्यंजन वर्ण में प्राप्त स्थान की गणना की दृष्टि से भी शब्द ब्रह्म (ब=23,र् =27, ह=33,म =25, 23+27+33 +25 =108..1+0+8 =9)नौ की पुष्टि करता है।

भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति के रूप में स्वीकार किया गया है। सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा के मानवीय रूपों के माध्यम से उनके गुणों और क्रियाओं को व्यक्त करने का प्रयास किया गया है। वैदिक मत में परमात्मा की प्रतिमा नहीं होती- ना तस्य प्रतिमा अस्ति। लेकिन कालांतर में बौद्ध मत के आगमन के बाद प्रतीकात्मक रूप में विभिन्न आकृतियों का निर्माण कर शिवलिंग, शालिग्राम और पिंडी का पूजन आदि परम्पराएं शुरू हो गईं। देवी के लिए पिंडी पूजन प्रारंभ हुई, क्योंकि वह गर्भ का द्योतक है। एक मादा गर्भधारण करएक संतान को जन्म देती है जो पूर्ण होती है, और माता भी पूर्ण रहती है। इसलिए माता ईश्वर का स्वरूप है। संसार की सभी माताएं ईश्वर का ही स्वरूप है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

संवेदनहीन व अमानवीय निर्णय

आपकी बात

राकेश दुबे

इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्यायमूर्ति का वह फैसला अशांत, आकुल और विक्षुब्ध करने वाला था। जिसमें दुष्कर्म करने या उसकी कोशिश करने अथवा दुष्कर्म की मंशा की कानूनी व्याख्या की थी। यदि 688 जिला अदालतों में से किसी का फैसला ऐसा होता, तो बहुत चीखा-चिल्ली मचती और विरोध-प्रदर्शन भी होते। यह देश के 27 उच्च न्यायालयों में से एक के न्यायाधीश का फैसला था और करीब 4 महीने तक खूब चिंतन-मनन करने के बाद फैसला सुनाया गया था, लिहाजा सर्वोच्च अदालत को ज्यादा संवेदनहीन और अमानवीय लगा, नतीजतन विवादित हिस्से पर रोक लगा दी गई। जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने फैसला सुनाते हुए कहा था-पीडिता के निजी अंगों को पकडना और पायजामे का नाड़ा तोडना दुष्कर्म या दुष्कर्म की कोशिश नहीं मानी जा सकती। इस फैसले पर न्यायविदों, नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बहुत तल्ख प्रतिक्रियाएं जताई थीं। 'वी द वुमेन ऑफ इंडिया' की अर्जी पर सर्वोच्च अदालत को स्वतः संज्ञान लेना पड़ा। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की न्यायिक पीठ ने कहा कि 'यह मामला नाबालिग से दुष्कर्म का है, जो बेहद गंभीर है। खेद है कि फैसला देने वाले जज के खिलाफ कठोर शब्दों का प्रयोग करना पड़ रहा है। यह फैसला जज का असंवेदनशील और अमानवीय नजरिया दिखाता है, लिहाजा इस पर रोक जरूरी है।' केंद्र के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने भी पीठ के फैसले से सहमति जताई। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म की तैयारी थी, दुष्कर्म नहीं किया गया, जज के फैसले में ऐसा कहा गया है। यह बेहद गंभीर टिप्पणी है। जस्टिस गवई ने यह भी कहा था कि पीडिता की मां की याचिका भी टैग की जाए। अदालत ने केंद्र, उप्र सरकार और पक्षकारों को नोटिस भेज कर जवाब मांगा है। बहरहाल सवाल है कि 'दुष्कर्म' का भाव क्या होता है? आरोपितों ने उस नाबालिग लडकी के निजी अंगों को क्यों पकड़ा था? पायजामे का नाड़ा क्यों तोड़ा या खोला था? और उस लडकी को पुलिया के नीचे क्यों ले जाना चाहते थे? इन सभी हरकतों में दुष्कर्म की नीयत अथवा मंशा साफ थी, लिहाजा एक आम आदमी के तौर पर हम इसे दुष्कर्म ही मानेंगे। आमतौर पर फैसले के ऐसे चरण में सर्वोच्च अदालत हस्तक्षेप नहीं करती और न ही रोक लगाती, लेकिन न्याय के नाम पर यह अनैतिक था और न्यायिक सिद्धांतों से परे था, लिहाजा विवादित हिस्से पर रोक लगानी पड़ी। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

ऑटिज़्म : कमज़ोरी नहीं, अनोखी प्रतिभा का दूसरा नाम

02 अप्रैल: विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस

अलग बात

प्रो. आरके जैन

जब हर साल 2 अप्रैल को विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस की दस्तक होती है, तो यह कोई मामूली गूंज नहीं-यह एक तूफान है, जो समाज की चुप्पी को चीरता है और ऑटिज़्म से रंगे लाखों जीवन को उनकी असली पहचान, उनका हक, और उनकी अनोखी चमक देने का ऐलान करता है। यह एक ऐसा दिन है जो हमसे सवाल करता है-क्या हम सचमुच तैयार हैं अपनी सोच को बदलने के लिए? क्या हममें हिम्मत है उन दीवारों को ढहाने की, जो भ्रांतियों से बनी हैं? यह सिर्फ जागरूकता का मौका नहीं, बल्कि एक क्रांति का बिगुल है-एक ऐसी दुनिया बनाने का, जहाँ हर इंसान का रंग, उसकी अलग राह, उसकी खामोश आवाज़ को न सिर्फ सुना जाए, बल्कि गले लगाया जाए। ऑटिज़्म कोई बोझ नहीं, मस्तिष्क की विविधता का एक साहसी रंग है-एक न्यूरोडेवलपमेंटल सच, जो संवाद, व्यवहार और सामाजिकता को अपने ढंग से नाचना सिखाता है। और इस नृत्य को सही ताल देने की ज़िम्मेदारी हमारी है-आपकी, मेरी, हम सबकी।

ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर हर इंसान में एक नया आलाप गढ़ता है। कोई गणित की गुत्थियों को पल में सुलझा देता है, तो कोई संगीत की लय में डूबकर ऐसी रचनाएँ उकेरता है जो वक्त को मंत्रमुग्ध कर दे। लेकिन कुछ के लिए रोज़ का छोटा-सा काम भी एक जंग बन जाता है। यह एक स्पेक्ट्रम है-जहाँ हर कहानी अनूठी, हर ताकत बेमिसाल, और हर चुनौती अनोखी। सामाजिक संकेतों का न समझ आना, बातचीत में रुक जाना, या दोहराव में सुकून ढूंढना-ये ऑटिज़्म के रंग हो सकते हैं, पर ये उसकी सारी तस्वीर नहीं। प्यार, देखभाल और सही मार्गदर्शन मिले, तो ये लोग न सिर्फ अपनी राह बना सकते हैं, बल्कि दुनिया को नई दिशा दिखा सकते हैं। भारत में ऑटिज़्म को समझने और उसे दिल से अपनाने की लहर अब पूरे ज़ोर-शोर से उठ रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और शिक्षा मंत्रालय समावेशी शिक्षा को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। 2025 के ताज़ा आँकड़े गूँजते हुए बताते हैं कि इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (IAP) के मुताबिक, देश की करीब 3% आबादी-लगभग 4 करोड़ लोग-ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम का हिस्सा हो सकते हैं। इस हकीकत को आँखों में आँखें डालकर देखते हुए, सरकार ने "राष्ट्रीय ऑटिज़्म जागरूकता अभियान" का आगाज़ किया है-एक ऐसा कदम जो दिल को छू लेता है। स्कूलों में शिक्षकों को प्रेरणा और प्रशिक्षण से सशक्त करना, माता-पिता को जागरूकता की रोशनी से भर देना, और स्वास्थ्य केंद्रों में शुरुआती पहचान का मज़बूत जाल बिछाना-ये सब इस मुहिम की धड़कन बन गए हैं। यह सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि एक सपना है जो हर बच्चे को उड़ान देने और समाज को एक नई सुबह दिखाने का वादा करता है।

फिर भी, ऑटिज़्म को लेकर समाज में गलतफहमियाँ आज भी जड़ें जमाए बैठी हैं। लोग इसे मानसिक बीमारी का दाग लगा देते हैं, जबकि यह मस्तिष्क की एक अनूठी लय है-दुनिया को देखने का एक अलहदा अंदाज़। अगर इसके संकेतों को सही वक्त पर थाम लिया जाए-बच्चे का नज़रें न मिलाना, नाम सुनकर सन्नाटा ओढ़ लेना, या किसी एक चीज़ में गहरे डूब जाना-तो विशेषज्ञों के जादुई स्पर्श से इन नन्हे सितारों का भविष्य सुनहरे रंगों से सज सकता है। ताज़ा शोध चीख-चीखकर कहते हैं कि भारत में हर साल लगभग 1.5 लाख बच्चे ऑटिज़्म की पहचान के साथ सामने आ रहे हैं, और शुरुआती कदम 60% बच्चों के भीतर उम्मीद की चमक जगा सकते हैं। माता-पिता का जागरूक हो उठना ही वह शक्ति है, जो इन बच्चों को आत्मनिर्भरता की ऊँची उड़ान दे सकता है-एक ऐसा आसमान, जहाँ हर सपना सच होने की हिम्मत रखता हो।

ऑटिज़्म से प्रभावित लोग दया के भिखारी नहीं, अपने हक के हकदार हैं। शिक्षा, नौकरी, कला, या विज्ञान-हर क्षेत्र में वे चमत्कार रच सकते हैं, बशर्ते उन्हें उड़ान के लिए खुला आसमान मिले। इतिहास के पन्ने गवाह हैं-अल्बर्ट आइंस्टीन और निकोला टेस्ला जैसे सितारों ने दुनिया को रोशनी से नहला दिया। संयुक्त राष्ट्र का यह संकल्प कि ऑटिज़्म को सहज सच्चाई के रूप में स्वीकार किया जाए, एक क्रांतिकारी कदम है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

आजादी पर हो रहे , हैं, रह रह कर वार।
दुश्मन अब बैठा नहीं, सात समंदर पार।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

देश की बात

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बन रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वही संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार-चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया गया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा।

यह सर्वविदित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट, छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। आने वाले समय में भाजपा के लिये संघ का सहयोग पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करने एवं जड़े जमाने में मील का पत्थर साबित होगा। इन राज्यों में संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है। यानी दोनों अब सामंजस्य, सहयोग व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात भाजपा अब अपने वैचारिक एवं ऊर्जा स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। मोदी की नागपुर यात्रा के अनेक शुभ संकेत देखे जा रहे हैं, इसको औरंगजेब, राणा सांगा, संभल विवाद के बीच हिन्दुत्व की राजनीति को नई धार देने की कोई योजना के साथ जोड़कर भी देखा जा रहा है, नरेन्द्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की इस मुलाकात को 2029 के चुनावों की कोई नई पटकथा तैयार करने की पृष्ठभूमि में भी देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने संघ के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। मोदी दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। उन्होंने दीक्षाभूमि की सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपनों के भारत को साकार करने के लिए और भी अधिक मेहनत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया। मोदी की ओर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान संघ की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आये बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाइं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

पटना में नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ चैती छठ

एजेंसी। पटना

लोक आस्था के पर्व चैती छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान आज मंगलवार 1 अप्रैल को चैत्र शुक्ल तृतीया उपरांत चतुर्थी के दिन 'नहाय-खाय' के साथ शुरू हो रहा है। इस पर्व के पहले दिन व्रती गंगा में स्नान कर सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। परंपरा के अनुसार, इस दिन चना दाल, कद्दू की सब्जी, अरवा चावल और आंवला की चासनी का प्रसाद खास महत्व रखता है। दूसरे दिन 2 अप्रैल को 'खरना' होगा, जिसमें व्रती दिनभर उपवास रखने के बाद शाम को गुड़ से बनी खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस प्रसाद को खाने के बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। धार्मिक मान्यता है कि खरना के प्रसाद में ईख का कच्चा रस और गुड़ का सेवन आंखों की पीड़ा को दूर करने के साथ तेजस्विता, निरोगिता और बौद्धिक क्षमता को बढ़ाता है।तीसरे दिन 3 अप्रैल को चैत्र शुक्ल षष्ठी पर रोहिणी नक्षत्र और आयुष्मान योग में व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे। वहीं, चौथे दिन 4 अप्रैल को रवि योग के संयोग में उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पारण के साथ यह महाव्रत संपन्न होगा।

इस पर्व में सूर्य भगवान की उपासना कर परिवार की समृद्धि, सुख-शांति और स्वास्थ्य की कामना की जाती है। चार दिनों तक चलने वाले इस अनुष्ठान में प्रकृति और सूर्य की आराधना की जाती है। 1 अप्रैल को नहाय-खाय, 2 अप्रैल को खरना, 3 अप्रैल को सायंकालीन अर्घ्य और 4 अप्रैल को उदयकालीन अर्घ्य के साथ यह पर्व संपन्न होगा। पटना की एक श्रद्धालु ने अपनी तैयारियों के बारे में बताया, "यह चार दिनों का त्योहार है। आज हमने छठ पूजा के लिए नहाय-खाय पूरा कर लिया है। हमने गंगा में स्नान किया और अब घर जाकर चावल, दाल और कद्दू की सब्जी बनाएंगे। यह पर्व हमारे लिए आस्था और परंपरा का प्रतीक है, जिसे हम पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि नहाय-खाय के दिन सात्विक भोजन का विशेष महत्व है, जिसमें चना दाल, कद्दू की सब्जी और अरवा चावल शामिल होते हैं। इस पर्व में सूर्य भगवान की उपासना के जरिए परिवार की समृद्धि और सुख-शांति की हम कामना करेंगे।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर सियासत गर्म, पक्ष-विपक्ष के बीच वार-पलटवार

नई दिल्ली (आईएएनएस)

केंद्र सरकार बुधवार को संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश कर सकती है। हालांकि, विधेयक पेश होने से पहले ही सियासत गर्म है। विपक्षी दलों के नेता इस विधेयक को मुस्लिम विरोधी बता रहे हैं, तो सत्ता पक्ष के नेताओं ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए इसे मुस्लिमों के हित में बताया है। सदन के बाहर कई नेताओं ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की। सपा सांसद आनंद भदौरिया ने आईएएनएस से कहा कि हमारे नेता अखिलेश यादव और हमारी पार्टी शुरू से ही वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध कर रही है। जब सदन में यह बिल आया था, तब हमारे विरोध के कारण ही इसे जेपीसी में भेजा गया। समाजवादी पार्टी इस विधेयक के विरोध में है और सदन में हम इसका पुरजोर विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को मुस्लिम प्रतिनिधियों से बात करनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस के उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि संसद चर्चा करने की जगह है। विधेयक आता है तो इस पर चर्चा होनी चाहिए। विपक्ष ने जो संशोधन दिए थे, सरकार को वह मान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार से निवेदन है कि हठ छोड़कर परिपूर्ण विधेयक लाए, जिससे लोगों को असुविधा न हो।

गुजरात के बनासकांठा हादसे में 18 की मौत

सीएम भूपेंद्र पटेल ने जताया दुख, मुआवजे का ऐलान

बनासकांठा (आईएएनएस)

> गुजरात के बनासकांठा स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट से मध्य प्रदेश के श्रमिकों की असामयिक मृत्यु तथा गंभीर घायल होने का दुखद समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहन संवेदना व्यक्त करता हूं।

1. गुजरात के बनासकांठा में हादसा, 18 मजदूरों की मौत, कई घायल।
2. मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मृतकों के परिवारों को 4 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की।
3. मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी शोक व्यक्त किया और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।
4. मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी दुख जताया, दिवंगत आत्माओं को शांति की प्रार्थना की।

गुजरात के बनासकांठा में मंगलवार को हुए हादसे पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दुख जताया है। इसके साथ ही सीएम पटेल ने इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों को 4 लाख और घायलों को 50,000 रुपए के मुआवजे की घोषणा की। गुजरात के बनासकांठा में एक पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से मध्य प्रदेश के 18 मजदूरों की मौत हो गई। जबकि, कई घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

सीएम भूपेंद्र पटेल ने इस दुखद हादसे पर दुख जाहिर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''डीसा में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से श्रमिकों की मौत की घटना हृदय विदारक है। इस दुःख की घड़ी में मेरी हार्दिक संवेदनाएं मृतकों के परिजनों के साथ हैं। मैं इस आपदा में राहत, बचाव एवं उपचार कार्यों के संबंध में प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हूं। प्रशासन को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि घायलों को शीघ्र और उचित उपचार मिले। राज्य सरकार मृतकों के परिवारों को 4 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की सहायता राशि प्रदान करेगी। मैं प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर मृतक श्रमिकों की आत्माओं को शांति प्रदान करें और घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें। वहीं, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी गुजरात के बनासकांठा हादसे पर शोक जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''गुजरात के बनासकांठा स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट से मध्य प्रदेश के श्रमिकों की असामयिक मृत्यु तथा गंभीर घायल होने का दुखद समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहन संवेदना व्यक्त करता हूं। प्रदेश सरकार घायल श्रमिकों व मृतकों के परिजनों की हरसंभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है। दुर्घटना के संबंध में गुजरात सरकार के साथ सतत संपर्क किया जा रहा है। बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं की शांति, शोकाकुल परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति तथा घायलों को त्वरित स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।'' मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी हादसे पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''गुजरात के बनासकांठा स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए दर्दनाक हादसे में मध्य प्रदेश एवं गुजरात के कुछ कामगारों के हताहत होने के समाचार से मन द्रवित है। इस दुःखद घड़ी में मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवारों को इस पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

संघ के सदस्य मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि व काशी में काशी विश्वनाथ - ज्ञानवापी से जुड़े

अभियानों में भाग लेते हैं तो संगठन को कोई आपत्ति नहीं होगी : दत्तात्रेय होसबोले

ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कन्नड़ भाषा में छपने वाले संघ मुखपत्र विक्रम से बातचीत में कहा कि यदि आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) के सदस्य मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि व काशी में काशी विश्वनाथ - ज्ञानवापी से जुड़े अभियानों में भाग लेते हैं, तो संगठन को कोई आपत्ति नहीं होगी। लेकिन उन्होंने सभी मस्जिदों को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर उन्हें वापस लेने की कोशिशों के खिलाफ चेतावनी दी और सामाजिक कलह से बचने की आवश्यकता पर बल दिया। होसबोले ने संघ के मुखपत्र विक्रम से कहा, "उस समय (1984) वीएचपी और संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। यदि हमारे स्वयंसेवकों का एक वर्ग इन तीन मंदिरों (अयोध्या में राम जन्मभूमि सहित) के मामले में एकजुट होना चाहता है, तो हम उन्हें नहीं रोकेंगे।" गो-हत्या, लव जिहाद और धर्मांतरण से संबंधित मौजूदा चिंताओं को स्वीकार करते हुए उन्होंने छुआछूत को खत्म करने, युवाओं के बीच संस्कृति के संरक्षण और स्वदेशी भाषाओं की सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। भाषा नीति पर होसबोले ने तीन लैंग्वेज नीति का समर्थन करते हुए कहा कि यह 95% भाषाई विवादों का समाधान है। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनमें शिक्षित लोगों के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "हमारी सभी भाषाओं ने गहन साहित्यिक कृतियां रची हैं। यदि आने वाली पीढ़ियां इन भाषाओं में नहीं पढ़ेंगी और लिखेंगी तो वे कैसे जीवित रहेंगी?" अंग्रेजी के प्रति क्यों है आकर्षण? होसबोले ने आगे कहा, "अंग्रेजी के प्रति आकर्षण मुख्य रूप से व्यावहारिक कारणों से है। एक और महत्वपूर्ण पहलू एक ऐसा आर्थिक मॉडल बनाना है जहां भारतीय भाषाओं में पढ़े लोगों को रोजगार के भरपूर अवसर मिलें। वरिष्ठ बुद्धिजीवियों, न्यायाधीशों, शिक्षाविदों, लेखकों व राजनीतिक तथा धार्मिक नेताओं को इस मामले में प्रगतिशील रुख अपनाना चाहिए।" आरएसएस महासचिव ने हिंदी के व्यापक रूप से अपनाए जाने का भी उल्लेख किया, लेकिन हिंदी थोपे जाने की बहस में राजनीतिक कारकों को भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा, "इस तरह के विशाल देश में, यदि हर कोई संस्कृत सीखे तो यह बहुत बढ़िया होगा। यहाँ तक कि डॉ. अंबेडकर ने भी इसकी वकालत की थी। कई लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा सीखने में भी कोई बुराई नहीं है। आज हर सैनिक हिंदी सीखता है। जिन्हें रोजगार की ज़रूरत है, वे अपने राज्य की भाषा सीखते हैं। समस्या तब पैदा हुई जब राजनीति और विरोध के कारण इसे थोपे जाने का मुद्दा बना दिया गया। क्या भाषाई विविधता के बावजूद भारत हज़ारों सालों से एक नहीं रहा है? होसबोले ने कहा -ऐसा लगता है कि हमने आज भाषा को एक समस्या बना दिया है।

मुंबई सीरियल ब्लास्ट के मास्टरमाइंड

टाइगर मेमन की संपत्तियों पर केंद्र सरकार का कब्जा तय, कोर्ट का आदेश

मुंबई (आईएएनएस)

मुंबई की एक विशेष टाडा कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए 1993 के सिलसिलेवार बम धमाकों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक टाइगर मेमन और उसके परिवार की 14 संपत्तियों को केंद्र सरकार को सौंपने का आदेश दिया है। इन संपत्तियों में फ्लैट, खाली प्लॉट, ऑफिस और दुकानें शामिल हैं, जो अब सरकार के अधीन आ जाएंगी। बता दें कि 1993 में मुंबई में हुए सीरियल बम धमाकों के बाद, टाडा कोर्ट ने 1994 में टाइगर मेमन और उसके परिवार की संपत्तियों को अटैच करने का आदेश दिया था। उस समय से ये संपत्तियां बॉम्बे हाईकोर्ट के 'कोर्ट रिसीवर' के अधीन थीं। अब टाडा कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि इन सभी अचल संपत्तियों को केंद्र सरकार को सौंप दिया जाए। टाइगर मेमन 1993 बम धमाकों का मास्टरमाइंड माना जाता है और वह अभी भी फरार है। धमाकों की साजिश रचने, उन्हें अंजाम तक पहुंचाने और आतंकी संगठनों से संबंध रखने के आरोप में उसके भाई याकूब मेमन को 2015 में फांसी दी जा चुकी है। टाइगर मेमन के नाम से मशहूर मुश्ताक अब्दुल रज्जाक मेमन एक गैंगस्टर और वांटेड आतंकवादी है। वह इंटरपोल और सीबीआई की वांटेड लिस्ट में शामिल है। वह दाऊद इब्राहिम के नेतृत्व वाले गिरोह डी-कंपनी का सदस्य रह चुका है।

"मैं दिल से एक योगी हूं और राजनीति मेरा पूर्णकालिक व्यवसाय नहीं है": योगी आदित्यनाथ

नवेन्दु सिंह

लखनऊ। प्रधानमंत्री पद की दावेदारी के सवाल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं दिल से एक योगी हूं और राजनीति मेरा पूर्णकालिक व्यवसाय नहीं है। मैं मुख्यमंत्री पद पर उत्तर प्रदेश की जनता की सेवा करने के लिए हूं, और मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं आया हूं। मेरी पार्टी भाजपा ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है, उसे मैं निभा रहा हूं।न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए गए साक्षात्कार में योगी ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर खंडन किया। उन्होंने कहा कि मैं कब तक राजनीति में रहूंगा इसकी समय सीमा है। मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं हूं। मालूम हो कि इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं काफी तेज हैं और योगी को उनके समर्थकों के द्वारा प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। ये चर्चाएं प्रधानमंत्री मोदी के 30 मार्च को संघ मुख्यालय जाने के बाद और तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर हो रही चर्चाओं में सीएम योगी व महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। इस पर शिवसेना के नेता संजय राउत ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश का अगला प्रधानमंत्री महाराष्ट्र से होगा, जिस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मोदी जी ही देश का नेतृत्व करेंगे। हमारी संस्कृति में जब तक पिता जीवित होता है उत्तराधिकारी की बात नहीं की जाती है। पीटीआई से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजनीति में धर्म का मिलन गलत नहीं है। ये हमारी गलती है कि हम धर्म को कुछ स्थानों के लिए सीमित कर देते हैं और राजनीति को कुछ लोगों के लिए छोड़ देते हैं। इससे समस्याएं उत्पन्न होती हैं। राजनीति का उद्देश्य स्वार्थों की पूर्ति करना नहीं है बल्कि समाज की भलाई करना है।इसी तरह धर्म का उद्देश्य भी परमार्थ होता है। जब धर्म का प्रयोग स्वार्थ की पूर्ति के लिए होता है तो मुश्किल आती है लेकिन परमार्थ का उद्देश्य होने पर धर्म प्रगति के मार्ग खोलता है।

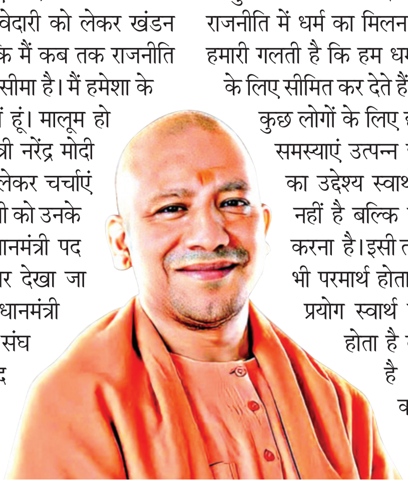

नोएडा के सेक्टर-18 स्थित कमर्शियल बिल्डिंग में भीषण आग, कई लोग घायल, तीन गंभीर

नोएडा (आईएएनएस)

उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर-18 स्थित एक कमर्शियल बिल्डिंग में मंगलवार को भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। इस भयावह घटना की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जिनमें लोग खिड़कियों से निकलकर रस्सियों के सहारे नीचे उतरते हुए दिखाई दिए। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-18 के अट्टा मार्केट स्थित कृष्णा आपरा प्लाजा नामक एक कमर्शियल बिल्डिंग में आग लग गई। बताया जा रहा है कि यह आग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक शोरूम से शुरू हुई और तेजी से पूरी बिल्डिंग में फैल गई।

आग से घबराकर कई लोग छत की ओर भागे, जबकि कुछ लोगों ने जान बचाने के लिए खिड़कियों से नीचे उतरने की कोशिश की। आग की सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। दमकलकर्मी पूरी मशक्कत के साथ आग पर काबू पाने की कोशिश करने में जुट गए।

वक्फ संशोधन बिल का सदन में करेंगे विरोध : जेबी

नई दिल्ली । वक्फ संशोधन बिल को लेकर कांग्रेस की राज्यसभा सांसद जेबी माथेर ने मंगलवार को कहा कि इस बिल को लेकर कांग्रेस का जो पहले रुख था वही आज भी है। सदन में इस बिल का विरोध किया जाएगा। क्योंकि इस बिल के माध्यम से एनडीए सरकार की बांटने की कोशिश है। वक्फ संशोधन बिल को केरल के कैथोलिक बिशप्स काउंसिल के द्वारा समर्थन मिलने पर कांग्रेस की राज्यसभा सांसद जेबी माथेर ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत की।

एम्स में फैकल्टी की नियुक्ति के लिए प्रयास किए जा रहे हैं : नड्डा

नई दिल्ली (आईएएनएस)

राज्यसभा में मंगलवार को एक प्रश्न का उत्तर देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बताया कि देशभर में बनाए गए नए विभिन्न एम्स में फैकल्टी की नियुक्ति के लिए पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। दिल्ली का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) 1960 के दशक में आया। एम्स दिल्ली को एक इंस्टीट्यूट से इंस्टीट्यूट ऑफ रेप्यूट बनने में 20 वर्ष का समय लगा। 1980 के दशक में इसे यह दर्जा हासिल हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक लंबी छलांग लगाई गई है और बीते 10 वर्षों में 22 ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की स्थापना हुई है।

आज का राशिफल

मेष : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

वृष : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

मिथुन : कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। आय के अच्छे योग बनेंगे। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है।

कर्क : अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं।

सिंह : कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी।

कन्या : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

तुला : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा।

वृश्चिक : कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी।

धनु : अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

मकर : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

कुंभ : विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मीन : कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी।

मार्च 2026 तक नक्सलियों को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने का लक्ष्य : अमित शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नक्सल समस्या अब देश के 12 जिलों से घटकर सिर्फ छह जिलों तक रह गई है। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार नक्सलवाद के प्रति निर्मम दृष्टिकोण और सर्वांगीण विकास के लिए अथक प्रयासों के साथ 'सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत' का निर्माण कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध है।

बीते दिनों देश गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन बताया था। उन्होंने कहा था कि मोदी सरकार 'नक्सलमुक्त भारत' बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है और 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलमुक्त होकर रहेगा। नक्सलवाद लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन है और मोदी सरकार इसे समाप्त करने के लिए संकल्पित है। 31 मार्च 2026 के बाद देश में नक्सलवाद केवल इतिहास बनकर रह जाएगा, यह हमारा संकल्प है।

गृह मंत्री अमित शाह ने 30 मार्च को छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 50 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने पर खुशी जताई है। उन्होंने नक्सलियों के सरेंडर करने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति स्पष्ट है कि जो भी नक्सली हथियार छोड़कर विकास का मार्ग अपनाएंगे, उनका पुनर्वास कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

नक्सल मुक्त भारत की ओर बड़ा कदम मोदी सरकार का संकल्प

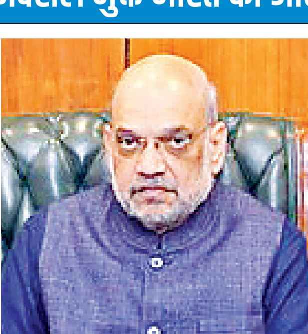

अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, आज हमारे राष्ट्र ने वामपंथी उग्रवाद से सर्वाधिक प्रभावित जिलों की संख्या को 12 से घटाकर मात्र 6 तक लाकर एक नया मील का पत्थर हासिल किया। मोदी सरकार नक्सलवाद के प्रति निर्मम दृष्टिकोण और सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों के साथ एक सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत का निर्माण कर रही है। भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ संकल्पित है।"

वेव्स क्रिएट इन इंडिया चैलेंज का पंजीकरण 85 हजार के पार

- **मुंबई में 1 से 4 मई तक वेव्स 'क्रिएटोस्फेयर' में 32 चैलेंज से 750 फाइनलिस्ट भाग लेंगे**

रांची। 1 से 4 मई, 2025 तक मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में होने वाले वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) के हिस्से के रूप में लॉन्च किए गए क्रिएट इन इंडिया चैलेंज (सीआईसी) सीजन-1 ने 1,100 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों सहित 85,000 पंजीकरणों को पार करने की एक नई उपलब्धि हासिल की है। 32 विविध चैलेंजों में से एक सावधानीपूर्वक चयन प्रक्रिया के बाद चुने गए 750 से अधिक फाइनलिस्टों को अपनी व्यक्तिगत चुनौती, अपनी प्रतिभा और कौशल के परिणाम और आउटपुट को दिखाने के अलावा पिचिंग सत्रों सहित अपने संबंधित क्षेत्र के व्यापारिक नेताओं के साथ नेटवर्किंग के अवसर और मास्टरक्लास, पैनल चर्चा, सम्मेलनों आदि के माध्यम से वैश्विक दिग्गजों से सीखने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। क्रिएट इन इंडिया चैलेंजों के विजेताओं को मुंबई में एक भव्य समारोह में वेव्स क्रिएटर अवाड्र्स से सम्मानित किया जाएगा। इन चैलेंजों ने रचनात्मक परिदृश्य में एक शक्तिशाली प्रवेश किया है। इससे भारत और उसके बाहर नवाचार और जुड़ाव की एक लहर पैदा हुई है, जो वैश्विक स्तर पर रचनात्मक प्रतिभा के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में उभर रहा है। हाई-एनर्जी रील मेकिंग कॉम्पिटिशन, सॉल्यूशन-ओरिएंटेड ट्रुथ टेल हैकथॉन, दूरदर्शी यंग फिल्ममेकर चैलेंज और कल्पनाशील कॉमिक्स क्रिएटर चैंपियनशिप सहित 32 विविध और सशक्त चैलेंजों की विशेषता के साथ, सीआईसी क्रिएटर्स को अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

वैगनर ने प्लंकेट शील्ड जीत के साथ न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट से संन्यास लिया

डुनेडिन (आईएएनएस)। नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट ने मंगलवार को डुनेडिन में प्लंकेट शील्ड प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता में निर्णायक जीत हासिल की, जो 2011/12 के बाद पहली बार है। नील वैगनर के लिए यह एक भावुक क्षण था, जिन्होंने अपने घरेलू करियर का समापन उसी मैदान पर किया, जहां से उन्होंने 2008 में शुरुआत की थी। संयोग से, वैगनर का पहला मैच ओटागो के लिए नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट के खिलाफ था। उन्होंने 2018/19 सत्र के लिए नॉर्दर्न की ओर कदम बढ़ाया। कीवी पेसर ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया और अब उन्होंने एकमात्र ऐसा सम्मान हासिल कर लिया है, जो उन्हें 17 वर्षों में नहीं मिल पाया था।

संस्थानिक लीग

जीएनसीटी ने मिनिस्ट्री आफ हाउसिंग अर्बन को रौंदा

नई दिल्ली। डीएसए इंस्टिट्यूशनल फुटबाल लीग में आज यहां विनोद नगर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में खेले गए मैचों में जीएनसीटी (दिल्ली सरकार) ने मिनिस्ट्री आफ हाउसिंग एंड अर्बन को 11-0 से रौंद दिया, जोकि अब तक की सबसे बड़ी जीत है। दिन के पहले मैच में ईएसआईसी ने रिजर्व बैंक पर 6-0 की जीत दर्ज की। जीएनसीटी की जीत का हीरो संजय रहा जिसने हैट्रिक जमाई। अखिल और रोहित ने दो-दो गोल किए। मोहित, लक्ष्य, एरिक और अभिनव ने एक-एक गोल बांटे। ईएसआईसी के लिए धीरज कुमार ने दो, प्रवीण रावत, पुष्पेंद्र कुंडू, सुमित रावत और शिखर खन्ना ने एक-एक गोल बांटे। दोनों ही मैचों में पराजित टीमें अपने कुछ नियमित खिलाड़ियों के बिना उतरी और शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। मिनिस्ट्री आफ हाउसिंग एंड अर्बन की बड़ी हार का कारण उसके नियमित खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी रही।

पंजाब किंग्स ने लखनऊ को घर में घुसकर अदब से रौंदा

पंत एंड कंपनी श्रेयस ब्रिगेड के सामने फेल, 8 विकेट से मिली जीत

पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ की टीम ने 7 विकेट खोकर 171 रन बनाए थे. इसके जवाब में उतरी पंजाब की शुरुआत अच्छी नहीं रही. लेकिन प्रभसिमरन, अय्यर और नेहाल के ताबड़तोड़ अंदाज के दम पर पंजाब ने 17वें ओवर में ही जीत हासिल की. उन्होंने लखनऊ को 8 विकेट से हराया.

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 के मैच नंबर-13 में पंजाब की टीम ने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी. इस मुकाबले में टॉस जीतकर पंजाब की टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था. पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ की टीम ने 7 विकेट खोकर 171 रन बनाए थे. बदोनी और अब्दुल समद ने शानदार बल्लेबाजी की थी. इसके जवाब में उतरी पंजाब की शुरुआत अच्छी नहीं रही. लेकिन प्रभसिमरन, अय्यर और नेहाल के ताबड़तोड़ अंदाज के दम पर पंजाब ने 17वें ओवर में ही जीत हासिल की. उन्होंने लखनऊ को 8 विकेट से हराया. अय्यर ने छक्के से अपना अर्धशतक पूरा किया और अपनी टीम को जीत दिलाई. यह मैच लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया।

ऐसी रही लखनऊ की पारी

पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की टीम की शुरुआत ही बेहद खराब रही. पहले ही ओवर की चौथी गेंद पर मिचेल मार्श अपना विकेट गंवा बैठे. इसके बाद चौथे ओवर में मारक्रम भी 28 रन बनाकर आउट हो गए. अगले ही ओवर में पंत को मैक्सवेल ने शिकार बना लिया. वो केवल 2 रन ही बना सके. इसके बाद पूरन ने कुछ अच्छे शॉट लगाए और 44 रन की पारी खेली लेकिन चहल ने उन्हें अपना शिकार बनाया. वहीं, 16वें ओवर में डेविड मिलर भी आउट हो गए. इसके बाद मिलर और बदोनी ने शानदार बल्लेबाजी की. बदोनी ने 41 और समद ने 27 रनों की पारी खेली. जिसके दम पर लखनऊ ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 171 रन बनाए. 172 रनों के जवाब में उतरी पंजाब की शुरुआत धमाकेदार रही. प्रियांश आर्या भले ही 8 रन बनाकर तीसरे ही ओवर में आउट हो गए. लेकिन प्रभसिमरन सिंह ने अपना आक्रामक अंदाज नहीं छोड़ा. प्रभसिमरन ने 34 गेंद में 69 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेलकर लखनऊ से ये मैच छीन लिया. वहीं, श्रेयस अय्यर ने सधी हुई बल्लेबाजी की. अय्यर ने नाबाद 52 रन बनाए. वहीं, नेहाल ने भी 43 रनों की पारी खेली. इसकी बदौलत पंजाब ने 3.5 ओवर शेष रहते ही ये मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया।

हमारा लक्ष्य खिताब जीतकर प्रशंसकों के साथ जश्न मनाना : अर्शदीप सिंह

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह आईपीएल में 18 साल से चले आ रहे खिताबी अंतराल को खत्म करने और चंडीगढ़ में खुली बस परेड में प्रशंसकों के साथ इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए अपनी टीम की ताकत पर भरोसा कर रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब ही ऐसी टीमें हैं जिन्होंने टूर्नामेंट के इतिहास में कभी खिताब नहीं जीता है। अर्शदीप, जो भारत की सफेद गेंद वाली लाइन-अप में एक मुख्य खिलाड़ी बन गए हैं, अपनी प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्ध हैं और उन्हें उम्मीद है कि श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में इस सीजन में चीजें बदल जाएंगी।

एक-दूसरे पर बढ़त बनाने के लिए भिड़ेंगे बेंगलुरु एफसी और एफसी गोवा

बेंगलुरू। बेंगलुरु एफसी बुधवार को शाम 7:30 बजे श्री कांतीरवा स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के पहले सेमीफाइनल के पहले चरण के मुकाबले में एफसी गोवा की मेजबानी करेगी, तो दोनों टीमों का लक्ष्य जीत से बढ़त लेकर दबदबा बनाना होगा। ब्लूज ने सिंगल-लेग नॉकआउट मुकाबले में मुम्बई सिटी एफसी को 5-0 से रौंद कर डबल-लेग सेमीफाइनल दौर में प्रवेश किया है, जबकि गौर्स ने 24 मैचों में 14 जीत, छह ड्रा और चार हार से 48 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर रहकर लीग चरण समाप्त करके सीधे सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। गौर्स बेंगलुरू एफसी के खिलाफ चार मैचों से अपराजित हैं, इस दौरान उन्होंने दो मैच जीते और दो ड्रा खेले हैं। हालांकि, ब्लूज के साथ अपने पिछले प्लेऑफ मुकाबले में एफसी गोवा 0-1 से हारी थी, जो कि आईएसएल 2018-19 का फाइनल था।

कोलकाता थंडरब्लेड्स नई फ्रेंचाइजी के रूप में यूटीटी सीजन 6 में शामिल

पुणे जगुआर पुनेरी पल्टन की जगह लेंगे

नई दिल्ली (आईएएनएस)

अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन 6 में एक नई फ्रेंचाइजी कोलकाता थंडरब्लेड्स के लीग में शामिल होने के साथ मजबूत होता रहेगा। इसके अलावा, पुणे जगुआर बंद हो चुकी पुनेरी पल्टन टीटी की जगह लेगा। आयोजकों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नवीनतम सीजन में टीमें 29 मई से 15 जून तक अहमदाबाद के ईकेए एरिना में खिताब के लिए भिड़ेंगी। टीमें लीग चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिसमें शीर्ष चार सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। यूनीकॉप्स ग्रुप और एम विकास ग्रुप के सह-स्वामित्व वाली कोलकाता थंडरब्लेड्स टेबल टेनिस की गहरी समझ के साथ नवीनतम सीजन में प्रवेश कर रही है, जिसके सह-मालिक केतन जैन और रजत कुमार पूर्व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं, जिन्होंने खेल का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया है। इस बीच, प्रसिद्ध कोच अंशुल गर्ग टीम निदेशक की नई भूमिका में लौट आए हैं।

वंदना ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा

नई दिल्ली (आईएएनएस)

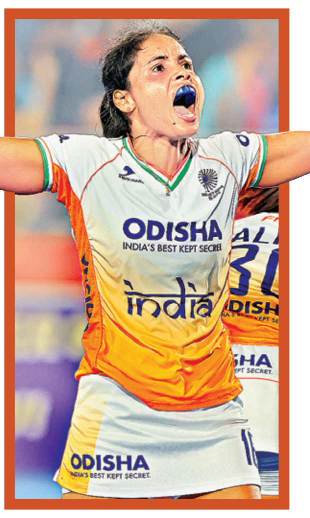

भारतीय महिला हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया ने आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा कर दी है, जिससे 15 साल से ज्यादा लंबे उनके असाधारण करियर का अंत हो गया। 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों और 158 गोल के साथ, वंदना भारतीय महिला हॉकी के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। लेकिन आंकड़ों से परे, वह अपने पीछे एक प्रेरणादायक विरासत छोड़ गई हैं - लचीलेपन, शांत दृढ़ संकल्प और भारतीय महिला हॉकी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की अथक भूख की कहानी। 32 वर्षीय फारवर्ड, जिन्होंने 2009 में सीनियर टीम में पदार्पण किया था, खेल के कुछ सबसे निर्णायक क्षणों का अभिन्न हिस्सा थीं, जिसमें टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारत का ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल करना भी शामिल है, जहां वह खेलों में हैट्रिक बनाने वाली पहली और एकमात्र भारतीय महिला बनीं। फरवरी में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के भुवनेश्वर चरण के दौरान भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेलने वाली वंदना ने अपने संन्यास की घोषणा करते हुए अपनी भावनाओं का मिश्रण साझा किया। यह निर्णय आसान नहीं था, लेकिन मुझे पता है कि यह सही समय है। जब से मैं याद कर सकती हूं, हॉकी मेरी जिंदगी रही है और भारतीय जर्सी पहनना सबसे बड़ा सम्मान था। लेकिन हर यात्रा का अपना रास्ता होता है और मैं इस खेल के लिए अपार गर्व, कृतज्ञता और प्यार के साथ जा रही हूं। भारतीय हॉकी अच्छे हाथों में है और मैं हमेशा इसकी सबसे बड़ी समर्थक रहूंगी। उन्होंने अपनी यात्रा में भूमिका निभाने वाले सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त की। "मैं अपने कोच, टीम के साथी, सहयोगी स्टाफ, हॉकी इंडिया, अपने परिवार और उन सभी प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं जिन्होंने वर्षों से मेरा साथ दिया है। हर उत्साह, हर संदेश, प्रोत्साहन के हर शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं।

अर्जुन भाटी ने कहा: 'देश में गोल्फ की लोकप्रियता बढ़ रही है

अवार्ड के लिए बहुत खुश और रोमांचित हूं

नई दिल्ली (आईएएनएस)

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार के लिए चुने गए युवा गोल्फर अर्जुन भाटी ने कहा है कि बहुत अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा, ''मैं और मेरी फैमिली बहुत आभारी हैं, इस अवार्ड के लिए बहुत खुश और रोमांचित हैं। इस अवार्ड के लिए मैं यह कहना चाहूंगा कि भारत सरकार का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मुझे इस अवार्ड के लिए चुना, मुझे इस लायक समझा। अर्जुन ने 'आईएएनएस' से कहा, ''मैंने कोरोना के टाइम पर अपनी 102 ट्रॉफी को बेच दिया था। उससे चार लाख 30000 रुपये आए थे। उसको मैंने प्रधानमंत्री पीएम केयर फंड में डोनेट किया था। मेरा उद्देश्य था था कि जैसे भी हो देश को सेवा करो। मेरी दादी ने अपने 1 साल का पेंशन मुझे डोनेट करने के लिए दिया था, वहीं से यह भाव आया कि मुझे भी देश के लिए कुछ करना है। गोल्फ से हटकर मैं इसी प्रकार से देश की सेवा कर सकता था इसलिए मैंने यह किया।

व्यापार/लाइफ व साइंस

भारत में मार्च में मजबूत रहा एसयूवी सेगमेंट, मारुति और महिंद्रा रहे सबसे आगे

नई दिल्ली। भारतीय ऑटो कंपनियों की एसयूवी बिक्री में मार्च में बड़ा उछाल देखा गया है। इसकी वजह निजी खपत में बढ़ोतरी और अर्थव्यवस्था का मजबूत होना है। बीते महीने एसयूवी सेगमेंट में मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और किआ इंडिया का प्रदर्शन अच्छा रहा। देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया की एसयूवी बिक्री मार्च 2025 में सालाना आधार पर 4.5 प्रतिशत बढ़कर 61,097 यूनिट्स रही, यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि में 58,436 यूनिट्स पर था। मारुति सुजुकी की मार्च में कुल बिक्री 3.1 प्रतिशत बढ़कर 1,92,984 यूनिट्स रही, जो कि मार्च 2024 में 1,87,196 यूनिट्स थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 में 22,34,266 यूनिट्स की अपनी अब तक की सर्वाधिक वार्षिक बिक्री भी दर्ज की है, जिसमें 17,95,259 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 3,32,585 यूनिट्स का निर्यात शामिल है।

ईपीएफओ ने 15 नए बैंकों के साथ समझौता किया सदस्यों को मिलेगी अधिक सुविधा : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली (आईएएनएस)

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री, डॉ.मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि सदस्यों के लिए सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 15 नए बैंकों के साथ एग्रीमेंट साइन किया है। अब तक केवल 17 बैंकों का ईपीएफओ के साथ टाइ-अप था और उन्हीं बैंकों के जरिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की सेवाएं प्राप्त की जा सकती थीं, लेकिन अब 15 नए बैंकों के जुड़ने के साथ यह संख्या बढ़कर 32 हो गई है। केंद्रीय मंत्री ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि अब तक 17 बैंकों के जरिए हमारा कारोबार चलता था, लेकिन अब 15 नए बैंकों के जुड़ने के साथ इनकी संख्या बढ़कर 32 हो गई है।

मांडविया ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है और नए भारत का निर्माण हो रहा है, जिसमें

- **ऑटो-सेटलमेंट लिमिट में वृद्धि :** ईपीएफओ ने अग्रिम दावों के ऑटो-सेटलमेंट की सीमा को ₹1 लाख से बढ़ाकर ₹5 लाख कर दिया है। यह कदम सदस्यों को चिकित्सा, शिक्षा, विवाह और आवास जैसे उद्देश्यों के लिए अधिक राशि की त्वरित निकासी की सुविधा प्रदान करेगा।
- **विस्तारित निकासी विकल्प :** सदस्यों के लिए निकासी के उद्देश्य को चिकित्सा के अलावा शिक्षा, विवाह और आवास तक विस्तारित किया गया है, जिससे उनकी वित्तीय आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सके।
- **स्वचालित दावा प्रक्रिया में सुधार :** ईपीएफओ ने दावा निपटान समय को घटाकर तीन दिन कर दिया है, और वर्तमान में 95% दावे स्वचालित रूप से संसाधित होते हैं, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ी है।

देश के नागरिकों की सोशल सिक्योरिटी का खास ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के मुताबिक, एक दशक पहले सोशल सिक्योरिटी कवरेज 24 प्रतिशत पर था, लेकिन मोदी सरकार के प्रयासों के कारण यह बढ़कर अब 48 प्रतिशत पर पहुंच गया है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि मौजूदा समय में देश में 8 करोड़ से अधिक ईपीएफओ के सदस्य हैं और 78 लाख से अधिक पेंशनर्स हैं। ऐसे में नए फैसले से 8.78 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष तौर पर फायदा होगा। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईपीएफओ मई के अंत या जून 2025 की शुरुआत तक एक बड़ा बदलाव करने जा रहा है। इस नए बदलाव के साथ ईपीएफओ के सदस्य यूपीआई और एटीएम के जरिए तत्काल अपना भविष्य निधि (पीएफ) निकाल सकेंगे। इस अपडेट के साथ कर्मचारियों को अब अपनी पीएफ बचत तक पहुंचने के लिए लंबी और समय लेने वाली प्रक्रियाओं से नहीं गुजरना पड़ेगा। श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा ने कहा कि सदस्य सीधे यूपीआई प्लेटफॉर्म पर अपना पीएफ बैलेंस भी देख सकेंगे और बिना किसी देरी के अपने पसंदीदा बैंक खातों में फंड ट्रांसफर कर सकेंगे। वर्तमान में, पीएफ फंड निकालने के लिए ऑनलाइन क्लेम जमा करने और अप्रूवल की प्रतीक्षा करने की जरूरत होती है, जिसमें कई दिन या सप्ताह भी लग सकते हैं।

केंद्र ने इस साल 25 मार्च तक किसानों से एमएसपी पर खरीदा 99.41 लाख बेल कपास

नई दिल्ली। केंद्र ने इस साल 25 मार्च तक सीधे किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 99.41 लाख बेल कपास खरीदा है, जो बाजार में कुल 260.11 लाख बेल की आवक का हिस्सा है। यह जानकारी मंगलवार को संसद में दी गई। इसी तरह, सरकार ने 2023-24 में सीजन के दौरान किसानों से कपास खरीदने के लिए एमएसपी संचालन के तहत 11,712 करोड़ रुपये खर्च किए। कपड़ा राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने राज्यसभा को एक लिखित जवाब में बताया कि भारतीय कपास निगम (सीसीआई) ने किसानों का समर्थन किया और एमएसपी संचालन के तहत 32.84 लाख बेल कपास की खरीद की, जिससे सभी कपास उत्पादक राज्यों में लगभग 7.25 लाख किसानों को लाभ हुआ।

भारतीय शेयर बाजार धड़ाम सेंसेक्स 1,390 अंक गिरा

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिली। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,390.40 अंक या 1.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,024.51 और निफ्टी 353.65 अंक या 1.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,165.70 पर था। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 442.65 अंक या 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,229.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 112.75 अंक या 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 15,982.95 पर था। बाजार में गिरावट की वजह 2 अप्रैल से अमेरिका द्वारा अपने ट्रेडिंग पार्टनर देशों पर लगाए जाने वाले पारस्परिक टैरिफ को माना जा रहा है। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, आईटी, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, पीएसयू बैंक, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। केवल मीडिया इंडेक्स ही हरे निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, एलएंडटी, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, टीसीएस और एक्सिस बैंक टॉप गेनर्स थे। केवल इंडसइंड बैंक और जोमैटो टॉप लूजर्स थे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड में रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "अमेरिका द्वारा पारस्परिक टैरिफ की घोषणा से पहले वैश्विक अस्थिरता के बीच, घरेलू बाजार में आज भारी बिकवाली देखी गई। निवेशक इन टैरिफ की बारीकियों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, साथ ही संभावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत पर भी कड़ी नजर रख रहे हैं। बड़ी गिरावट के बाद भी व्यापक बाजार का रुझान सकारात्मक था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2709 शेयर हरे निशान में, 1,343 शेयर लाल निशान में और 143 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए।

आग लगने से मकान क्षतिग्रस्त: ग्रामीणों की कोशिश से आग पर काबू

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। लटपौरी पंचायत अंतर्गत सबनवां गांव में मंगलवार की सुबह आग लगने से इदरीस अंसारी,सलीम अंसारी और सुहागा बीवी के मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ग्रामीणों की कोशिश से आग पर काबू पा लिया गया। इससे आग को फैलने से रोक लिया गया। कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष नदीम खान ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि इससे लाखों की क्षति पहुंची है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह और मुखिया उमेश राम तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने आग पर काबू पाने की ग्रामीणों की कोशिश की सराहना करते पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। बाद में अंचल अधिकारी रणवीर कुमार भी पहुंचे। उन्होंने तत्काल प्रभाव से पीड़ित परिवार को राशन उपलब्ध कराया। आग से पहुंची क्षति का आंकलन कराकर हर संभव मदद का भरोसा दिया। क्षेत्र भ्रमण कर रहे विधायक संजय कुमार सिंह यादव भी घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने बीडीओ सह सीओ, थाना प्रभारी और मुखिया को पीड़ित परिवार को मदद पहुंचाने में कोई कमी नहीं करने का निर्देश दिया। उन्होंने भी पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने का भरोसा दिलाया। मौके पर उनके अलावा दुलारे खान, लड्डू खान, अबरार खान, तबरेज खान, क्यामुद्दीन अंसारी, कलामुद्दीन अंसारी और हकीम अंसारी सहित अन्य कई लोग घटनास्थल पर मौजूद थे।

चार दिवसीय चैती छठ महापर्व अनुष्ठान नहाय-खाय के साथ शुरू

कद्दू, चावल व चने की दाल की रही है परंपरा

इन दिनों घाटों पर सुरक्षा, साफ- सफाई और रंग रोगन की तैयारी चल रही है। हुसैनाबाद के छठव्रती ने कहा कि आज नहाय-खाय के दिन चावल, कद्दू की सब्जी और चने की दाल बनाने की परंपरा रही है। पारंपरिक गीतों के साथ उन सभी ने प्रसाद ग्रहण किया है और बुधवार से खरना की तैयारी में जुट गई हैं।

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। लोक आस्था का महापर्व चार दिवसीय चैती छठ मंगलवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया है। सभी छठ व्रती सुबह से ही नदी या तालाब में स्नान कर कद्दू, चावल और चने की दाल का प्रसाद बनाकर ग्रहण किया। उन्होंने इसे बनाकर ग्रहण करते हुए भगवान सूर्य की आराधना भी की। नगर पंचायत द्वारा जपला छठ पोखरा घाट,गईता पोखरा, जमुहारी माई नहर मोड़ छठ घाट,दंगवार, देवरी सोन नदी आदि की साफ सफाई का कार्य पूरा कर दी गई हैं। जपला छठ पोखरा में पानी भरने का काम भी अंतिम चरण में है। शहर से लेकर गांव पूरा इलाका छठमय में हो चुका है। ऐसे में दंगवार सूर्य मंदिर व छठपोखरा घाट समेत विभिन्न छठ घाटों पर छठ पूजा को लेकर प्रशासनिक

देवी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बाजे गाजे के साथ किया भ्रमण

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड अंतर्गत कोशी पंचायत के ग्राम चनकार गोपाल में देवी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मंगलवार को बाजे गाजे के साथ गांव भ्रमण कर देवी मंदिर के पास वैदिक मंत्रोच्चारण के बाद झंडा गाड़कर स्थापित की गई। ग्रामीणों ने बताया कि 3 मई को जल यात्रा 9 मई को भंडारा का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। मौके पर विद्वान अयोध्या पीठ से चलकर आए के रमेश मिश्र मृदुल एवं राजेश मिश्र बालव्यास ,यजमान के रूप में बिंदेश्वरी सिंह ,हुसैनाबाद व्यापार मंडल अध्यक्ष कृष्णा बैठा ,पैक्स अध्यक्ष अजय सिंह, कोशी पंचायत के पूर्व मुखिया प्रत्यासी प्रमोद कुमार रजक, सत्येंद्र सिंह ,ललन सिंह, अरविंद कुमार सिंह ,मनीष कुमार सिंह ,उमेश बैठा ,मुना सिंह ,जयश्री सिंह, गीता देवी, सरिता देवी ,ममता कुमारी,गोलू कुमार,सतेंद्र सिंह, लालमोहन सिंह ,छोटू सिंह, मुनी कुमारी,लड्डू कुमार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

रामनवमी पर लायंस क्लब मेदिनीनगर का भंडारा, जरूरतमंदों को मिलेगा लाभ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर की एक महत्वपूर्ण बैठक निरमला मल्टीसिटी अस्पताल में आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रवीण सिद्धार्थ ने की। बैठक की शुरूआत क्लब फेमिना की सदस्य लायन अल्पना कुमार के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर की गई। क्लब सदस्यों ने उनके समाजसेवी योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। बैठक में आगामी रामनवमी पर्व को लेकर चर्चा हुई और सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस शुभ अवसर पर क्लब द्वारा भंडारे (अन्नदान) का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रभारी लायन वरुण जायसवाल ने बताया कि यह भंडारा झंडा चौक स्थित अनूप तिलकुट भंडार के समीप आयोजित होगा, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाया जा सके। आयोजन की सुचारू व्यवस्था के लिए स्वयंसेवकों की एक टीम गठित की जाएगी, और क्लब सदस्यों से अधिक से अधिक सहभागिता की अपील की गई। इसके अलावा, बैठक में रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर और यातायात सहायता कार्यक्रम आयोजित करने पर भी चर्चा हुई। क्लब सदस्यों ने इन सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी का आश्वासन दिया।

बैठक के अंत में क्लब सचिव निलेश चंद्र ने सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया और समाजसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने की अपील की। बैठक में क्लब के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

राम नवमी पर राष्ट्रीय सामाजिक सेवा समिति भव्य शोभा यात्रा निकालेगी , भंडारे का भी होगा आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रामनवमी के अवसर पर राष्ट्रीय सामाजिक सेवा समिति द्वारा गुरुवार को भव्य झांकी निकाली जाएगी। इसके साथ ही समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी समिति के मुख्य आयोजकों आशुतोष कुमार तिवारी, संजय बर्मन, भरत कुमार द्विवेदी, सुनील कुमार, प्रमोद चंद्रवंशी, राजा गुप्ता और छोटू कुमार ने संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। समिति के सदस्यों ने बताया कि शहर के छह मुहान चौक पर रामनवमी के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें समाजसेवा एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जो शाम छह बजे से सात बजे तक चलेगा। समिति ने पलामू वासियों से बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल होकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद उठाने और भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने की अपील की। समारोह में नगर आयुक्त जावेद हुसैन, मेयर प्रत्याशी विनय सिंह उर्फ बीनू सिंह, जनरल अध्यक्ष युगल किशोर, भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, सिविल सर्जन अनिल कुमार सिंह, अविनाश देव, मंगल सिंह, दुर्गा प्रसाद जौहरी, बिट्टू पाठक और शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

कामेश्वर अवध इंटरनेशनल स्कूल में ओरिएंटेशन कार्यक्रम संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के चियांकी हवाई अड्डा के निकट स्थित कामेश्वर अवध इंटरनेशनल स्कूल में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों के साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक संजीव तिवारी एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अतिथियों को शॉल और बुके देकर सम्मानित किया गया। निदेशक संजीव तिवारी ने कहा कि विद्यालय छात्रों को आधुनिक सुविधाओं के साथ व्यवहारिक ज्ञान भी प्रदान कर रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अभिभावकों को विद्यालय के नियम, सुविधाएं और शिक्षा प्रणाली से अवगत कराना था। कार्यक्रम की शुरूआत में शिक्षकों ने 'इतनी शक्ति हमें देना दाता' गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद छात्रों ने नृत्य और संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए। राम-श्याम बंधू ने गीत, गजल और भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। मंच संचालन शिक्षक परशुराम तिवारी ने किया। इस मौके पर ट्रस्टी प्रियंका तिवारी, प्राचार्या संगीता पांडेय, एलीट पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल वररुचि राकेश, विजय दुबे, अरुणिश आर्क, ब्रजेश तिवारी, संजय तिवारी, जय प्रकाश तिवारी, अरुण

सरना स्थल पर हुई प्राकृति की पूजा संस्कृतिक जुलूस का आयोजन

टंडवा (चतरा)। मंगलवार को टंडवा प्रखंड में ब्लॉक मोड़ स्थित सरना स्थल पर सरहूल समारोहपूर्वक मनाया गया। प्रकृति को समर्पित है इस त्यौहार के दौरान प्राकृति के रुप में सखुवा के फूल, पेड़ और महुवा के फलों को पवित्र सरना स्थल पर रख कर पूजा की गई। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य सुभाष यादव ने कहा कि सरहुल केवल एक पर्व नहीं है बल्कि यह प्रकृति और जीवन के बीच संतुलन का प्रतीक है। राहम के मुखिया विश्वजीत उरांव ने कहा कि आदिवासी समाज के लोग धरती माता से इस दौरान प्रार्थना करते हैं की धरती पर मौजूद समस्त लोग व पेड़-पौधे स्वस्थ रहें। सभी जीव-जंतुओं को दाना पानी मिलता रहे, बारिश ठीक से हो। इस दौरान टंडवा बैल बाजार से ब्लॉक मोड़ सरना स्थान तक भव्य संस्कृतिक जुलुस निकाला गया।

नि:शुल्क व बेमिसाल मिशन समृद्धि संस्था की अनूठी पहल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मिशन समृद्धि संस्था द्वारा संचालित 'समृद्धि की पाठशाला' निःशुल्क है और अपनी अनूठी सेवा भावना के लिए बेमिसाल है। इस पाठशाला में सेवा देने वाले सभी सदस्य निःस्वार्थ रूप से समर्पित हैं। जनकपुरी और कचरवा में संचालित इस पाठशाला में बच्चों के लिए संस्था निरंतर पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराती रही है। उनके अच्छे स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें चना-गुड़ दिया जाता है, साथ ही मौसम के अनुसार फल भी प्रदान किए जाते हैं।

पलामू में एक ऐसा वर्ग है जिसके लिए आज भी शिक्षा प्राथमिकता नहीं है। मिशन समृद्धि संस्था ने कचरवा टोला में लगभग दस वर्षों से शिक्षा को लेकर महिलाओं और बच्चों में जागरूकता फैलाई है। पहले वहाँ के बच्चों को अपनी पहचान तक नहीं पता थी, और वे चोरी व नशे जैसी गलत आदतों में लिप्त रहते थे। गाय-बकरी चराने में ही उनका समय बीतता था, जबकि पुरुष ताश खेलने में व्यस्त रहते थे। संस्था के सतत प्रयासों और मजबूत संकल्प को देखकर धीरे-धीरे माहौल बदला। अब हर बच्चा वहाँ पढ़ने के लिए तैयार रहता है। मिशन समृद्धि संस्था का दस वर्षों का सफर संघर्षपूर्ण रहा है। अभी भी वहाँ बच्चों को शिक्षित करने के लिए काफी मेहनत की जरूरत है, जिसे संस्था निरंतर प्रयासरत है। हम उन महान व्यक्तियों के आभारी हैं जिन्होंने अपना नाम उजागर नहीं किया, लेकिन उनकी मदद से अब बच्चों के लिए भोजन और पाठ्य सामग्री की कोई कमी नहीं होती। बिहार की आरती श्रीवास्तव का भी इस कार्य में अहम योगदान है, जो बच्चों के भविष्य को संवारने में सहायता कर रही हैं। संस्था की अध्यक्ष शीला श्रीवास्तव ने कहा कि यदि आज सहयोग मिल रहा है, तो यह संस्था के सदस्यों की कर्तव्यनिष्ठा का ही परिणाम है, जिससे लोग योगदान देना सार्थक समझ रहे हैं। 'समृद्धि की पाठशाला' समाज और राष्ट्र को सभ्य, सुसंस्कृत और जिम्मेदार नागरिक सौंपने के अपने लक्ष्य को कभी मरने नहीं देगी। बैजन्ती गुप्ता, अहिल्या गिरि, वीणा राज, ममता कुमारी, रंजीता कुमारी, आशा शर्मा एवं अन्य सदस्यों के सराहनीय योगदान के बिना यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

रामभक्तों ने निकाली मंगलवारी जुलूस, जय श्रीराम के नारों से गूंजयमान रहा क्षेत्र

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। जपला महावीर भवन परिसर से जपला नगर के बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा मंगलवारी बाइक जुलूस निकाली गई। जय श्रीराम के नारों से क्षेत्र गूंजयमान हो रहा है। यह जुलूस निकाल कर शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के राम भक्तों को शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया गया। साथ ही इसमें शामिल होने वाले विभिन्न अखाड़ा समितियों से बाइक रैली निकालकर संपर्क करते हुए सभी अखाड़ा समितियो से आग्रह किया गया कि वे अपने-अपने अखाड़ा से निकालकर गांधी चौक पर चारों दिशाओं से आने वाले जुलूस का मिलान करते हुए महावीर जी मंदिर में आरती के बाद मंगलवारी जुलूस का समापन किया गया। मौके पर मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष लोकनाथ केसरी, संतोष कश्यप, गौतम कास्कार, पंकज गुप्ता, बीकू कश्यप राहुल केसरी,राजू सोनी, अक्षय कुमार, रवि चंदेल, धनंजय सोंडिक, पवन गुप्ता, संदीप सोनी, अंकुश कांस्यकार, शंभू सौंडिक, आशु कुमार, प्रमोद कुमार विकास कास्कार सहित काफी संख्या में श्री रामभक्त शामिल थे।

राजेंद्र प्रसाद सिन्हा लगातार पांचवीं बार झामुमो जिला अध्यक्ष बने

मेदिनीनगर। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय नेतृत्व ने पलामू जिला में राजेंद्र प्रसाद सिन्हा को लगातार पांचवीं बार जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है, जिससे झामुमो टीम में हर्ष का माहौल है। कल से ही पार्टी कार्यालय में बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने इस अवसर पर कहा कि वे केंद्रीय अध्यक्ष गुरुजी, कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन जी और समस्त केंद्रीय नेतृत्व के प्रति तहे दिल से आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने संयोजक मंडली और पार्टी के उन सभी पुराने साथियों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने उनके साथ मिलकर संगठन को मजबूत किया और उन पर निरंतर विश्वास बनाए रखा। उन्होंने कहा कि आगे भी पूरे जोश और उत्साह के साथ कार्य किया जाएगा तथा झामुमो को पलामू में और अधिक हाईटेक व सशक्त बनाने का प्रयास जारी रहेगा। साथ ही, उन्होंने झामुमो पलामू टीम और पलामू की जनता के प्रति भी आभार व्यक्त किया। राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने कहा कि जनता के प्रेम और समर्थन से ही उन्हें यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

खुशनुमा माहौल में मनायी गयी ईद का त्योहार

हुसैनाबाद। खुशनुमा वातावरण में ईद का त्योहार संपन्न हो गया। सोमवार को अकीदत के साथ ईद की नमाज अदा की गयी। नमाजियों में उत्साह के साथ बुजुर्ग, नौजवान, बच्चे शामिल हुए। हुसैनाबाद के दातानगर स्थित ईदगाह के मैदान में काफी संख्या में पहुंच कर अकीदतमंदों ने ईद की नमाज पढ़ी। इसके अलावा लंबी गली तालाब मस्जिद, इस्लामगंज मदरसा,नूरी मस्जिद आदि समेत कई मस्जिदों में आयोजित नमाज में काफी संख्या में नमाजियों ने शिरकत की। ईद के नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

जहरीला पदार्थ खाने से युवती गंभीर, रेफर

हुसैनाबाद। शहरी क्षेत्र के जपला धरहरा की 20 वर्षीय प्रीति कुमारी ने मानसिक तनाव में आकर जहरीला पदार्थ खा ली। गंभीर स्थिति में परिजनों ने उसे इलाज के लिए हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर एमएमसीएच रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि प्रीति ने परिवार से नाराजगी के चलते विषाक्त पदार्थ का सेवन कर ली। थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि लिखित शिकायत मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पेज एक के शेष

पूर्वजों से विरासत...

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुझे यहां आयोजित सरहुल महोत्सव में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यहां आकर आप सभी के साथ खुशियों को बांटने का मौका मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, यहां हम प्रकृति को संरक्षित रखने और अपनी परंपराओं को लेकर आगे बढ़ने का एक संकल्प लेते हैं। हमारा संकल्प पूरा हो, इस दिशा में सदैव प्रयास करते रहना चाहिए। स अवसर पर कृषि मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की एवं विधायक कल्पना सोरेन ने भी पारंपरिक विधि- विधान से पूजा-अर्चना कर राज्य के विकास तथा खुशहाली की कामना की।

सरहुल पर झारखंड...

आदिवासी समाज के इस महा पावन पर्व के महत्व को देखते हुए इस वर्ष से दो दिन का राजकीय अवकाश घोषित किया जाता है। सीएम ने कहा कि झारखंड की संस्कृति एवं परंपराओं की गौरवशाली धरोहर को हम सहेजते आए हैं और सदैव सहेजेंगे।

वक्फ संशोधन बिल...

उन्होंने बताया है कि इस बिल के लिए 8 घंटे की चर्चा तय की गई है। उधर, विपक्ष की मांग है कि इस बिल को लेकर कम से कम 12 घंटे की चर्चा हो, लेकिन इसको लेकर संसदीय कार्य मंत्री का कहना है कि 4 अप्रैल को संसद का सत्र खत्म हो जाएगा और इसके पहले इस बिल को राज्यसभा में भी ले जाकर पारित करना है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने कहा के वक्फ बिल का मुद्दा लोकसभा के लिए जितना अहम है, उतना ही अहम राज्यसभा के लिए भी है। उन्होंने कहा कि यदि दो दिन तक लोकसभा में चर्चा होगी, तो राज्यसभा के लिए समय नहीं बचेगा। रिजिजू ने कहा कि हम एक अच्छा बिल लेकर आए हैं। यह संसद के रिकॉर्ड में दर्ज होगा कि किसने इसका समर्थन किया और कौन इसके विरोध में लगा रहा। इसके बाद किरेन रिजिजू ने कहा, हम हाथ जोड़कर विनती करते हैं कि बिल पर बोलने के लिए कुछ नहीं है, तो बहाना मत बनाइए, खुलकर बोलिए। उन्होंने कहा कि बिल पर चर्चा के लिए समय बढ़ाया जा सकता है, लेकिन बिल को पारित इसी दिन करना होगा। केंद्र सरकार के मंत्री ने कहा कि बहुत से मुस्लिम भी इस बिल के समर्थन में हैं। जेपीसी में इतनी चर्चा हो चुकी है, अब बस केवल भ्रम फैलाया जा रहा है। मालूम हो कि वक्फ बिल को पास करने के लिए मोदी सरकार ने लगभग हर इंतजाम की कोशिश कर ली है। भाजपा सांसदों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि सदन की कार्यवाही के दौरान किसी भी मुद्दे पर जरूरत से ज्यादा उत्तेजित न हों, जिसका फायदा उठाकर विपक्षी दलों को हंगामा करने का मौका मिले और संसद की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ जाए।

सराहनीय पहल

विधायक ने विस में उठाया मुद्दा

तीन दशक में भी पूरा नहीं हो सका है भीम बराज से ऊपरी नहर निकालने का सपना

पूर्व विधायक ने कुदाल यात्रा अभियान चलाया था

उत्तर कोयल मुख्य नहर से सिंचाई की सुविधा से वंचित क्षेत्र की इस समस्या को पहली बार 90 के दशक में पूर्व विधायक दशरथ कुमार सिंह ने गंभीरता से लेते हुए चुनावी मुद्दा के रूप में ऊपरी नहर परियोजना को लेकर कुदाल यात्रा निकाली थी। मगर दूसरी बार विधायक नहीं बनने के बाद मुद्दा ठंडा पड़ गया था। तब बाद में पहली बार विधायक और विभागीय मंत्री रहते इस नहर के निर्माण के लिए कमलेश कुमार सिंह ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के हाथों भीम बराज के जीरो आरडी पर आधारशिला भी रखवाया था। बताया जाता है कि तब इस नहर परियोजना को लेकर भूमि अधिग्रहण के लिए किसानों को नोटिस और मुआवजा भुगतान के लिए राशि का आवंटित करने की बात भी तब सामने आई थी। मगर सरकार का कार्यकाल खत्म होने के बाद इसकी गतिविधियों पर विराम लग गया। इस प्रकार इसके निर्माण का सपना अधूरा रह गया था। भले ही भीमचूल्हा के समीप शिलान्यास पट्ट से शिलालेख गायब हो गया है। मगर शिलान्यास स्थल पर बना आधार आज भी इसकी गवाह है। तब कहा भी जाने लगा था कि इससे पूरा इलाका कृषि के मामले में पंजाब-हरियाणा जैसा हो सकता था। खेती-किसानी होने से इस इलाके के लोगों को रोजी-रोटी के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करने को विवश नहीं होना पड़ेगा।

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। भीम बराज से ऊपरी नहर निकालने का सपना तीन दशक बाद भी पूरा नहीं हो सका है। बताया जाता है कि इस नहर के बनने से उत्तर कोयल मुख्य नहर परियोजना की सिंचाई सुविधा से वंचित और बारिश के भरोसे पर परती रह जाने वाली कृषि योग्य भूमि में बड़े पैमाने पर खेतीबाड़ी होने से संबंधित क्षेत्र के किसान स्वावलंबी बन सकते हैं। हालांकि इस परियोजना के प्रारंभिक काल में ऊपरी क्षेत्र से ही भीमबराज से मुख्य नहर को ले जाने की बात थी। मगर राजनीतिक प्रभाव के जोर से मध्य भाग से होकर नहर परियोजना को बनाया गया। नतीजतन विस क्षेत्र का बड़ा भूभाग सिंचाई के लाभ से आज तक वंचित रह गया है। वैसे 20 के दशक में काशीसोत डैम का निर्माण किया गया है। मगर इससे सीमित क्षेत्र में ही सिंचाई संभव हो सका है। लक्ष्य के अनुरूप डिस्ट्रीब्यूट्री कैनाल का काम पूरा नहीं किए जाने से लक्षित क्षेत्र तक सिंचाई संभव नहीं हो पाती है।

वर्तमान विधायक ने विस में फिर मुद्दे को जगाया : बताया जाता है कि अब आज भी मौजू इस मुद्दे को हाल के विस सत्र के दौरान वर्तमान विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने गरमाया है। बजट सत्र के दौरान विस पटल पर इसको रखने से इस परियोजना के पूरा होने की उम्मीद एक बार फिर से जग गई है। हालांकि इसमें विधायक ने जल संसाधन विभाग के बजट पर चर्चा के दौरान भीमबराज से लिफ्ट इरिगेशन के माध्यम से महुडंड के पठारी इलाकों के लिए सिंचाई का इंतजाम करने की जरूरत पर बल दिया है। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि इससे उत्तर कोयल मुख्य नहर की सिंचाई सुविधा से वंचित मैदानी और पहाड़ों की तलहटी की बंजर होती भूमि पर फसलों के लहलहाने के किसानों की उम्मीदें पूरी होती है, या नहीं। किसानों का यह भी बड़ा सवाल खड़ा है।

अकीदत के साथ ईद मनाई, देश की तरक्की की दुआ मांगी

मोहम्मदगंज। प्रखंड क्षेत्र में अकीदत और पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ इस्लाम धर्मावलंबियों का महान पर्व ईद-उल-फितर मनाया गया। इसे लेकर सबनवां, करिया, रामबांध, कोसियारा, बलडिहरी ईदगाह और गोड़ाडीह मस्जिद में नमाज अदा की गई। इसमें देश व राज्य की तरक्की और अमन की दुआ मांगी गई। सुबह से ही इसे लेकर घर-घर में उमंग और उत्साह का माहौल बना रहा। नव परिधानों में सुसज्जित अकीदतमंदों ने भारी संख्या में इकट्ठे होकर नमाज में शिरकत किया। इसमें काफी संख्या में बच्चे भी शामिल नजर आए। नमाज के बाद सभी ने हाथ और गले मिलाकर एक दूसरे को मुबारकबाद दी। विशिष्टजनों ने भी क्षेत्र में घूम-घूम कर अकीदतमंदों के गले मिल उन्हें ईद की बधाई दी। सेवईयों व अन्य व्यंजनों को ग्रहण किया। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह, युवा समाजसेवी अश्विनी कुमार सिंह, मंटू सिंह और जवाहर सिंह सहित अन्य शामिल थे। वर्षों बाद 29 दिनों में दिखे चांद पर मनी ईद गोड़ाडीह पंचायत के पूर्व मुखिया पंचम खान ने बताया कि इस साल के ईद-उल-फितर त्योहार को लेकर विशेषता यह रही कि 29 दिनों पर दिखे चांद बाद ही माहे रमजान पूरा हो गया था।

'आरबीआई' ने डिजिटल भुगतान में भारत को बनाया ग्लोबल लीडर : राष्ट्रपति

मुंबई (आईएएनएस)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूपीआई जैसे इनोवेशन के साथ भारत को डिजिटल भुगतान में ग्लोबल लीडर बनाने में आरबीआई की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए केंद्रीय बैंक की सराहना की। आरबीआई के 90वें वर्ष के अवसर पर समापन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, "देश के पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर का लगातार आधुनिकीकरण कर, रिजर्व बैंक ने यह सुनिश्चित किया है कि डिजिटल लेनदेन न केवल सहज और कुशल हों, बल्कि सुरक्षित भी हो। यूपीआई जैसे इनोवेशन ने वित्तीय पहुंच में क्रांति ला दी है, जिससे तत्काल, कम लागत वाले लेनदेन संभव हुए हैं और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है।

भुगतान से परे, आरबीआई ने एक जीवंत फिनटेक इकोसिस्टम का पोषण किया है। उन्होंने कहा कि नौ दशकों में आरबीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि 'लोगों का विश्वास जीतना' है। आरबीआई ने मूल्य स्थिरता, विकास और वित्तीय स्थिरता के अपने जनादेश को दृढ़ता से बनाए रखते हुए यह विश्वास अर्जित किया है। साथ ही, हमारे बढ़ते देश की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंक ने इन जरूरत के अनुरूप लगातार खुद को ढाला है। 1990 के दशक में आर्थिक उदारीकरण से लेकर कोविड-19 महामारी तक प्रमुख चुनौतियों के प्रति आरबीआई की तुरंत प्रतिक्रियाएं इसके लचीलापन और अनुकूलनशीलता को उजागर करती हैं। तेजी से आगे बढ़ रही दुनिया में आरबीआई ने भी यह भी सुनिश्चित किया है कि भारत का फाइनेंशियल सिस्टम किसी भी प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय ट्रेंड को लेकर लचीला बना रहे।

आरबीआई आजादी से पहले के समय से गरीबी झेल चुका है

राष्ट्रपति ने कहा कि आरबीआई देश में सबसे महत्वपूर्ण संस्थानों में से एक के रूप में उभरा है। उन्होंने बताया कि आम आदमी का आरबीआई से कोई सीधा संपर्क नहीं होता है। यह संबंध केवल आम आदमी की जेब में मौजूद करेंसी नोटों पर छपे केंद्रीय बैंक के नाम तक ही सीमित होता है। लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से, बैंकों और अन्य माध्यमों से आम लोगों के सभी वित्तीय लेन-देन आरबीआई द्वारा नियंत्रित होते हैं और वे सहज रूप से इसके द्वारा देखरेख किए जाने वाले फाइनेंशियल सिस्टम में अपना पूरा विश्वास रखते हैं। उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय बैंक के रूप में आरबीआई भारत की अविश्वसनीय विकास कहानी के केंद्र में है।

आगे का रास्ता नई जटिलताएं और चुनौतियां पेश करेगा

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि जैसे-जैसे भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरा करने के करीब पहुंच रहा है, 'विकसित भारत 2047' का मिशन एक ऐसे फाइनेंशियल इकोसिस्टम की मांग करता है जो इनोवेटिव, अनुकूलनीय और सभी के लिए सुलभ हो। उन्होंने कहा कि आगे का रास्ता नई जटिलताएं और चुनौतियां पेश करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्थिरता, इनोवेशन और समावेशिता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, आरबीआई ताकत का एक स्तंभ बना रहेगा - विश्वास को मजबूत करेगा और भारत को समृद्धि और ग्लोबल लीडरशिप के भविष्य की ओर ले जाएगा।

सांसद के एक ही सवाल पर राज्यसभा ने अलग-अलग जवाब दिए

ब्यूरो

नई दिल्ली । विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने संसद में एक ही प्रश्न के तीन वर्ष के अंतराल पर दो अलग-अलग उत्तर दिए हैं। स्वतंत्रता के बाद 2022 में विज्ञान नीति लागू करने वाला पहला राज्य कौन सा है, इस प्रश्न का उत्तर गुजरात था। 2025 में यह केरल होगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्यसभा सांसद पी. संतोष कुमार ने दोनों ही मौकों पर यह प्रश्न उठाया। 2022 में उन्होंने मंत्रालय से पूछा कि "क्या स्वतंत्रता के बाद से किसी राज्य सरकार ने कभी विज्ञान नीति शुरू की है?" इस पर मंत्रालय ने उत्तर दिया, "हां सर, गुजरात राज्य ने 2018 में अपनी विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति लाई थी।" प्रश्न को थोड़ा अलग ढंग से प्रस्तुत करते हुए 13 मार्च को उन्होंने पूछा, "स्वतंत्रता के बाद विज्ञान नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य कौन सा है?" मंत्रालय ने जवाब देते हुए कहा, "केरल पहला राज्य था जिसने 1974 में स्वतंत्रता के बाद विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति लागू की थी।" संतोष ने कहा, "संसद का प्राथमिक कार्य कार्यकारी को जवाबदेह बनाना है। संसदीय प्रश्न इसके लिए प्राथमिक साधन हैं। लेकिन सवालों का जवाब देने का यह गैर-जिम्मेदाराना और लापरवाही भरा तरीका मूल उद्देश्य को ही खत्म कर देता है।

नेतन्याहू ने रद्द की इजरायली सुरक्षा एजेंसी के नए प्रमुख की नियुक्ति अपने फैसले से क्यों पलटे?

यरूशलम (आईएएनएस)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वाइस एडमिरल

(सेवानिवृत्त) एली शार्विट को इजरायली सुरक्षा एजेंसी शिन बेट का नया प्रमुख नियुक्त करने का फैसला वापस ले लिया। राजनीतिक सहयोगियों के विरोध और अपने सहयोगियों से जुड़ी जांच के बाद उन्होंने यह फैसला लिया। हालांकि, हाल के घटनाक्रमों ने उन्हें नियुक्ति रद्द करने के लिए मजबूर कर दिया। यह विवाद चल रही 'कतरगेट' जांच से उपजा है, जिसमें नेतन्याहू के दो करीबी सहयोगी जोनाथन उरीच और एली फेल्डस्टीन फंस गए हैं।

गरीबी मिटाने के लिए पीएम मोदी 10 साल से कर रहे हैं तपस्या : तरुण चुघ

पटियाला (आईएएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने मंगलवार

को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश से गरीबी मिटाने के लिए 10 साल से तपस्या कर रहे हैं। उन्होंने भगवान से उनकी सफलता और 'विकसित भारत' का संकल्प पूरा होने की कामना की। तरुण चुघ मंगलवार को पंजाब के पटियाला स्थित प्रसिद्ध काली माता मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "नवरात्र के पावन अवसर पर पंजाब के पटियाला में स्थित प्रसिद्ध काली माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

लैटिन अमेरिका में भारत का 'महत्वपूर्ण मित्र है चिली : पीएम

नई दिल्ली (आईएएनएस)

पीएम मोदी ने मंगलवार को चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट और उनके उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का भारत में उनके पहले राजकीय दौरे पर स्वागत किया। उन्होंने चिली को लैटिन अमेरिका में भारत का 'महत्वपूर्ण मित्र और साझेदार' बताया। संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों पर प्रकाश डाला और सहयोग को अधिक बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "लैटिन अमेरिका में चिली भारत का एक महत्वपूर्ण मित्र और साझेदार देश है। आज की चर्चाओं में हमने आने वाले दशक में सहयोग बढ़ाने के लिए कई नई पहलों की पहचान की। हम आपसी व्यापार और निवेश में बढ़ोतरी का स्वागत करते हैं। हम इस बात पर सहमत हैं कि इसमें और अधिक सहयोग की क्षमता भी है। प्रधानमंत्री ने बताया कि दोनों पक्षों ने अपनी टीमों को 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते' पर चर्चा शुरू करने का निर्देश दिया, जिससे व्यापार संबंधों को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि भारत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, नवीकरणीय ऊर्जा, रेलवे और अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी में चिली के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने का इच्छुक है। उन्होंने अंटार्कटिका के प्रवेश द्वार के रूप में चिली के रणनीतिक महत्व को रेखांकित किया और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित आशय पत्र का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने चिली की स्वास्थ्य सुरक्षा में भारत के योगदान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने सहयोग को और गहरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। राष्ट्रपति बोरिक ने कहा, "चिली की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में भारत एक विश्वसनीय भागीदार रहा है। हम इस सहयोग को और गहरा करने पर सहमत हुए। सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए, पीएम मोदी ने 4 नवंबर को राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में अपनाने के चिली के फैसले की सराहना की और इसे एक 'प्रेरक' संकेत बताया। वैश्विक स्तर पर, दोनों नेताओं ने बातचीत के माध्यम से संघर्षों को हल करने की जरुरत पर सहमति जताई और समकालीन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) और अन्य वैश्विक संस्थाओं में सुधारों का समर्थन किया।

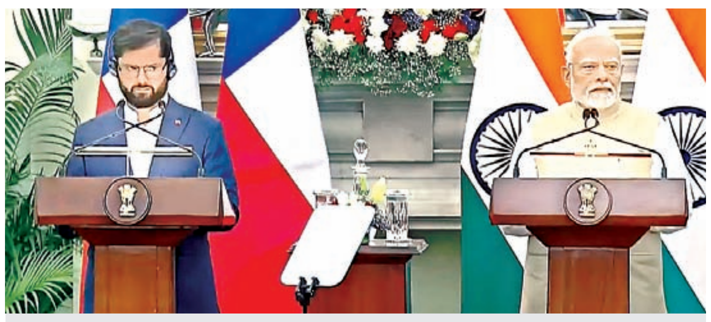

1. **प्रौद्योगिकी में सहयोग :** प्रधानमंत्री मोदी ने चिली के साथ इन क्षेत्रों में भारत की विशेषज्ञता साझा करने की इच्छा व्यक्त की।
2. **अंटार्कटिका के प्रवेश द्वार के रूप में चिली का रणनीतिक महत्व** : दोनों नेताओं ने इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
3. **स्वास्थ्य सुरक्षा में सहयोग :** प्रधानमंत्री मोदी ने चिली की स्वास्थ्य सुरक्षा में भारत के योगदान को रेखांकित किया और इस सहयोग को और गहरा करने की प्रतिबद्धता जताई।
4. **राष्ट्रीय योग दिवस की स्वीकृति** : चिली द्वारा 4 नवंबर को राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में अपनाने के फैसले की प्रधानमंत्री मोदी ने सराहना की और इसे प्रेरणादायक बताया।
5. **वैश्विक मुद्दों पर संयुक्त दृष्टिकोण :** दोनों नेताओं ने बातचीत के माध्यम से संघर्षों को हल करने की आवश्यकता पर सहमति जताई और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तथा अन्य वैश्विक संस्थाओं में सुधारों का समर्थन किया।

बीजिंग का सैन्य अभ्यास 'उकसावा', क्षेत्रीय शांति को खतरा : ताइवान

ताइपे। ताइवान के आसपास चीन के संयुक्त सैन्य अभ्यास की ताइपे ने मंगलवार को कड़ी निंदा की। इसने कहा कि बीजिंग की उकसावे वाली गतिविधियां क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा हैं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने चीनी सैन्य अभ्यास को यथास्थिति में व्यवधान बताया और कहा कि उसने खतरों के जवाब में सैन्य जहाजों और विमानों को तैनात कर दिया। रक्षा मंत्रालय ने कहा, "मंगलवार सुबह ताइवान के आसपास 19 चीनी नौसेना के जहाजों की गतिविधि देखी गई। ताइवान के सशस्त्र बलों ने स्थिति पर नज़र रखी और गतिविधियों का पता लगाने के लिए सीएपी विमान, नौसेना के जहाजों और तटीय मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, "हम ताइवान के पास चीन के संयुक्त सैन्य अभ्यास की कड़ी निंदा करते हैं। पूर्वी और दक्षिण चीन सागर से लेकर ओशिनिया तक चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के उकसावे से क्षेत्रीय शांति को खतरा है। हम बीजिंग से आग्रह करते हैं कि वह लापरवाह व्यवहार के जरिए यथास्थिति और इंडो-पैसिफिक शांति-स्थिरता को अस्थिर करना बंद करे।

- **खतरों के जवाब में सैन्य जहाजों और विमानों को तैनात कर दिया।**

पाकिस्तान में रमजान में इस वर्ष हुए सबसे अधिक आतंकी हमले

एजेंसी । नई दिल्ली

पाक इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज ने बताया है कि पाकिस्तान में रविवार को समाप्त हुए रमजान माह के दौरान कम से कम 84 हमले हुए हैं। पिछले वर्ष रमजान माह के दौरान 26 हमले हुए थे। इसका कारण यह है कि पाकिस्तानी तालिबान ने नवंबर 2022 में जहां सरकार के साथ एकतरफा युद्धविराम समाप्त कर दिया, वहीं अब बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने भी बड़े पैमाने पर हमला करने की अपनी क्षमता विकसित कर ली है। दोनों ने हिंसा में वृद्धि में योगदान दिया है।

ज्ञात हो कि प्रतिबंधित बीएलए का 11 मार्च 2025 को दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में ट्रेन अपहरण के पीछे हाथ था, जिसमें कम से कम 25 लोग मारे गए थे। एक अन्य थिंक टैंक, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज ने रमजान माह के पहले तीन हफ्तों में 61 हमले दर्ज किए। इसने कहा कि पिछले वर्ष रमजान माह में कुल 60 हमले हुए थे। इसमें यह भी कहा गया है कि सुरक्षाकर्मियों के लिए यह एक दशक का सबसे घातक रमजान था। इसमें 2 मार्च से 20 मार्च 2025 के बीच 56 लोग मारे गए हैं। वहीं, पाकिस्तान संघर्ष एवं सुरक्षा अध्ययन संस्थान के प्रबंध निदेशक अब्दुल्ला खान ने आतंकवादी गतिविधियों में समग्र वृद्धि का हवाला दिया। खान ने कहा कि विभिन्न समूहों का एकीकरण हुआ है। बलूच गुट हाथ मिला रहे हैं। कुछ क्षेत्रों (उत्तर-पश्चिम) में हाफिज गुल बहादुर गुट पाकिस्तानी तालिबान से भी ज्यादा घातक है, वह उनसे प्रतिस्पर्धा कर रहा है। उन्होंने कहा कि लश्कर-ए-इस्लाम जैसे प्रतिबंधित संगठन भी फिर से सक्रिय हो रहे हैं, जो उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा से अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। पाकिस्तान ने पड़ोसी देश अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर ऐसे समूहों को पनाह देने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्ष 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से आतंकवादी फल-फूल रहे हैं। काबुल ने इसे खारिज कर दिया है। खान ने खुफिया विफलताओं की ओर भी इशारा किया। इनमें बलूचिस्तान में ट्रेन अपहरण की घटना और राज्य व जनता के बीच बढ़ते विश्वास की खाई भी शामिल है। उन्होंने कहा कि जनता का समर्थन वापस पाना महत्वपूर्ण है। जनता ही रक्षा की पहली पंक्ति है।

- **पिछले वर्ष 26 हमले हुए थे, वर्ष 2025 में हुए 84 हमले**
- **विभिन्न थिंक टैंक के अध्ययन में यह बात आई है सामने**

नेपाल : पूर्व राजा पर भड़के पीएम ओली, कहा
दोषी पाए गए तो करना होगा सजा का सामना

काठमांडू (आईएएनएस)

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने हिंसक विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले राजशाही

समर्थकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि 28 मार्च की हिंसा में दोषी पाए जाने पर पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह को भी नहीं बख्शा जाएगा। स्थानीय मीडिया के अनुसार सोमवार को प्रतिनिधि सभा की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने एक वीडियो बयान के जरिए शाह पर प्रदर्शनकारियों को भड़काने का आरोप लगाया। ओली ने कहा कि पूर्व राजा समेत आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को सजा से छूट नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने सवाल किया, "क्या सिंहासन वापस पाने की आकांक्षा रखने वालों को विरोध और उसके परिणामों पर अपनी स्थिति सार्वजनिक रूप से नहीं बतानी चाहिए? ओली ने संसद में कहा, "उन्हें (पूर्व राजा को) किसी भी तरह से सजा से छूट नहीं दी जाएगी। जो लोग वर्तमान व्यवस्था को उखाड़ फेंकने और राजशाही को दोबारा स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें 28 मार्च की घटनाओं पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। इन भयावह कृत्यों के दोषियों को कड़ी कानूनी कार्रवाई का सामना करना होगा। संसद को संबोधित करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के सांसदों को संविधान को खत्म करने से बचने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वे चार्टर की रक्षा करने के लिए शपथबद्ध हैं। इस बीच, ओली के भाषण ने संसद में आरपीपी के सांसदों के विरोध को भड़का दिया। नेपाल के प्रमुख दैनिक 'काठमांडू पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी प्रमुख राजेंद्र लिंगडेन ने 2008 में राजशाही के खात्मे के बाद से ही रिपब्लिकन पार्टियों पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

MDPH
Zed Black
प्रीमियम अगरबत्ती एवं धूप
Zed Black
Premium Incense Sticks
3-IN-1
प्रार्थना होगी स्वीकार
MS Dhoni
Brand Ambassador, Zed Black
SCAN TO WATCH ZED BLACK'S NEW TVC
Follow us on: @zedblackin

कहानी फिल्म जगत की

वेटरन एक्टर धर्मेंद्र की आंखों की हुई सर्जरी
पट्टी लगाकर अस्पताल से निकलते हुए दिखे...

फैंस के लिए कहा- अभी मुझमें बहुत दम है

इंस्टाग्राम पर एक पैपराज़ो ने अभिनेता का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह मेडिकल प्रक्रिया से गुजर रहे थे। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की मोतियाबिंद की सफल सर्जरी हुई है, अस्पताल से बाहर निकलते समय उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कभी करोड़ों दिलों पर राज करने वाले दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की अब उम्र हो गयी है। वह बहुत कम ही बाहर निकलते हैं। जहां धर्मेंद्र की पत्नी हेमा मालिनी मीडिया से रूबरू होती रहती है कभी सिनेमा के इवेंट में तो कभी बतौर नेता, राजनीतिक बयानों के कारण। वह अभिनेता धर्मेंद्र को अकसर बिग बॉस में सलमान खान के साथ मंच शेयर करते देखा जाता है या फिर कुछ पुरानी तस्वीरों के साथ सोशल मीडिया पर। हाल ही में अभिनेता धर्मेंद्र की कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। वीडियो में एक्टर पैपराज़ी के सामने आये। उनकी हालत ठीक नहीं लग रही हैं। धर्मेंद्र की आंखों पर पट्टी बंधी हुई थी।